@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 2 अक्टूबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 323 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## कोविड ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मियों के परिवार को मिलेंगे 1 करोड़, CM रेखा का ऐलान

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान ड्यूटी निभाते हुए जान गंवाने वाले अपने कर्मचारियों के परिवारों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि कोविड ड्यूटी के दौरान शहीद हुए प्रत्येक कर्मचारी के परिवार को 1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी. सरकार जल्द ही 10 कर्मियों के परिजनों को यह अनुग्रह राशि प्रदान करेगी.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यह सतत प्रक्रिया है और इसके लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की समिति लगातार कार्य कर रही है. मुख्यमंत्री का कहना है कि कोरोना काल में सेवाकाल के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारियों का योगदान दिल्ली के इतिहास के सबसे निःस्वार्थ और प्रेरणादायी अध्यायों में दर्ज किया जाएगा.

**'कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर की सेवा'**

सीएम ने कहा कि कोरोना काल के दौरान दिल्ली सरकार के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाई कर्मियों,

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ऐलान किया है कि कोरोना महामारी के दौरान ड्यूटी निभाते हुए जान गंवाने वाले अपने कर्मचारियों के परिवारों को1 करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी. उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन सभी कर्मवीरों के प्रति एक श्रद्धांजलि है, जिन्होंने अपने कर्तव्य को जीवन से भी अधिक महत्व दिया और इस कठिन समय में लोगों की सेवा की.

शिक्षकों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर, निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा की. उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व महामारी के भय से ठहर गया था, तब ये कर्मचारी दिन-रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे, ताकि लोगों तक स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवश्यक सेवाएं आदि बिना रुके पहुंचती रहें.

**'कर्मवीरों का योगदान प्रेरणादायी'**

उन्होंने कहा कि इन कर्मवीरों का योगदान दिल्ली के इतिहास के सबसे निःस्वार्थ और प्रेरणादायी अध्यायों में दर्ज किया जाएगा.

सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि साल 20202021 में कोविड-19 ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की लंबित अनुग्रह राशि को स्वीकृत कर जारी कर दिया जाए. जल्द ही यह राशि उन सभी

10 कर्मचारियों की असाधारण सेवाओं की मान्यता के रूप में दी जाएगी, जिन्होंने महामारी के सबसे कठिन समय में समाज के लिए अपने जीवन की परवाह नहीं की.

## 2.5 साल पूरे हो गए, ढाई साल और CM रहूंगा... सत्ता परिवर्तन पर बोले सिद्धारमैया

सिद्धारमैया का यह बयान डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के वफादार डॉ. रंगनाथ की टिप्पणी के बाद आया है. रंगनाथ ने कहा कि सीएम बनने की सबकी इच्छा होती है. डीके शिवकुमार एक न एक दिन जरूर सीएम बनेंगे. सिद्धारमैया ने कहा कि मैं पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहूंगा

**एजेंसी**
**इंफाल।** कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं, इसको लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बड़ा बयान दिया है. पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा है कि मैंने ढाई साल पूरे कर लिए हैं और अगले ढाई साल तक सत्ता में बना रहूंगा यानी मैं पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहूंगा. सिद्धारमैया ने कहा कि लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में ढाई साल पूरे हो जाएंगे.

उन्होंने कहा कि मैं कहना चाह रहा हूं कि आलाकमान का जो भी फैसला हो, हमें उसका पालन करना होगा. अगले साल मैसूर दशहरा पर मैं फूल क्यों न चढ़ाऊं? मुझे उम्मीद है कि अगले साल भी मैसूर दशहरा पर मैं चढ़ाऊंगा. मैं इतने सालों से यही करता आ रहा हूं.

वहीं, इस दौरान उन्होंने अपने राजनीतिक सफर पर की गई भविष्यवाणियों और शंकाओं पर भी बात की. सिद्धारमैया ने कहा कि लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री नहीं बनूंगा, लेकिन मैं बन गया. कई लोगों ने कहा कि मेरी कार पर कौआ बैठना अपशकुन होता है और मैं मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहूंगा. उन्होंने यह भी कहा कि मैं बजट पेश नहीं करूंगा, लेकिन मैंने किया.

**और अगले ढाई साल तक सत्ता में बना रहूंगा**

वहीं, अपने अब तक के कार्यकाल को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने ढाई साल पूरे कर लिए हैं और अगले ढाई साल तक सत्ता में बना रहूंगा. मुख्यमंत्री का यह बयान डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के वफादार कांग्रेस विधायक डॉ. रंगनाथ की टिप्पणी के बाद आई है.

## संसद की स्थायी समितियों का गठन

### शशि थरूर बरकरार, BJP को 11 की कमान, जानें कांग्रेस के हिस्से क्या आई

संसदीय समितियों का नया कार्यकाल आमतौर पर सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में प्रारंभ होता है. कुछ सदस्यों ने सरकार से समितियों का कार्यकाल वर्तमान एक साल से बढ़ाकर कम से कम दो साल करने का अनुरोध किया है.

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** सरकार ने संसद की स्थायी समितियों का गठन कर दिया है. 24 समितियों में बीजेपी को 11, कांग्रेस को चार, टीएमसी को दो, डीएमके को दो, समाजवादी पार्टी को एक, जेडीयू को एक, एनसीपी अजित पवार गुट को एक, टीडीपी को एक और शिवसेना शिंदे गुट को एक समिति की कमान सौंपी गई है.

कांग्रेस सांसद शशि थरूर विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष बने रहेंगे. वहीं राजीव प्रताप रूडी को भी इस बार जिम्मेदारी मिली है. रूडी जल संसाधन मंत्रालय से जुड़ी समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं. टीएमसी सांसद डोला सेन वाणिज्य से जुड़ी समिति तो बीजेपी सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल गृह मामलों

से जुड़ी समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं.

साथ ही बैजंयत पांडा को और बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या को जनविश्वास बिल पर सेलेक्ट कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है.

**संसदीय समितियों का कार्यकाल दो साल करने पर भी विचार**

इधर सरकार संसद की स्थायी समितियों का कार्यकाल बढ़ाकर दो साल करने पर विचार कर रही है. कुछ सांसदों ने शिकायत की है कि मौजूदा एक साल का कार्यकाल कोई सार्थक योगदान देने के लिए बहुत कम है. सरकार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन के साथ विचार-विमर्श के बाद इस संबंध में कोई निर्णय ले सकती है.

**एक साल का होता है संसदीय समितियों का कार्यकाल**

संसदीय समितियों का नया कार्यकाल आमतौर पर सितंबर के अंत या अक्टूबर की शुरुआत में प्रारंभ होता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि समितियां किस तारीख को गठित की गई हैं. संसद से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कुछ सदस्यों ने सरकार से समितियों का कार्यकाल वर्तमान एक साल से बढ़ाकर कम से कम दो साल करने का अनुरोध किया था, ताकि समितियां विचार-विमर्श के लिए चुने गए विषयों पर प्रभावी ढंग से विचार कर सकें.

## सेक्स टॉय का शौकीन था बाबा चैतन्यानंद, कमरे से 5 पॉर्न सीडी भी बरामद... जांच में चौंकाने वाले खुलासे

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।**
लड़कियों के यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार आरोपी बाबा चैतन्यानंद से दिल्ली पुलिस पूछताछ कर रही है. इस दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं. बताया जाता है कि चैतन्यानंद सेक्स टॉय का भी शौकीन था. उसके कमरे से सेक्स टॉय बरामद हुआ है. साथ ही 5 सीडी भी मिले हैं, जिनमें पॉर्न मैटेरियल हैं. चैतन्यानंद के Compulsive Sexual Behavior का शिकार होने का भी शक है.

दिल्ली पुलिस बुधवार को बाबा को आश्रम में उसके कमरे में लेकर गई थी. पुलिस को तलाशी के दौरान तीन फ़ोटो भी मिली, जिनमें वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और यूके के एक अन्य नेता के साथ दिख रहा है, ये तीनों फोटो फर्जी हैं.

पुलिस की टीम ने बागेश्वर, अल्मोड़ा और अन्य स्थानों का भी दौरा किया. जहां आरोपी बाबा फरारी के दौरान रुका था, ताकि तथ्यों का मिलान किया जा सके. मामले की तेजी से जांच की जा रही है.

एक अधिकारी ने बताया, ÷गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले की चैट में उसे महिलाओं से अश्लील बातें करते हुए देखा जा सकता है. एक बातचीत में, उसने एक महिला से उसे रिझाने के लिए कहा और उसे गले लगाने व चूमने वाले इमोजी भेजे. उसने इस काम के लिए महिला को ऑनलाइन भुगतान भी किया.

## अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं पर ओवैसी-रिजिजू में तकरार

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अल्पसंख्यक छात्रों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जुबानी जंग छिड़ गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति को केवल कक्षा 9 और 10 तक सीमित कर दिया है, जबकि मुस्लिम छात्रों में पढ़ाई छोड़ने की समस्या कक्षा 5 से ही शुरू हो जाती है। इस पर रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा कि प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति को केवल कक्षा 9 और 10 तक ही रखा गया है क्योंकि राइट टू एजुकेशन (आरटीई) एक्ट के तहत कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देना पहले से ही सरकार की जिम्मेदारी है।

# केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी का बड़ा बयान, लाशों से वोट डलवा रहे केरल की सत्ता में काबिज लोग

## -कांग्रेस और वाम दलों पर मतदाता सूची में हेरफेर के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण और विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों के बीच केंद्रीय मंत्री और मलयालम अभिनेता सुरेश गोपी ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को लाशों ने चुना है, वे सालों से केरल में सरकार चला रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वे थ्रिसूर में हुए विवाद पर चर्चा कर रहे थे। यहां कांग्रेस और वाम दलों पर मतदाता सूची में हेरफेर के आरोप लगे थे। गोपी का दावा था कि केरल की मतदाता सूची में कई मरे हुए लोगों को भी सक्रिय वोटर दिखाकर शामिल किया गया था। केंद्रीय मंत्री गोपी पर भी आरोप लगे थे कि उन्होंने मतदाता सूची से छेड़छाड़ की थी। इस पर गोपी ने कहा, जो लोग जीतने के लिए लाशों से वोट डलवा रहे हैं, ये वहीं लोग हैं जो इतने समय से केरल में सत्ता में हैं। 25 साल पहले दफन हुईं लाशों से वोट डलवाए गए। आप सभी ने इसके बारे में बताया था। उन्होंने थ्रिसूर से जीत को लेकर कहा कि वह भाजपा के प्रभाव वाले पलक्कड़ या तिरुवनंतपुरम से नहीं जीते हैं। उन्होंने कहा, मैं थ्रिसूर से जीता था, जहां भाजपा का ऐसा वर्चस्व भविष्य में भी नहीं हो सकता। मेरा मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि ईश्वर मेरे साथ थे। उन्होंने केरल की राजनीति में बदलाव की भी बात कही है।

# क्रॉसिंग बंद तो शख्स बना शक्तिमान, कंधे पर बाइक रख पार की रेलवे लाइन

## -वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने लिया संज्ञान, अब आरपीएफ करेगी कार्रवाई

झांसी (एजेंसी)। यूपी के झांसी में एक शख्स बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के लिए शक्तिमान बन गया उसने अपनी बाइक को कंधे पर उठाकर रेलवे लाइन पार कर ली। यह वीडियो झांसी-कानपुर रेलवे लाइन के पास मोंठ का बताया जा रहा है। बता दें झांसी-कानपुर रेलवे लाइन की क्रॉसिंग पर एक शख्स ने बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करने के लिए अपनी बाइक को कंधे पर उठा लिया। इस वीडियो को किसी ने रिकॉर्ड करके वायरल कर दिया। यह वीडियो दो-तीन दिन पहले का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मोंठ थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक को कंधे पर उठाकर ले जाने वाले शख्स का नाम प्रदीप है। वह समथर थाना क्षेत्र के कड़ूरा गांव का रहने वाला है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि रेलवे क्रॉसिंग पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी और उसी समय इस शख्स ने ऐसा कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि मामला रेलवे क्रॉसिंग पार करने से जुड़ा है, इसलिए इस पर आगे की कार्रवाई आरपीएफ करेगी। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लिया और तुरंत इसकी जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि यह घटना रेलवे सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का मामला है। शख्स के खिलाफ अभी तक किसी तरह की कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई है। बता दें इस तरह के वीडियो अक्सर लोगों को लापरवाही बरतने और अपनी जान जोखिम में डालने के लिए उकसाते है।

# त्रिपुरा में जेल से छह कैदी फरार

त्रिपुरा (एजेंसी)। उत्तर त्रिपुरा के धर्मनगर उप-जेल से बुधवार को छह कैदी फरार हो गए। इनमें से एक कैदी आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उत्तर त्रिपुरा के एसपी अविनाश कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर फरार कैदियों को पकडने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट देबजानी चौधरी ने बताया कि आज सुबह करीब 6 बजे कैदियों को रोजमर्रा के कार्य और नाश्ते के लिए सेल से छोड़ा गया था। तभी अचानक छह कैदियों ने जेल गार्ड गेडू मिया पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया और जेल के मुख्य द्वार से फरार हो गए। फरार कैदियों में सुनील देबबर्मा उम्रकैद की सजा काट रहा था। घटना के बाद जिले के सभी पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया है और सभी निकासी बिंदुओं को सील कर दिया गया है।

# ड्राइवर ने खोया नियंत्रण, कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई, 6 की मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। यूपी के मुजफ्फरनगर में एक कार की ट्रक से 6 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार तेज होने से ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और वह हाईवे किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला। यह हादसा बुधवार का है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों को मेरठ रेफर किया गया, जहां एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में कुल 6 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे में मरने वालों में तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। यह पहली बार नहीं है जब यूपी में इस तरह का भीषण सड़क हादसा सामने आया है। बता दें इससे पहले 27 सितंबर को उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे वे पर हुए भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई थी।

# राजनाथ सिंह बोले- पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पूरा हिसाब-किताब बराबर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ऑपरेशन सिंदूर को खत्म हुए करीब चार महीने का वक्त बीत चुका है। भारतीय सेना और वायुसेना द्वारा संयुक्त रूप से प्रदर्शित की गई वीरता और साहस ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों के 9 ठिकानों को नेस्तनाबूद कर पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पूरा हिसाब-किताब बराबर कर लिया है। इन बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजधानी में वायुसेना द्वारा आयोजित की गई एक संगोष्ठी में भारत के इस सैन्य अभियान को तीनों सेनाओं के बीच तालमेल का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिवेश में दुनिया में तेजी से बदल रही है, खतरे कहीं अधिक जटिल हो गए हैं। ऐसे में हमें ये स्वीकार करना होगा कि कोई भी सेना अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकती है। किसी भी संघर्ष में कामयाबी के लिए अब अंतर संचालन और एकजुटता आवश्यक है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य सेना, वायुसेना और नौसेना के बीच एकजुटता और एकीकरण को बढ़ावा देना है। ये केवल एक नीतिगत मामला नहीं है। बल्कि तेजी से बदलते हुए सुरक्षा परिदृश्य के बीच अस्तित्व का भी एक प्रश्न है। एकजुटता का मार्ग संवाद, समझ और परंपराओं के सम्मान में शामिल है। तीनों सेनाओं को नई प्रणालियों का निर्माण करते समय एक-दूसरे की चुनौतियों का सम्मान करना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से एकीकृत संचालन की तस्वीर, समय पर निर्णय लेने में सक्षमता, स्थिति आधारित जागरूकता में वृद्धि और अपने नुकसान के जोखिम को घटाना जैसे बिंदु हमारे सामने आए हैं। उन्होंने वायुसेना की एकीकृत वायु कमान-नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) की मिसाल देते हुए कहा कि इसने भारतीय सेना के आकाशतीर और नौसेना के त्रिगुण के साथ मिलकर काम किया। जो अभियान के समय पर एक संयुक्त संचालन का आधार बन रही है।

राजनाथ ने बताया कि युद्ध का विकसित होता स्वरूप, पारंपरिक-गैर पारंपरिक खतरों के जटिल अंतर्संबंध के साथ संयुक्तता को एक विकल्प की जगह पर संचालन से जुड़ी हुई एक बड़ी आवश्यकता बनाता है। वर्तमान समय में ये हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संचालन की प्रभावशीलता के लिए एक मूलभूत आवश्यकता बन गई है। जहां हमारी तीनों सेनाओं स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करने में दक्ष हैं। वहीं, जमीन, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस की संबद्ध प्रकृति सहयोगात्मक शक्ति को विजय की सच्ची गारंटी बनाती है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि विमानन सुरक्षा, साइबर युद्ध जैसे अहम क्षेत्रों में मानकों में भिन्नता विनाशकारी साबित हो सकती है। निरीक्षण में छोटी सी भी गलती व्यापक असर पैदा कर सकती है। अगर हमारी साइबर रक्षा प्रणालियां सभी सेनाओं में अलग-अलग हैं तो विरोधी इस अंतर का फायदा उठा सकते हैं। हमें अपने मानकों में सामंजस्य स्थापित करके इन कमजोरियों को दूर करना पड़ेगा। उन्होंने पीएम मोदी के हाल ही में कोलकाता में तीनों सेनाओं के संयुक्त कमांडर सम्मेलन को

संबोधित करते वक्त संयुक्तता व एकीकरण के महत्व पर दिए गए जोर वाली टिप्पणी को भी प्रमुखता से रेखांकित किया। साथ ही कहा कि इससे सरकार की मामले पर स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। जिसमें ये ध्यान दिया जा रहा है कि सशस्त्र बल न केवल मूल्यों और परंपराओं के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हों। बल्कि वो भविष्य के लिए तैयार प्रणालियों के अग्रदूत भी हों।

# जम्मू-कश्मीर में अलगाववादियों पर फिर प्रहार... तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क किया

**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर पुलिस ने तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क किया है, जिसकी स्थापना अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी ने 2004 में की थी। बीते साल बडगाम पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आफिस को कुर्क किया गया है। पुलिस ने कहा कि अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को कुर्क कर लिया है। कुर्क की गई संपत्ति में एक तीन मंजिला इमारत शामिल है, जिसका इस्तेमाल प्रतिबंधित संगठन के कार्यालय के रूप में किया जाता था। तहरीक-ए-हुर्रियत की स्थापना गिलानी ने अपने मूल संगठन जमात-ए-इस्लामी से अलग होने के बाद की थी। 2023 में, केंद्र ने तहरीक-ए-हुर्रियत को एक गैरकानूनी संगठन घोषित कर प्रतिबंधित कर दिया था। संगठन का मुख्यालय हैदरपुरा के रहमताबाद स्थित गिलानी के आवास परिसर में स्थित था। गिलानी और तहरीक-ए-हुर्रियत प्रमुख मोहम्मद अशरफ सेहराई (जिनकी 2022 में जम्मू की एक जेल में मृत्यु हो गई) के निधन और 2023 में इस पर प्रतिबंध लगने के बाद, यह अलगाववादी संगठन लगभग निष्क्रिय हो गया था। संगठन का अधिकांश शीर्ष और दूसरी पंक्ति का नेतृत्व जेल में है। पूर्व निर्वाचित विधायक गिलानी (92) अपने निधन के समय एक दशक से भी अधिक समय से नजरबंद थे। पुलिस ने कहा, एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर और सक्षम प्राधिकारी से उचित अनुमोदन प्राप्त करके, कानूनी प्रावधानों के अनुसार संपत्ति कुर्क की गई।

# चिदंबरम के बयान से कांग्रेस में बवाल, राशिद अल्वी ने कहा, इससे बीजेपी को फायदा होगा

## –बीजेपी का तंज सोनिया और राहुल गांधी जबाव दें

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के दावे पर कांग्रेस के अंदर बवाल मच गया है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने इस बयान को पार्टी को कमजोर करने वाला बताया। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? उनका यह बयान सिर्फ बीजेपी को फायदा देगा।

दरअसल, चिंदबरम ने दावा किया था कि 26/11 हमले के बाद भारत अमेरिका के दबाव में पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई नहीं कर सका। साल 2008 में मुंबई में हमला हुआ, तब कांग्रेस नेता चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस उनसे और प्रधानमंत्री मनमोहन से मिलने भारत आई थीं और उनसे स्थिति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देने का अनुरोध किया था।

चिदंबरम का कहना था कि मेरे मन में बदला लेने का विचार आया था, लेकिन मनमोहन सरकार ने सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया। चिदंबरम ने कहा, पूरी दुनिया दिल्ली में यह कहने आई थी कि युद्ध मत शुरू कीजिए। उन्होंने आतंकी हमले के कुछ दिन बाद ही गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाली थी। मुंबई हमले में 175 लोगों की जान गई थी।

अब चिदंबरम के बयान पर कांग्रेस नेता अल्वी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। अल्वी ने कहा, क्या इसका मतलब है कि वे अमेरिकी दबाव में काम कर रहे थे? ऐसा बयान केवल बीजेपी को फायदा देगा। चिदंबरम अब 16 साल बाद यह दावा क्यों कर रहे हैं? अगर उस समय वे असहमत थे, तब उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। कांग्रेस के अंदर ही कई लोग हैं जो पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं।

इसके पहले बीजेपी ने चिदंबरम के बयान पर तंज कसा था। बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने मनमोहन सिंह सरकार को कमजोर करार देकर राहुल गांधी पर सवाल दागे थे। प्रसाद ने कहा, मनमोहन सिंह सरकार में गृह मंत्री रहे चिदंबरम ने अब खुद माना है कि मुंबई हमलों के बाद वे पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में थे, लेकिन उस समय विदेश मंत्रालय ने उन्हें रोक दिया और पूर्व पीएम सिंह चुप रहे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यह कितनी कमजोर सरकार थी, जब निर्दोष भारतीय मारे जा रहे थे।

# संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

## –बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने लिखी चिट्ठी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के शताब्दी वर्ष में बीजेपी के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे ने संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग कर दी है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इस बारे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी है। अपनी चिट्ठी में सिद्दीकी ने डॉ हेडगेवार को स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्र-निर्माता बताया है। उन्होंने देश की सेवा और युवा पीढी में देशभक्ति की भावना भरने में उनके योगदान का हवाला दिया है। संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा है, हेडगेवार के योगदानों-स्वतंत्रता संघर्ष में उनकी सक्रिय भागीदारी, राष्ट्र-निर्माण में उनके संगठनात्मक कौशल और एकजुट भारतीय समाज को लेकर उनके दृष्टिकोण को देखकर उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत बलिदानों को मान्यता देगा, बल्कि सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्र के लिए अथक कार्य करने के लिए भी प्रेरित करेगा।

बात दें कि डॉ हेडगेवार का जन्म 1 अप्रैल, 1889 को नागपुर में हुआ था। उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। गुरुवार यानी 2 अक्टूबर, 2025 को इसकी स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ इन दिनों पूरे देश में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है। डॉ हेडगेवार संघ के संस्थापक सर संघचालक थे। मोहन भागवत आरएसएस के छठे सर संघचालक हैं।

आरएसएस के शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा है कि संघ के हर संगठन का भाव एक है-राष्ट्र प्रथम। उनका कहना है कि संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण है। उन्होंने कहा कि संघ खुद भी तपता है और दूसरों को भी तपाता है।... संघ का एकमात्र लक्ष्य है.......एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इस मौके पर पीएम मोदी ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष के मौके पर एक विशेष डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया।

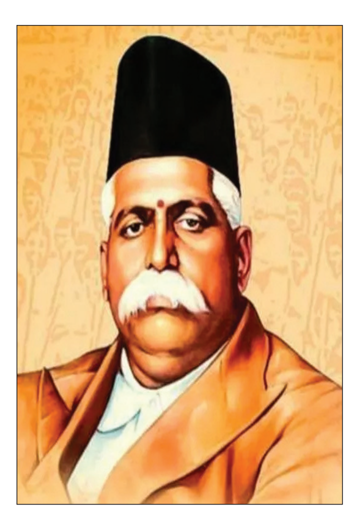

### सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन है आरएसएस

पीएम मोदी ने कहा कि परम पूज्य हेडगेवारजी ने 1925 में विजयादशमी के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। हेडगेवार के देहांत के बाद गुरुजी ने राष्ट्र सेवा के महान अभियान को आगे बढ़ाया। बता दें कि आरएसएस खुद को एक सांस्कृतिक-सामाजिक संगठन बताता है, जिसके स्वयंसेवकों का लक्ष्य समाज में सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ाना और नागरिकों में अनुशासन, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाना है।

# एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट में खुलासा, ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोत्तरी हुई

भुवनेश्वर (एजेंसी)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट, क्राइम इन इंडिया 2023 ने ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बिगड़ती प्रवृत्ति का खुलासा हुआ है। 2023 में विभिन्न पुलिस थानों में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 25,914 मामले दर्ज हुए हैं, जो देश में छठा सबसे अधिक है। एनसीआरबी 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध के 761 मामले दर्ज हुए, जो सबसे ज्यादा हैं। इसमें अश्लील कंटेंट भेजना, ब्लैकमेलिंग, मानहानि, फोटो के साथ छेड़छाड़ और फर्जी प्रोफाइल बनाना शामिल है। एनसीआरबी की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है कि 1195 मामलों के साथ, ओडिशा उन शीर्ष 10 राज्यों में शामिल है (सातवें स्थान पर) है। 2023 में ओडिशा और कर्नाटक में पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों के इस्तेमाल और बाल पोर्नोग्राफी सामग्री के भंडारण से संबंधित 30 मामले दर्ज किए गए, जो देश में चौथे सबसे अधिक मामले हैं। ओडिशा में महिलाओं की इज्जत को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमले के 9,367 मामले दर्ज हुए, जो देश में चौथा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इस श्रेणी में ओडिशा की अपराध दर (40.6) देश में सबसे अधिक है। इसके अलावा, ओडिशा में 2023 में महिलाओं के अपहरण और अगवा करने के 5,611 मामले दर्ज किए गए। इस श्रेणी में ओडिशा देश में सातवें स्थान पर है, लेकिन अपराध दर (24.3) के मामले में दिल्ली (39.5) के बाद दूसरा सबसे ऊंचा है।

# अनुसूचित जनजाति के लोगों के खिलाफ 29 प्रतिशत बढ़े अपराध, देश में दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अनुसूचित जनजाति के कल्याण और उनके हक के लिए ताल ठोंककर दावा करने वाली सरकारों के लिए ये चौंकाने वाली रिपोर्ट है। अनुसूचित जनजाति के खिलाफ पूरे देश में करीब 29 प्रतिशत अपराध बढ़े हैं। जिन राज्यों में सर्वाधिक जुल्म और अत्याचार हुए हैं उसमें मणिपुर पहले और मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मणिपुर इस मामले में सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां मई 2023 से मैतेई और कुकी-ज़ो समुदायों के बीच जातीय हिंसा की आग अभी भी सुलग रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वहां एसटी समुदाय के खिलाफ 3,399 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2022 में ऐसे मामलों की संख्या सिर्फ एक थी और 2021 में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया था। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो मणिपुर के बाद मध्य प्रदेश का स्थान दूसरे नंबर पर है। जहां एसटी समुदाय के खिलाफ अपराध के 2,858 मामले दर्ज किए गए हैं।

आजादी के 78 सालों बाद भी देश के सबसे दबे-कुचले समुदाय के लोगों के खिलाफ अपराध के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे बल्कि उसकी संख्या में और इजाफा हो रहा है। इस बात की तस्दीक राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने की है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, देशभर में अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के खिलाफ अपराध के मामलों में करीब 29 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 की तुलना में 2024 में अनुसूचित जनजातियों के खिलाफ अपराध के मामलों में 28.8 फीसदी की वृद्धि हुई है। 2024 में एसटी समुदाय के खिलाफ देश भर में कुल 12,960 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि 2022 में यह संख्या 10,064 थी। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो मणिपुर के बाद मध्य प्रदेश का स्थान दूसरे नंबर पर है। जहां एसटी समुदाय के खिलाफ अपराध के 2,858 मामले दर्ज किए गए हैं। 2022 में यह संख्या 2,979 और 2021 में 2,627 थी। इसके बाद तीसरे स्थान पर राजस्थान है, जहाँ 2023 में ऐसे 2,453 मामले दर्ज किए गए, जो 2022 के 2,521 मामलों से कम है, लेकिन 2021 में दर्ज 2,121 मामलों से अधिक है।

# महबूबा मुफ्ती ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, बोलीं- कश्मीरियों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान पर खड़े होने को किया जा रहा मजबूर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार कश्मीर में लोगों को जबरन राष्ट्रगान के लिए खड़ा करवा रही है। उन्होंने दावा किया कि श्रीनगर में राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने पर 15 युवकों को हिरासत में लिया गया है।

महबूबा ने कहा, कि कश्मीर में लोगों को बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए मजबूर किया जा रहा है। जब मैं छात्रा थी, तो हम अपनी इच्छा से राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होते थे। लेकिन अब यह दबाव डालकर करवाया जा रहा है। यह सरकार की विफलता है। दरअसल, 30 सितंबर की शाम श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान का आयोजन हुआ था। इस दौरान 15 युवक खड़े नहीं हुए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें

हिरासत में लिया। इस कार्रवाई की महबूबा मुफ्ती ने कड़ी आलोचना की है।

### खेल मैदानों को लेकर भी जताई नाराजगी

महबूबा ने बुधवार को मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल के मैदान का दौरा किया और आरोप लगाया कि पुलिस इस मैदान पर शहीद स्मारक बनाने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा, यह कदम युवाओं से खेल का मैदान छीनने जैसा है। हमारे खेल के मैदान धीरे-धीरे गायब किए जा रहे हैं। मैं डीजीपी से अपील करती हूं कि इस मैदान को बचाया जाए। इसके अलावा उन्होंने चट्टाबल इलाके के डेयरी फार्म मैदान का भी दौरा किया। यहां उन्होंने कहा कि यह मैदान दशकों से खेलों के लिए इस्तेमाल होता रहा है और स्थानीय लोग इसे बचाने की मांग कर रहे हैं। मुफ्ती ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा की नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता की सराहना की थी, ऐसे में सेना को भी चाहिए कि यह मैदान युवाओं से न छीना जाए।

महबूबा मुफ्ती ने चेतावनी दी कि अगर युवाओं से खेल और सार्वजनिक स्थान छीने गए, तो असंतोष और बढ़ेगा। उन्होंने कहा, पुलिस हमारी रक्षक है। शहीदों का स्मारक कहीं और भी बनाया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में ऐसी जगहों की कोई कमी नहीं है।

# मानसून विदाई को गलत साबित कर रही दिल्ली और राजस्थान की भारी बारिश

## –जयपुर में रावण के पुतले बहे, दिल्ली में जलभराव और जाम से लोग होते रहे परेशान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कहने को देशभर में मंगलवार को ही आधिकारिक रूप से मानसून का समापन हो गया, लेकिन बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। जयपुर और आसपास के इलाकों में मंगलवार को महज दो घंटे की तेज बारिश ने हालात बिगाड़ के रख दिए। कई इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया और दशहरा उत्सव के लिए तैयार रावण के पुतले बहते नजर आए। आज भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस मानसून देशभर में सामान्य से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है।

यहां दिल्ली में भी मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित होता हुआ दिखा। दरअसल मंगलवार को दिल्ली में मौसम ने अचानक करबट ली और दिनभर तेज वर्षा हुई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। जलभराव और जगह-जगह जाम से लोग परेशान होते रहे। इस बारिश ने गर्मी से राहत तो दिलाई लेकिन लोगों को परेशानी भी खूब हुई। यहां बुधवार और गुरुवार को भी वर्षा का अनुमान है। वहीं मानसून विदाई के बावजूद राजस्थान में हो रही बारिश सभी को हैरान कर रही है। यहां कोटा में 221 फीट ऊंचा रावण का पुतला बारिश में भीग गया। दावा है कि यह दुनिया का सबसे ऊंचा रावण का पुतला है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दशहरे के दिन यानी 2 अक्टूबर को भी राजस्थान में तेज बारिश हो सकती है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस बार जून से सितंबर तक के मानसून सीजन में देशभर में सामान्य से 8प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। औसतन 868.6 मिमी वर्षा होती है, जबकि इस साल 937.2 मिमी दर्ज की गई। इस मानसूनी बारिश ने हालांकि खुशहाली के साथ-साथ तबाही लाने का भी काम किया है। आंकड़ों के अनुसार, इस मानसून में मौसम से जुड़ी घटनाओं से करीब 1520 लोगों की जान चली गई। इनमें से 935 मौतें बाढ़ और भारी बारिश से हुईं, जबकि 570 लोगों की मौत बिजली गिरने और आंधी-तूफान की वजह से हुईं। आईएमडी ने यह भी बताया कि अक्टूबर से दिसंबर तक बारिश का दौर जारी रहेगा। अक्टूबर में सामान्य से 15 प्रतिशत ज्यादा वर्षा होने का अनुमान है। दक्षिणी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में भी मानसून के बाद सामान्य से अधिक बारिश की संभावना है।

### दिल्ली में बादल और हल्की बारिश की संभावना

राजधानी दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा कम है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में 38 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज दिनभर बादल छाए रहेंगे और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है।

### उत्तर प्रदेश में बारिश और हादसे

उत्तर प्रदेश के वाराणसी, जौनपुर और कानपुर सहित 36 जिलों में बुधवार को बारिश का अलर्ट है। वाराणसी में मंगलवार शाम से शुरू हुई बारिश रातभर जारी रही और बुधवार सुबह तक करीब 60 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश से लोटा टीला

मठ की दीवार गिर गई। जालौन में आकाशीय बिजली गिरने से 100 साल पुराना शिव मंदिर ढह गया। वहीं फतेहपुर में बिजली गिरने से छह लोगों की मौत हो गई।

इस तरह से भले ही मानसून का आधिकारिक समापन हो गया, लेकिन देश के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में प्रशासन और आम जनता दोनों को सतर्क रहने की जरूरत है ताकि मौसम से होने वाले हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

## वित्त, डिजिटल इंडिया और बैंकिंग इनोवेशन की रहेगी गूंज

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में 9 अक्तूबर को आयोजित होने जा रहे एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव, एक्सपो एवं पुरस्कार समारोह में एक ओर जहां केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी इस आयोजन को गरिमा प्रदान करेगी, वहीं दूसरी ओर देश के कॉरपोरेट, फाइनेंस और एमएसएमई क्षेत्र के विशेषज्ञ मंच से अपने विचार साझा करेंगे। यह कार्यक्रम न सिर्फ उद्यमिता को नई दिशा देने का मंच बनेगा, बल्कि इसमें छोटे उद्योगों की चुनौतियों और अवसरों पर भी गंभीर विमर्श होगा। इस आयोजन की दूसरी कड़ी में मंच पर जिन प्रमुख वक्ताओं की उपस्थिति दर्ज होगी, वे अपने-अपने क्षेत्रों के स्थापित नाम हैं। इनमें मास्टरकार्ड इंडिया के चेयरमैन रजनीश कुमार, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक डॉ. सुभ्रांशु शेखर आचार्य, गोदरेज कैपिटल के एमडी व सीईओ मनीष शाह और आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक थम्पी कोशी जैसे दिग्गज शामिल हैं। ब्यूरो अमर उजाला एमएसएमई फॉर भारत में वक्ता कौन होंगे शीर्षक से एक विशेष समाचार श्रृंखला शुरू की है, जो इस आयोजन के प्रमुख वक्ताओं का परिचय देगी। एमएसएमई क्षेत्र की कंपनियां और डेलीगेट्स इस कॉन्क्लेव में भाग लेने के लिए अमर उजाला अखबार में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर रजिस्टर कर सकते हैं। यह आयोजन एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

### सफदरजंग अस्पताल में हॉस्टल के कमरे का गिरा प्लास्टर

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल के एक हॉस्टल में प्लास्टर गिरने का मामला सामने आया है। इसमें एक मेडिकल का छात्र घायल हो गया। हालांकि अस्पताल का दावा है कि छात्र को मामूली चोट आई है। मिली जानकारी के अनुसार बॉयज हॉस्टल की सातवीं मंजिल पर स्थित एक कमरे की छत का प्लास्टर गिर गया। इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल है। इस वीडियो में छत से गिरा प्लास्टर कमरे में बिखरा पड़ा नजर आ रहा है।

# शूटर गिरफ्तार, पूजा शकुन पांडेय की तलाश जारी

कौमी पत्रिका

अलीगढ़। बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता की हत्या में पुलिस ने शूटर मोहम्मद फजल पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी गोंडा रोड नीवरी अलीगढ़ को पुराने मथुरा बाईपास पुल के नीचे से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को शातिर के पास से हत्या में प्रयुक्त अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस व हत्या में ली गई रकम में से बचे 7200 रुपये बरामद किए हैं। मामले में आरोपी अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आरोपी तक तक पहुंचने के लिए, लगातार सीसीटीवी कैमरे से सुराग तलाशे जा रहे हैं। अलीगढ़ एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि बाइक शोरूम स्वामी अभिषेक गुप्ता हत्याकांड में दो शूटरों में से एक शूटर मोहम्मद फजल गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे साथी आसिफ की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पकड़े गए नीवरी निवासी शूटर मोहम्मद फजल ने पूछताछ में बताया कि मोहम्मद फजल अशोक पांडेय को 7-8 साल से जानता है। लगभग एक डेढ़ माह पहले अशोक पांडेय के घर वैल्डिंग का काम चल रहा था। तब अशोक पांडेय ने मोहम्मद फजल से एक लड़के की हत्या के लिए कहा। मोहम्मद फजल ने नीवरी मोड़ निवासी आसिफ पुत्र नाजिर से बात

कराई। उसके बाद मोहम्मद फजल, आसिफ को अशोक पांडेय व पूजा शकुन पांडेय के साथ घर पर मीटिंग हुई। वहां पूजा शकुन पांडेय ने अभिषेक गुप्ता का फोटो दिखाया कि इसकी हत्या होनी है। हत्या के लिए तीन लाख रुपये तय हुए। एक लाख एडवांस दिए गए। खैर में मृतक के टीवीएस शोरूम पर रैकी की। फजल और आसिफ बाइक पर सवार होकर अभिषेक के पीछे लग गए। खेरेश्वर चौराहे पर अभिषेक गुप्ता, उसके पिता, चचेरे भाई बस से उतर कर पैदल सिकंदराराऊ की ओर जाने वाली बस में चढ़ रहे थी, तभी गोली चलाकर दोनों फरार हो गए। जांच में सामने आया है कि अगस्त व सितंबर में अभियुक्त की अशोक पांडेय से 27 बार और पूजा शकुन पांडेय से 11 बार कॉल पर बात हुई। एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि शूटर के दूसरे साथी आसिफ और पूजा शकुन पांडेय की तलाश में पुलिस टीमें लगी हुई हैं। जल्दी ही दोनों गिरफ्तार किए जाएंगे। पकड़े गए मोहम्मद फजल का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। हाथरस के सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी बाइक शोरूम संचालक अभिषेक गुप्ता की हत्या 26 सितंबर देर शाम खेरेश्वर चौराहा पर बाइक सवार शूटरों ने कर दी थी। इसमें परिजनों ने अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय सचिव महामंडलेश्वर अन्नपूर्णा भारती उर्फ पूजा शकुन पांडेय, उनके पति राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक पांडेय व दो अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अशोक पांडेय को 28 सितंबर को जेल भेज दिया था।

## 10 लाख रुपये चोरी करने के बाद कर दी लूट की झूठी कॉल

नई दिल्ली। बेटी की शादी करने के लिए निजी कंपनी के कर्मचारी ने लूट की झूठी साजिश रच दी। पुलिस को कॉल कर उसने बताया कि दो बदमाशों ने जबरन उससे 10 लाख रुपये और उसकी सोने की चेन लूट ली। उत्तर-पश्चिम जिला की केशवपुरम थाना पुलिस ने छानबीन की तो हकीकत का खुलासा हो गया। आरोपी गुरदेव सिंह की निशानदेही पर उसके घर से 10 लाख रुपये बरामद कर उसे हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि बेटी की शादी के लिए मजबूर होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। उत्तर-पश्चिम जिला के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया, सोमवार शाम को इम्पेक्स कंपनी में कलेक्शन एजेंट गुरदेव सिंह ने मालिक विरेन चोपड़ा के कहने पर करोल बाग से पेमेंट ली थी। करीब 1.30 बजे वह निकला। उसने पुलिस को बताया कि रेलवे ओवर ब्रिज पर करीब 3.50 बजे पहुंचने पर दो युवकों ने उसकी स्कूटी को ओवरटेक कर गिरा दिया। जबरन कैश और उसकी सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने घटना स्थल की जांच की तो वहां गिरने के कोई निशान नहीं मिले। इसके अलावा उसकी स्कूटी पर भी कोई खरोंच नहीं थी। शक के आधार पर उससे पूछताछ की गई तो वह टूट गया। उसने फर्जी लूट की कहानी की रचने की बात बताई। कहा, बेटी की शादी के लिए उसे रुपयों की जरूरत थी। इसलिए उसने मालिक के पैसों को हड़पने के लिए साजिश रची।

# त्योहारी सीजन में नियमित ट्रेनों में सीटें उपलब्ध, चलेगी चरलापल्ली-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल

दिल्ली। उत्तर रेलवे ने दावा किया है कि त्योहारों के सीजन में यात्रियों के लिए नियमित ट्रेनों में सीटें खाली हैं। रेलवे का कहना है कि त्योहारों की भीड़ के बावजूद उनकी नियमित ट्रेन सेवाओं जिनमें वंदे भारत एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस और मेल/एक्सप्रेस जैसी प्रतिष्ठित गाड़ियों में अभी भी बड़ी संख्या में सीटें उपलब्ध हैं। यात्री अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। उत्तर रेलवे द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार निजामुद्दीनङ्करानी कमलापति वंदे भारत (20172) में 1 अक्तूबर से चेयर कार की 191 सीटें उपलब्ध हैं। निजामुद्दीनङ्कभोपाल शताब्दी (12002) में 200 सीटें 1 अक्तूबर से उपलब्ध हैं। नई दिल्लीङ्कबनारस वंदे भारत (22436) में 306 सीटें 4 अक्तूबर से और दूसरी वंदे भारत (22416) में 654 सीटें 3 अक्तूबर से खाली हैं। नई दिल्लीङ्ककानपुर शताब्दी (12034) में 234 सीटें 1 अक्तूबर से उपलब्ध हैं। नई दिल्लीङ्कलखनऊ शताब्दी (12004) में 318 सीटें 3 अक्तूबर से खाली हैं। अमृतसरङ्कश्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत (26405) में 168 सीटें 1 अक्तूबर से उपलब्ध हैं। नई दिल्ली-अंब अंदौरा (22447) में 422 सीटें 3 अक्तूबर से खाली हैं। निजामुद्दीनङ्कखजुराहो (22470) में 299 सीटें 1 अक्तूबर से उपलब्ध हैं। वहीं नई दिल्लीङ्कअजमेर शताब्दी (12015) में 337 सीटें 4 अक्तूबर से खाली हैं। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से कहा है कि भीड़ से बचने के लिए केवल स्पेशल ट्रेनों पर ही निर्भर न रहें, बल्कि नियमित ट्रेनों में उपलब्ध सीटों का भी लाभ उठाएं। यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट, मोबाइल एप और अधिकृत ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से टिकट बुक करा सकते हैं। उत्तर रेलवे की ओर से त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके तहत चरलापल्ली से हजरत निजामुद्दीन के बीच द्वि-साप्ताहिक त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। रेलवे के मुताबिक ट्रेन संख्या 07095 चरलापल्लीङ्कहजरत निजामुद्दीन स्पेशल 7 और 16 अक्तूबर को चरलापल्ली से सुबह 7ः40 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 4 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसके अलावा वापसी में ट्रेन संख्या 07096 हजरत निजामुद्दीनङ्कचरलापल्ली स्पेशल 8 और 17 अक्तूबर को हजरत निजामुद्दीन से शाम 7 बजे चलेगी

और तीसरे दिन सुबह 4 बजे चरलापल्ली पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव जंगांव, काजीपेट जंक्शन, पेड्डापल्ली, मनछेरल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर जंक्शन, आमला जंक्शन, इटारसी जंक्शन, भोपाल जंक्शन, बीना जंक्शन, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, आगरा कैंट और मथुरा जंक्शन पर होगा। स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित कोच, शयनयान और साधारण डिब्बे लगाए जाएंगे ताकि यात्रियों को त्योहार के समय आरामदायक यात्रा कर सके। रेलवे प्रशासन का कहना है कि त्योहारों के मौसम में यात्रियों की मांग को देखते हुए और भी स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की जा सकती है।

# सीने पर आई लव मोहम्मद लिखकर किया प्रदर्शन, रील बनाकर की वायरल

शामली। आई लव मोहम्मद कैंपेन को लेकर बरेली में पिछले सप्ताह हुई हिंसा के बाद अब शामली में गांव कुड़ाना निवासी दिलशाद ने अपनी छाती पर आई लव मोहम्मद लिखकर अपने गांव और शहर में प्रदर्शन किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई। इस मामले में नगरपालिका के सभासद निशिकांत संगल की तहरीर पर पुलिस ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गांव कुड़ाना निवासी दिलशाद ने अपनी छाती पर बड़े अक्षरों में आई लव मोहम्मद लिखा। उसने मंगलवार को गांव कुड़ाना में घूमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद शामली शहर में हाथ में तिरंगा लेकर घूमते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान उसने रील के साथ वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। रात में यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और उसकी तलाश में जुट गई। उधर, इस मामले में मोहल्ला धर्मपुरा निवासी नगरपालिका के वार्ड 23 के सभासद निशिकांत संगल ने शहर कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि गन्ना समिति के पास दिलशाद ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और हिंदू धर्म के प्रति आपत्तिजनक शब्द कहते हुए गालीगलौज की। इससे पहले आरोपी ने शहर के प्रमुख स्थानों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। सभासद ने कहा कि आरोपी के इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सभासद ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने सभासद की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

# पति के जमानत के लिए महिला करने लगी हेरोइन की तस्करी, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला नारकोटिक्स सेल ने पति की जमानत करवाने के लिए हेरोइन की तस्करी करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के कब्जे से पुलिस ने 27 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी महिला का पति हेरोइन तस्करी में जम्मू कश्मीर में गिरफ्तार हुआ था और फिलहाल जेल में है। महिला निम्न आय वाले लोगों के बीच हेरोइन सप्लाई कर रही थी। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को पता चला कि ओम विहार में रहने वाली एक महिला तस्करी में लिप्त है। 20 सितंबर को टीम ने छापा मारकर महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला की पहचान 33 साल की बरखा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 27 ग्राम हेरोइन मिली। बरखा ने बताया कि उसका पति भी ड्रग तस्कर है और उसे 2024 में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हेरोइन की आपूर्ति करते समय पकड़ा था। उसका पति अभी भी जेल में बंद है। वह उसे जमानत पर छुड़वाने के लिए हेरोइन की तस्करी करने लगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं है।

## फरीदाबाद के ध्यानार्थ इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने के नाम ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो जालसाजों फरीदाबाद के सेक्टर-55 स्थित गोची निवासी आजाद खान और जीवन नगर निवासी अजय के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। छानबीन में पुलिस को पता चला है कि आरोपी फेसबुक पर नौकरी लगवाने का फर्जी प्रचार करते थे। बेरोजगार युवक-युवतियां जब इनको कॉल करते थे तो आरोपी फॉर्म, यूनिफॉर्म समेत अन्य चार्ज के नाम पर मोटी रकम वसूल लेते थे। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया, रोहित यादव एनसीआरपी पार्टल पर 24100 रुपये की ठगी की शिकायत दी थी। पीड़ित ने बताया कि उसने फेसबुक पर इंडिगो एयरलाइंस पर जॉब का एक विज्ञापन देखा था। उसमें एक नंबर दिया गया था। पीड़ित ने उस नंबर पर कॉल किया। उस समय फोन नहीं उठा, लेकिन बाद में एक अन्य नंबर से कॉल आया। कॉलर ने अपना नाम रोहित शर्मा बताकर नौकरी दिलवाने की बात की। बाद में आरोपी ने फॉर्म की फीस, यूनिफॉर्म व अन्य खर्चों के नाम पर पीड़ित से 24100 रुपये वसूल लिए। बाद में आरोपियों ने अपने नंबर बंद कर लिए। जिसमें रकम ट्रांसफर हुई थी उसकी पड़ताल की गई। इसके अलावा मोबाइल नंबर की डिटेल भी ली गई, जिससे कॉल आया था। बाद में पुलिस ने दोनों आरोपियों को फरीदाबाद से दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया। बैंक खाता आजाद खान व मोबाइल अजय के नाम पर रजिस्टर्ड था।


**(BEDAKHAL)**

I, SUNITA RUSTAGI wife of late shri SATISH RUSTAGI declare as under that I disowned my son`s SHEETAL RUSTAGI and his wife SHIVANI RUSTAGI from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at G-55, GROUND FLOOR, PREET VIHAR, SHAKAR PUR BARAMAD, DELHI-110092.-It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

**NAME CHANGE**

I, CHANDERKALA Wife of No. 16119162X Rank-SPR Name-JAT SURESH KUMAR RAMSWARUP Presently residing at 43, THASKA (139), HISAR, HARYANA-125047, have changed my name from CHANDERKALA to CHANDER KALA for all future purposes vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**

I, HARI OM PARKASH S/o Sain Das R/o A-13, Arya Nagar Apar, Arya Nagar Apartments, I.P Extn., Delhi-110092, have changed my name to HARI OM PRAKASH permanently.

**NAME CHANGE**

I, HIMANSHUU SHEKHAR S/o Bijay Pal Singh R/o G-1115, Piyush Heights, Sec-89, Faridabad-121002, Haryana have changed my name to HIMANSHU SHEKHAR SINGH permanently

**NAME CHANGE**

I Yogesh S/o Shakti Ram Semwal R/O PLOT No 151 A, B Block Gali no 18,Shyam Vihar Phase -1,Dindar Pur Delhi -110043, I have changed my name to YOGESH SEMWAL Permanently

**NAME CHANGE**

I, Kumar Charkarwarty S/O Sarsij Ranjan R/O D2/80 Top Floor Mahavir Enclave Part 1 Delhi-110045 have changed my name to Kumar Charkarwarti for all future purpose.

**NAME CHANGE**

I, Sirsiz Ranjan Prasad Singh S/O Brajesh Kishor Singh R/O Ladaut,Depura Madhubani Bihar - 847223 have changed my name to Sarsij Ranjan for all future purpose.

**PUBLIC NOTICE**

Information is given to general public at large that our client Mr. Ali Raza S/o Mr. Abdul Navi & Mr. Sakur Raza S/o Mr. Abdul Navi are the owner of Freehold Residential Plot area measuring 154 Sq. Yard, i.e. 128.75 Sq. Meters, out of Khasra No. 1067 & 1068, situated at Shyam Enclave Hadbast Village Pasonda Pargana Loni Tehsil & District Ghaziabad U.P., by virtue of Sale Deed dated 01.09.2025 which is duly regd., as Doc. No. 10707, in Book No. I, Vol. No. 22937, on Pages. 141-170, dated 01.09.2025 SRO-Sadar II Ghaziabad. till date and has lost/Misplace his (1) Original Sale Deed dated 31.01.2014 Vide Doc no. 876, Vol no. 9983 Page no. 85-142 SR-GZB-III. first Page & last particular registration page. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Peeragarhi Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

**PUBLIC NOTICE**

Be it known to all that my clients Smt. Arti Chandyoke W/o Sh. Tajinder Chandyoke and Sh. Tajinder Chandyoke S/o Late Sh. Rajinder Pal Chandyake both R/o 5A/12, 3rd floor, Tilak Nagar, New Delhi-110018, have severed all their relationship/connection with their son Sh. Praval Chandyoke and his wife Smt. Ashlay Chandyoke. And my clients have disowned and disinherited both of them from their entire moveable and immoveable property due to the above mentioned Smt. Ashlay Chandyoke's unruly behavior towards my clients and Ashlay's constant threats to implicate my clients into false criminal cases. Whosoever deals with Praval & Ashlay in any manner shall do so at his/her own risk, cost and consequences as my clients will not be responsible for the same in any manner whatsoever.

**KHAGESH SETH, ADVOCATE**
123 Lawyer's Block Saket Courts,
New Delhi-110017

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल, **उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक** शाखा, पता- एससीओ-36, सेक्टर-15, पार्ट-2, हुडा मार्केट, गुरुग्राम, हरियाणा-122001। यहाँ श्रीमती सविता पत्नी श्री नरेंद्र सिंह (स्वामी) ने मेरे मुवक्किल से 209 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली एक संपत्ति/हाउस प्लॉट के लिए ऋण सुविधा की स्वीकृति और वितरण हेतु संपर्क किया है, जिसमें खेवट/खाता संख्या 742/2, 756/2, मुस्तकिल संख्या 64, किला संख्या 8 (8-0), कित्ता 1 रकबा 8 कनाल 0 मरला हिस्सा 62/1440 यानी रकबा 0 कनाल 6 मरला 8 सरसई शामिल है। कुल भूमि 209 वर्ग गज है। वाका मोजा बादशाहपुर, तहसील बादशाहपुर और जिला गुरुग्राम हरियाणा में स्थित है। यहां श्रीमती सविता पत्नी श्री नरेंद्र सिंह हैं। मालिक (यहाँ प्रारंभ में, मेसर्स यूनिटेक लिमिटेड और मेसर्स धुर्वा रियल्टी प्रोजेक्ट लिमिटेड और मेसर्स यूनिटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मेसर्स एग्मोन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स क्रिमसन डेवलपर्स प्राइवेट भूमि के दर्ज मालिक थे। आगे बिक्री विलेख संख्या 8638, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 26.09.2019 मेसर्स यूनिटेक द्वारा निष्पादित लिमिटेड और मेसर्स धुर्वा रियल्टी प्रोजेक्ट लिमिटेड और मेसर्स यूनिटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मेसर्स एग्मोन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स क्रिमसन डेवलपर्स प्राइवेट (हस्ताक्षर विनय कुमार के माध्यम से) श्री संतलाल पुत्र श्री हरि सिंह और श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री चुन्नी लाल के पक्ष में। कुल भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 15 मरला। और आगे बिक्री विलेख दस्तावेज़ संख्या 9650, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 25.10.2019 श्रीमती सविता पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह के पक्ष में। कुल भूमि क्षेत्रफल 209 वर्ग गज)। यदि कोई व्यक्ति/संस्था/वित्तपोषक/बैंक, जिसके पास उक्त संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, दावा, हक या हित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर, उसके समर्थन में दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी के समक्ष अपना दावा प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा, उसके बाद किसी भी प्रकार के दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

**दीपक मलिक ( अधिवक्ता )**
पता - दुकान - 2 कटारिया कॉम्प्लेक्स,
दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

**NAME CHANGE**

I, SANGEETA is legally spouse of No. JC 423982X Rank NB SUB Name BHAWANI SINGH presently residing at VPO-RANSIGAON, TEH–BILHRA, DIST-JODHPUR, STATE-RAJASTHAN, PIN-342601 have changed my name from SANGEETA to SANGEETA KANWAR for all future purposes. Vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public New Delhi.

**NAME CHANGE**

I, NAVNEET SOHI W/o AMANPREET SINGH R/o 56/8, MANEKSHAW OFFICERS ENCLAVE, DELHI CANTT-110010, have changed my name from NAVNEET SOHI to NAVNEET KAUR SOHI for all future purposes.

**NAME CHANGE**

I, Ananya Singh D/o Sanjay Singh R/o Badi Bakwal Dumaranw, Mau, Uttar Pradesh-275101, hereby undertake that I Ananya Singh want to change my name to Anay Singh and gender as male. I Ananya Singh henceforth be known as Anay Singh S/o Sanjay Singh

**PUBLIC NOTICE**

This is to inform the general public at large that **Mr. Jateshwar Jha**, our client, has approached **IDBI Bank Ltd.** for a home loan to Purchase the **Residential Flat No. 71, Ground Floor, Pocket-15, Sector-22, Type-A, Situated in the Layout Plan of Housing Estate at Rohini, Delhi**.

At present, the said property stands in the name of **Mrs. Veena Verma**.

It is brought to the notice of the public that the following documents relating to the said property are available, however, the pages containing their **registration particulars are missing**:

**1.Original GPA dated 01.05.2003** executed by **Sh. Vijay Kumar Luthra, S/o Sh. B.R. Luthra**, in favour of **Sh. Mahesh Arora, S/o Sh. Govind Ram Arora**. **registration particulars are missing**

**2.Original GPA dated 19.02.2004** executed by **Sh. Mahesh Arora, S/o Sh. Govind Ram Arora**, in favour of **Smt. Veena Verma, W/o Sh. S.K. Verma**. **registration particulars are missing**

**3.Original ATS dated 19.02.2004** executed by **Sh. Mahesh Arora, S/o Sh. Govind Ram Arora**, in favour of **Smt. Veena Verma, W/o Sh. S.K. Verma**. **registration particulars are missing**

The said property is proposed to be **mortgaged with IDBI Bank Ltd.** for the purpose of availing the home loan.

Any person(s), including banks, financial institutions or any other individual/entity having any claim, right, title, interest, objection, demand or encumbrance of any nature whatsoever (whether by inheritance, mortgage, charge, lien, possession, lease, assignment or otherwise) in respect of the said property or any part thereof, are hereby requested to notify the same **in writing along with documentary evidence** to the undersigned within **7 (seven) days** from the date of publication of this notice.

Failing which, it shall be presumed that there are no such claims or objections, and the same shall be deemed to have been **waived and forfeited** for all intents and purposes.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF, Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

**NAME CHANGE**

I, KAMALA DEVI mother of NO-4204284P Rank-L/NK Name-PRADEEP KUMAR R/o VPO-HEERWA, TEHSIL-BUHANA, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333027, have changed my name from KAMALA DEVI to KAMLA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 28/09/2025 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**

I, KUSUM wife of NO-4203486K, Rank-NK, Name-BABU LAL residing at VILL-KARIRA, PO-KANINA, TEHSIL-KANINA, DIST-MAHENDRAGARH, HARYANA-123027, have changed my name from KUSUM to KUSUM KUMARI for all future purposes Vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public Delhi

**PUBLIC NOTICE**

THIS IS FOR THE GENERAL INFORMATION OF ALL CONCERNED THAT MY CLIENT RASHMI WADHWA C/O …. R/O H.NO. 624, 1ST FLOOR SEC.- 47 GURUGRAM HARYANA-122008, HAS DISOWNED THEIR SON NAMLY ANANT AND DAUGHTER-IN-LAW NAMELY MAMTA KHANDELWAL FROM HER MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTY AND ALSO SEVERED ALL RELATIONS WITH THEM DUE TO THEIR ANTI-FAMILY ACTVITIES. MY CLIENT RASMI WADHWA SHALL NOT BE LIABLE FOR ANY ACT, DEED OR THING DONE BY THEM, ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL BE DOING SO AT HIS/HER OWN RISK AND RESPONSIBILITY.

**(HARSH VARDHAN SINGH)**
ADVOCATE
CH. No.- 326, Lawyer's Block Saket District Court,
New Delhi-17
Enrl. No. D/2943/17
Mob:- 9810436651

**PUBLIC NOTICE**

Information is given to general public at large that our client Mrs. Kavita W/o Mr. Sushil Kumar is the owner of Freehold Residential Plot no. 176 area measuring 150 Sq. Yds. Out of Khasra no. 185 Situated at Village Jalapur Raghunathpur Maruf Mohalla Gokuldham pargana Jalalabad Tehsil Modinagar Distt. Ghaziabad Uttar Pradesh. by virtue of Sale deed dated 18.09.2021 as Doc no. 13294 in Book No. 1 Vol no. 13353 on Page no. 345-360 SR-Modinagar. in the Chain Documents below mentioned Document not available i.e. original Sale Deed dated 17.02.2010 executed by Mr. Vijay Pal Singh & others in favour of Mr. Madan Mohan Singh & Mrs. Kalpana Singh as Doc no. 1807 in Book no. 1 Vol no. 3582 on page no. 129-160 SR- Modinagar. & Original Gift Deed dated 02.01.2021 executed by Mr. Madan Mohan Singh & Mrs. Kalpana Singh in favour of Mrs. Aastha as Doc no. 79 in Book no. 1 Vol no. 12760 on Page no. 131-170 SR- Modinagar. now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by DCB Bank Ltd. Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

**PUBLIC NOTICE**

This is for information of General Public that my clients Mr. Sandeep Tokas & Mrs. Mamta Tokas **are the owners of Property as Freehold Residential Flat No. 57, on Second Floor, (Duplex) Category-DDA SFS-III, Situated at Munirka Enclave, New Delhi-110067** (here in after referred to as said property). **The Relinquishment Deed dated 12.04.2006 in favour of Mr. Anil Kumar Jain and Conveyance Deed dated 11.08.2006 in favour of Mr. Anil Kumar Jain,** which are the part of the title documents in chain of the property have been lost. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my clients may proceed with their intended object..

**DR. RAJESH K GUPTA Advocate**
F-42/4 3, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
9315833452,
advrgkotak@gmail.com

**PUBLIC NOTICE**

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT, MR. GHANSHYAM PATWA SON OF MR. RAM CHANDRA PATWA R/O H. NO. 375, BLOCK-19, TRILOK PURI, DELHI-110091 IS SOLE AND ABSOLUTE OWNER OF ENTIRE FIRST FLOOR, WITHOUT ROOF/TERRACE RIGHTS, PART OF BUILT-UP FREEHOLD PROPERTY BEARING MUNICIPAL NO. 2082 & 2099, AREA MEASURING 45.99 SQ. MTS., SITUATED AT WARD NO. XIV, GALI PEEPAL WALI, BASTI JULAHAN, SADAR SADAR BAZAR, DELHI-110006. (HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "SAID PROPERTY") AND PURCHASED THE SAME VIDE SALE DEED DATED 12/09/2025 EXECUTED BY SH. AFZAL HUSSAIN REGD. AS DOCUMENT NO. 2025/19/I/11932. THE BACK CHAIN OF SAID PROPERTY I.E. COPY OF SOURCE DOCUMENT IN THE NAME OF SMT. MATHURA DEVI IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY, COPY OF SALE DEED DATED 24/02/1940 EXECUTED BY SMT. MATHURA DEVI IN FAVOUR OF SH. NAR SINGH DASS ALIAS SH. NORANGILAL IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY DULY REGD. AS DOC NO. 673, COPY OF DETH CERTIFICATE DATED 07/01/1967 IN THE NAME OF SH. SUMERA RAM & ALSO HIS WIFE SMT. SHAMO DEVI DEATH CERTIFICATE, COPY OF SMC IN THE NAME OF SMT. RAM WATI, SMT. KISHAN PYARI AND SMT. CHANDER KANATA AS LEGAL HEIRS., COPY OF SMC IN THE NAME OF SMT. KAMLESH AS LEGAL HEIRS & COPY OF SMC IN THE NAME OF SMT. KISHAN PYARI SMT. SUNITA, SMT. ASHA, SH. RAJ KUMAR, SH. SHIV KUMAR AND SH. KAMAL SINGH AS HEIRS HAVE BEEN LOST OR NOT AVAILABLE WITH THE CURRENT OWNER MR. GHANSHYAM PATWA. NOW MR. GHANSHYAM PATWA WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/DOCUMENT WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

**ADITYA VERMA, ADVOCATE**
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

**NAME CHANGE**

I Sardar Ahmad Ansari S/O Aminuddin R/O. E-43 Gali No 65 Mahavir Enclave Part-3 Uttam Nagar, Delhi - 110059 changed my name to Sardar Ahmad.

**NAME CHANGE**

I, JC-783213W Rank-NB SUB/CLK (SD) Name-SURESH KUMAR Father of NAVEEN YADAV Presently residing at VILL-AMADAL SHAHPUR, PO-AKEHRI MADANPUR, TEH-MATANHAIL, DIST-JHAJJAR, HARYANA-124146, have changed my minor son's name from NAVEEN YADAV to NAVEEN KUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public, Delhi.

**PUBLIC NOTICE**

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DATED 19.06.2009 VIDE DOC. NO. 4429, IN VOLUME NO. 5798, ON PAGES NO. 351-370, ON DATED 19.06.2009 IN SRO-3-GHAZIABAD, U.P EXECUTED BY MR. ATUL JINDAL, MR. SUMIT SINGHAL AND MR. VIVEK GOYAL IN FAVOUR OF MRS. NITU JINDAL IN RESPECT OF PART AREA 24.66 SQ. METERS OUT OF RESIDENTIAL HOUSE NO. B-45, LAND AREA 177.70 SQ. METERS., SITUATED AT RESIDENTIAL COLONY PATEL NAGAR-2, TEHSIL AND DISTT: GHAZIABAD, U.P HAS BEEN LOST BY THE OWNER MRS. NITU JINDAL. THE ENTIRE HOUSE NO. B-45, LAND AREA 177.70 SQ. METERS OWNED BY MR. ATUL JINDAL SON OF MR. RAJENDRA PRASAD R/O H. NO. 2/201, SPA COURT, JP GREENS, GR. NOIDA, U.P. (OWNER OF 51.01 SQ. METERS APPROX.), MR. SUMIT SINGHAL S/O MR. DEVENDER KUMAR SINGHAL R/O A-162, PATEL NAGAR-2, GHAZIABAD, U.P. (OWNER OF 51.01 SQ. METERS APPROX.) AND MR. VIVEK GOEL S/O MR. LAJPAT RAI GOEL, R/O H. NO. 18, RAM KRISHNA COLONY, WEST MODEL TOWN, GHAZIABAD, HAPUR, U.P. (OWNER OF 51.01 SQ. METERS APPROX.) VIDE SALE DEED DATED 04.02.2009 EXECUTED BY MRS. SUMAN RAKHI VIDE DOC. NO. 852, IN BOOK NO. 5514, ON PAGES NO. 225-266, ON DATED 04.02.2009 IN SRO-3-GHAZIABAD, U.P & MRS. NITU JINDAL ALIAS NITU RANI JINDAL W/O MR. ATUL JINDAL R/O H. NO. 2/201, SPA COURT, JP GREENS, GR. NOIDA, U.P. (OWNER OF 24.66 SQ. METERS APPROX.) VIDE SALE DEED DATED 19.06.2009 EXECUTED BY MR. ATUL JINDAL, MR. SUMIT SINGHAL AND MR. VIVEK GOYAL VIDE DOC. NO. 4429, IN BOOK NO. 5798, ON PAGES NO. 351-370, ON DATED 19.06.2009 IN SRO-3-GHAZIABAD, U.P., AND NOW MRS. SHANTA RANI, W/O MR. INDER PAL SINGH, R/O 172, 6 BHATA ROAD, GHOOKNA MOD, GHAZIABAD, U.P. 201001 IS GOING TO PURCHASE THE SAID ENTIRE HOUSE NO. B-45, LAND AREA 177.70 SQ. METERS., FROM OWNER / SELLER MRS. NITU JINDAL ALIAS NITU RANI JINDAL, MR. ATUL JINDAL, MR. SUMIT SINGHAL AND MR. VIVEK GOYAL, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID ENTIRE HOUSE. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED DT. 19.06.2009 IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID ENTIRE HOUSE/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

**ADITYA VERMA, ADVOCATE**
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

**NAME CHANGE**

I hitherto known as Ajay Kumar Tiwari S/o Shiv Kumar Tiwari R/o H ?o-791, Ambedkar Gali, Kakar Model, Le Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 have changed my name and shall hereafter be known as Pappu Kumar.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, Mohammad Ramjan, S/O Mohammad Kayum, R/o RC-54, Vandana Enclave, Khora Colony, I.E. Sahibabad, PO: I.e.sahibabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201010, declare that name of mine has been wrongly written as MD.RAMZAN in my minor son namely Md Sadique aged 13 years, in his school record. The actual name of mine is Mohammad Ramjan which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**

It is for general information that I, SONU GUPTA S/o NAND KISHORE R/o Plot No. 72, Kh.No. 37, Ground Floor, Block-C, Suraj Park, Badli, PO: Samai Pur, Dist: North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as NAND KISHORE GUPTA and BABITA DEVI in my 10th class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are NAND KISHORE and RAKHI respectively.

**NAME CHANGE**

I, hitherto known as GEETA JOSHI alias GEETA PANDEY daughter of KRISHNA NAND JOSHI wife of BRIJ MOHAN PANDEY, residing at D-20, STREET NO 7, NEAR SABJI MANDI, MANDAWALI, UNCHE PAR, SHAKARPUR, DELHI-110092, have changed my name and shall hereafter be known as GEETA PANDEY. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

**NAME CHANGE**

I, NO-15430606Y, Rank-HAV/ORA, Name-SANJEEV KUMAR residing at VILL-NAGLA GIRDHARI, PO-TUKSAN, DIST-HATHRAS, UTTAR PRADESH-204101, have changed my mother's name from SON DEVI to SOUNDEVI for all future purposes vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**

I Rashiqa, D/o Mohd Shakeel R/o-3387 4th Floor, Phatak Dhobiyan Near Jain Mandir Bazar Delhi Gate, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi-110002 Have Changed My Name Rashiqa Begum for All Future Purposes and Both Are Same Person.

**NAME CHANGE**

I, No-6395047X Rank-HAV Name-P PRABHURAM Presently residing at NO-33, NORTH STREET, VIDATHILAMPATTI, MANAPPARAI TALUK, MANAPPARAI, DIST-TIRUCHIRAPPALLI, TAMIL NADU-621307, have changed my mother's name from RAJAM to RAJAMMAL PARAMASIVAM for all future purposes vide Affidavit dated 01/10/2025 before Notary Public, Delhi.



**कौमी पत्रिका**

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

**Corporate Office:**
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

**E - mail address :**
qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in

**R.N.I. No.**
**UP-HIN/2007/21472**

**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

## कांग्रेस विधायक दल का नेता बनाए जाने पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने हाई कमान का जताया आभार

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणाके पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधायक दल का नेता बनाए जाने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि फिर से विधायक दल का नेता चुनकर पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वो खरा उतरने की भरपूर कोशिश करेंगे। जनता जनार्दन के मुद्दों को उठाने, सकारात्मक व संघर्षशील विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए कांग्रेस पूरी तरह तैयार है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने नए प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह को भी हार्दिक बधाई दी है। हुड्डा ने उम्मीद जताई कि राव नरेंद्र पार्टी को मजबूत करने व आगे बढ़ने का कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने पूर्व अध्यक्ष चौधरी उदयभान के कार्यकाल की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि चौधरी उदयभान के नेतृत्व में पार्टी का वोट बैंक और दोनों बढ़े। उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। भूपेंद्र सिंह हुड्डा पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि 11 साल से सत्ता में होने के बावजूद बीजेपी के पास ना गिनवाने के लिए कोई उपलब्धि है और ना ही दिखाने के लिए कोई काम।

## सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को विदाई, उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

**सोनीपत।** सोनीपत के सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) अमित कुमार ने जिले के पुलिस विभाग में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले पांच कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई दी। कल्याण शाखा में आयोजित इस समारोह में निरीक्षक जसमेर, लाईन अधिकारी, पुलिस प्रवक्ता, प्रवाचक आदि पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। समारोह में दो निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक, एक सिपाही और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। सभी ने इन कर्मियों के वर्षों के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त अमित कुमार ने कहा कि पुलिस सेवा त्याग, अनुशासन और जनसेवा का प्रतीक है। सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभवों के आधार पर समाज को मार्गदर्शन देते रहें। कल्याण शाखा में तैनात निरीक्षक जसमेर ने बताया कि सेवानिवृत्त होने वालों में निरीक्षक हरेन्द्र, निरीक्षक रामरतन, उपनिरीक्षक सुनील कुमार, सिपाही सतपाल सिंह तथा जल वाहक फूल कुमार शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी ने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त अमित कुमार ने सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मान चिन्ह और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें आगे के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे समाज सेवा की भावना को इसी प्रकार बनाए रखें।

## शहर को ट्रैफिक जाम मुक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

**पानीपत।** पानीपत में उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने जिला रोड सेफ्टी कमेटी और सुरक्षित वाहन स्कूल पॉलिसी के लिए अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में 15 सूत्रीय एजेंडे पर गंभीरता से चर्चा करते हुए शहर को साफ-सुथरा और ट्रैफिक जाम मुक्त बनाने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने, सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और अवैध पार्किंग को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में कई नए विषयों को भी शामिल किया गया, जिनमें पानीपत में रिंग रोड निर्माण के प्रस्ताव को एनएच-44 के अधिकारियों के माध्यम से उच्च स्तर पर भेजने के निर्देश शामिल थे। यह रिंग रोड शहर के अंदर ट्रैफिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से प्रस्तावित की जा रही है। उन्होंने ऑड-इवन नियमों को सख्ती से लागू करने के निर्देश भी दिए, ताकि वायु प्रदूषण और यातायात दोनों पर नियंत्रण पाया जा सके।

## पलवल में नाबालिग हिंदू लड़की के धर्मांतरण मामले में दो और गिरफ्तारियां

**पलवल।** हरियाणा के पलवल जिले में एक नाबालिग हिंदू लड़की को जबरन धर्मांतरण कराने के मामले में पुलिस ने दो और आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक मौलवी और दो नाबालिगों सहित कुल पांच आरोपित हिरासत में हैं। बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बीच खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम के हस्तक्षेप पर पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर लिया है।मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने युवाओं से किसी भी तरह के प्रलोभन में न फंसने की अपील करते हुए कहा कि कुछ ताकतें धर्म को निशाना बनाकर समाज को तोड़ने का प्रयास कर रही हैं। मंत्री ने एकता पर जोर देते हुए कहा, बंटोगे तो कटोगे और एक रहोगे तो सुरक्षित रहोगे। डीएसपी अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि एसपी वरुण सिंगला के निर्देश पर लड़की के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मौलवी और दो नाबालिगों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। इसके अलावा दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने साफ किया है कि किसी भी आरोपित को छोड़ा नहीं जाएगा। फरार आरोपितों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है ।

# मुख्यमंत्री ने 500 नवीनीकृत और 64 नए आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया

### कुरुक्षेत्र में पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री ने किया पोषण कैलेंडर का अनावरण

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आंगनवाड़ी ढांचे को नई मजबूती प्रदान करते हुए आज 15 करोड़ रुपये की लागत से 500 नवीनीकृत आंगनवाड़ी भवनों का लोकार्पण तथा 9 करोड़ रुपये की लागत से बने 64 नए आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बच्चों और महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य तथा प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पोषण कैलेंडर का भी अनावरण किया और आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल पर पोषण माह, स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार व महिलाओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर आधारित लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने दुर्गा अष्टमी की बधाई देते हुए कि आज दुर्गा अष्टमी के अवसर पर महिलाओं के लिए धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर पोषण माह की 8वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय समारोह के आयोजन का अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए पूरे देश में पोषण माह का आयोजन वर्ष 2018 से किया जा रहा है। परिवार के प्रति समर्पण भाव में महिलाएं इतना व्यस्त हो जाती हैं कि वे अपनी सेहत का ख्याल नहीं रख पाती। इसी समर्पण भाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महसूस किया कि महिलाओं की सेहत और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी सरकार की भी है। उन्होंने 8 मार्च, 2018 को राजस्थान के झुंझुनू जिले से देशव्यापी पोषण अभियान की शुरुआत की थी।

## परिवेदना समिति की बैठक में रखी 12 में से आठ शिकायतों का निपटारा

एजेंसी

**जींद।** डीआरडीए सभागार में जिला परिवेदना समिति बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कुल 12 शिकायतें समाधान के लिए रखी गई थी। इनमें से परिवादी पक्ष की सुनवाई एवं सहमति के बाद आठ शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। इसके अलावा चार शिकायतों की सुनवाई के दौरान आगामी बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को करनी

थी, लेकिन उनके न आने पर डीसी ने शिकायतें सुनी। उन्होंने इस सभी पेंडिंग शिकायतों के बारे अधिकारियों को उचित कार्रवाई कर अगली बैठक में पूरे विवरण के साथ रखने के लिए कहा। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि जिला परिवेदना समिति की बैठक आमजन की शिकायतों का निपटारा करने का बेहतर प्लेटफार्म है। बैठक का आयोजन तय समय पर किया जाता है। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ- साथ ग्रीवेंस कमेटी के गैर सरकारी सदस्यों की मौजूदगी में हर शिकायतकर्ता की फरियाद सुनी जाती है और बारीकी से हर पहलू पर गौर करने के बाद यथा उचित कार्यवाही की जाती है।

## सटी सरलीकरण से पीएम का 'एक कर-एक देश' का सपना हो रहा साकार : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

**हिसार।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी दरों में बड़े बदलाव की घोषणा करके देश की जनता को बड़ी राहत दी है। आम जनता की 90 प्रतिशत से ज्यादा चीजें सस्ती हो गई हैं। देश में इन बदलावों से 375 से ज्यादा वस्तुएं सस्ती हुई हैं। यह बात पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने मंडी आदमपुर में नैक्सट जनेरेशन जीएसटी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यापारियों के साथ बातचीत करते हुए कही। इस दौरान कार्यक्रममें आयोजक मार्केट कमेटी के नवनियुक्त चेयरमैन ठाकर दत्त, आदमपुर की उपाध्यक्ष श्रीमती रितु गर्ग ने उनका स्वागत किया और आभार जताया। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि जीएसटी की नई व्यवस्था से 99 प्रतिशत वस्तुएं 5 प्रतिशत की टैक्स स्लैब में आ गई हैं। सिर्फ दो मुख्य दरें 5 प्रतिशत ओर 18 प्रतिशत तथा अल्ट्रा लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत टैक्स लगेगा। जीएसटी घटने से हर शहरी को हर महीने औसतन 1819 रूपए और हर ग्रामीण को 1154 रूपए की बचत होगी। इससे मासिक खर्च 27 प्रतिशत तक घटने

की उम्मीद है। कुलदीप ने कहा कि इन सुधारों से देश की विकास गाथा बदलेगी। युवाओं, किसानों, महिलाओं, दुकानदारों, व्यापारियों और उद्यमियों को व्यापक लाभ होगा। सरकार ने कर प्रणालीको सरल बनाया है। अनेक खाद्य वस्तुएं, औषधि, साबुन, टूथपेस्ट और ब्रश, स्वास्थ्य और जीवन बीमा सहित अनेक सेवाएं अब या तो कर मुक्त होंगी या उन पर केवल 5 प्रतिशत कर लगेगा। पीएम का 'एक देश एक कर' का सपना साकार हो रहा है। इस वर्ष सरकार ने 12 लाख रूपए तक की आय को कर मुक्त करके मध्यम वर्ग को एक बड़ा उपहार दिया है। अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के साथ निर्धन और मध्यम वर्ग के लोग अब अपनी बचत के साथ जीवन के लिए अन्य जरूरी सामान खरीद सकेंगे।

## मानसून की विदाई के बाद बहादुरगढ़ में जमकर बरसे बादल

एजेंसी

**झज्जर।** मानसून की विदाई के बाद बहादुरगढ़ में एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। कई दिनों से सूर्य की तपिश और उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली। बारिश की मात्रा 62 मिलीमीटर दर्ज की गई। बारिश से शहर के पॉश इलाके समेत कई कॉलोनियों, सड़कों और बाजारों में पानी भर गया। इससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद मौसम सुहावना बन गया।

झज्जर में केवल 3 मिली मीटर बारिश रिकार्ड की गई। अधिकतम तापमान में भी कमी दर्ज की गई। सुबह के समय जहां अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 28 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं, बारिश के बाद अधिकतम 28 और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। कई दिनों से लोग गर्मी से खासे परेशान थे। सितंबर के अंतिम दिन

इंद्र देव बहादुरगढ़ क्षेत्र में जमकर बरसे और लोगों को गर्मी से राहत प्रदान की। सुबह से आसमान काले बादलों से ढका था। मौसम विभाग के अधिकारियों ने एक अक्तूबर को भी बारिश की संभावना जताई है। अधिकारियों का कहना है कि अब अक्तूबर के पहले हफ्ते में तापमान में कमी आएगी। इसके बाद गुलाबी सर्दी का दौर शुरू हो जाएगा।

# हरियाणा के मुख्यमंत्री ने हरमेल सिंह टोहड़ा के निधन पर जताया शोक

### पटियाला के गांव टोहड़ा में भाजपा प्रदेश सचिव कंवरवीर के घर पहुंचें नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के जिला पटियाला के गांव टोहड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने पंजाब भाजपा के प्रदेश सचिव कंवरवीर सिंह टोहड़ा के पिता एवं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री सरदार हरमेल सिंह टोहड़ा के निधन पर शोक प्रकट किया। इस अवसर पर हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी साथ रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव टोहड़ा में पहुंचकर दिवंगत नेता के दोनों पुत्रों सहित परिजनों से भेंट की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने परिजनों के प्रति गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार हरमेल सिंह पंजाब के वरिष्ठ व लोकप्रिय नेता थे। वे सदैव जनता के सुख-दुख में सहभागी रहते थे और उनकी छवि एक जनसेवक की रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार

हरमेल सिंह ने राजनीति में उल्लेखनीय ऊँचाइयाँ हासिल कीं और पंजाब की जनता ने उन्हें अपार स्नेह व सम्मान दिया। उनकी स्मृतियाँ सदैव प्रेरणा देती रहेंगी। नायब सिंह सैनी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके सुपुत्र उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाजसेवा और गरीब कल्याण की उनकी सोच को साकार करेंगे। उन्होंने अरदास करते हुए कहा कि वाहेगुरु जी दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिजनों व उनके देश-विदेश में बसे प्रशंसकों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

गांव टोहड़ा में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लंदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी भारत के ऐसे आइकॉन हैं,जिन्होंने अहिंसा और शांति के मार्ग पर चलते हुए अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर विवश किया। इस अवसर पर हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, पंजाब भाजपा के सचिव कंवरवीरसिंह टोहड़ा, उनके भाई हरेंद्र पाल सिंह, उनकी माता बीबी कुलदीप कौर टोहड़ा, बहन डा. जसप्रीत कौर सहित अन्य भी मौजूद रहे।

## राव बिरेंद्र सिंह एक व्यक्तित्व ही नहीं, संस्था थेः डा. कृष्ण कुमार

एजेंसी

**रेवाड़ी।** हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राव बिरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी समाधि स्थल पर पहुंच कर बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने

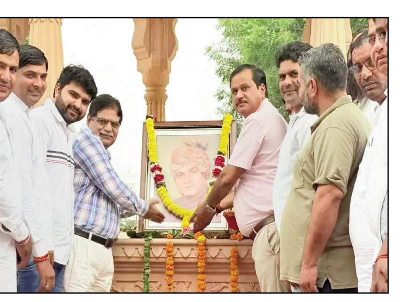

कहा कि राव बिरेंद्र सिंह बेदाग साफ छवि के नेता थे और उन्होंने कभी भेदभाव की राजनीति नहीं की। वह एक व्यक्तित्व ही नहीं, बल्कि एक संस्था थे। उन्होंने कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही उनके पुत्र केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पूरे समाज को साथ लेकर बिना भेदभाव के कार्य कर रहे हैं। वहीं, देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार बिना भेदभाव के अंत्योदय की भावना से अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। हर पात्र व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर भाजपा नेता डॉ. अरविंद यादव, सरपंच देवेंद्र यादव नारायणपुर, पूर्व जिला पार्षद आजाद सिंह नाधा, उपाध्यक्ष जीतू चेयरमैन आदि मौजूद रहे।

# खंड कृषि अधिकारी कार्यालय में सीएम फ्लाइंग की रेड, रिकॉर्ड व लैब की जांच

### हजारों सैंपल पेंडिंग, उच्चाधिकारियों को भेजी जांच रिपोर्ट

एजेंसी

**हिसार।** सीएम फ्लाइंग टीम ने हांसी में अनाज मंडी के सामने स्थित खंड कृषि अधिकारी कार्यालय पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान टीम ने कार्यालय के रिकॉर्ड और कार्यप्रणाली की गहनता से जांच की। इस दौरान बीएंडआर विभाग के कार्यकारी अभियंता उदयवीर झाझड़िया को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था।मिट्टी जांच के 5 हजार सैंपल्स पैंडिंग सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान सीएम फ्लाइंग की टीम ने खंड कृषि अधिकारी के दो कार्यालयों की जांच की गई। टीम ने मिट्टी जांच लैब का भी निरीक्षण किया, जहां एक लैब में मिट्टी के सैंपल्स की स्थिति का जायजा लिया गया।

जांच में सामने आया कि लैब में लगभग 100 सैंपल्स की जांच हो चुकी है, जबकि दूसरे लैब में करीब पांच हजार सैंपल्स की जांच पैंडिंग

थी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन सैंपल्स की जांच के लिए एक साल का समय शेष है और इस निर्धारित अवधि में सभी सैंपल्स की जांच को पूरा कर लिया जाएगा।एक कर्मचारी छुट्टी पर मिलाड्यूटी मजिस्ट्रेट उदयबीर झाझड़िया ने बताया कि सीएम फ्लाइंग टीम को निरीक्षण के समय एक कर्मचारी छुट्टी पर था। खंड कृषि अधिकारी सीएम फ्लाइंग टीम के कार्यालय पहुंचने के थोड़ी देर बाद कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सीएम फ्लाइंग टीम को बताया कि वे बरसात में खराब हुई फसलों की जांच के लिए मौके पर गए थे। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा सीएम फ्लाइंग टीम द्वारा मांगे गए सभी संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करवाए गए। ड्यूटी मजिस्ट्रेट उदयवीर झाझड़िया ने कहा कि अब तक की जांच में कोई बड़ी कमी सामने नहीं आई है। हालांकि, विभाग से संबंधित सभी रिकॉर्ड और कार्यप्रणाली का पूरा अध्ययन किया जा रहा है और उसके अनुसार रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

## पानीपत में महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में महिला यू-ट्यूबर सहित चार गिरफ्तार

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत में महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म करने मामले में आरोपी महिला यू-ट्यूबर सहित चार आरोपियों को थाना सदर पुलिस ने सोमवार को सिठाना गांव के अड्डे से गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार थाना सदर में पानीपत की एक कॉलोनी निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह तीन दिन पहले रिफाइनरी रोड के जंगल में लकड़ी लेने के लिए आई थी। वहां आस पास के गांवों की काफी महिलाएं लकड़ी व घास फूस लेने के लिए आती है। इसी दौरान किरण नाम की औरत जो अपने आप को पत्रकार बता रही थी एक गाड़ी में तीन लड़कों को लेकर आई। लड़के अपने नाम अमन, अश्वनी व मास्टर संदीप बता रहे थे। किरण ने उससे कहा यहां गंदे काम करती हो उसे उक्त तीनों लड़कों के साथ संबंध बनाने होगे।

## सहकारिता से ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प होगा पूराः डॉ अरविंद कुमार शर्मा

एजेंसी

**नारनौल।** सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि सहकारिता से ही आत्मनिर्भर भारत का संकल्प पूरा होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार सहकारिता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। सहकारिता मंत्री राजकीय महिला कॉलेज उन्हाणी (कनीना) में जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने पहले से ही निर्धारित 12 मामलों की सुनवाई की। सहकारिता मंत्री ने दो अक्टूबर से सूरजकुंड में लगने वाले दीपावली मेले का न्यौता देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्ग दर्शन व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार लगातार स्वदेशी को प्रमोट कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी जागरण के लिए भाजपा प्रदेश में आत्म निर्भर संकल्प अभियान छेड़ेगी। इस दौरान पार्टी स्वदेशी, स्वभाषा और स्वभूषा पर फोकस करेगी। उन्होंने कहा कि ये तीनों आत्मनिर्भर भारत के तीन स्तंभ हैं। उन्होंने लाडो लक्ष्मी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि यह योजना अंत्योदय की भावना के साथ लागू की गई है। यह बहुत बड़ी योजना है। जिला महेंद्रगढ़ में अब तक 17 हजार लाभार्थियों ने इसके लिए पंजीकरण भी करवा दिया है। इससे पहले जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक में उन्होंने एक-एक करके सभी मामलों की सुनवाई की। इसके अलावा अन्य नागरिकों की भी शिकायतें सुनीं। सहकारिता मंत्री ने कनीना बस स्टैंड के आसपास लगने वाले जाम की समस्या से निपटने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

इस मौके पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, बीजेपी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, कनीना नगर पालिका चेयरपर्सन रिंपी यादव, राजेन्द्र शर्मा, राकेश शर्मा, विजय सांगवान के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

# भाविप की केशव शाखा ने निशुल्क शिविर आयोजित कर चलाया जन जागृति अभियान

एजेंसी

**हिसार।** भारत विकास परिषद की केशव शाखा ने सामाजिक सरोकारों से जुडक़र वार्षिक प्रकल्प सांस्कृतिक सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इसके तहत, निशुल्क जांच शिविर, प्लास्टिक छोडऩे के लिए रैली, महिला सशक्तीकरण पर वैचारिक मंथन, नवरात्रि महोत्सव, कंजक पूजन व बेटियों का सम्मान सहित कई आयोजन किए गए। वार्षिक प्रकल्प सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत पहले दिन स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के ध्येय वाक्य के साथ स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सत्यनगर स्थित सेवा भारती स्कूल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बच्चों का टीकाकरण, स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा विशेष एएनसी जांच, नेत्र जांच व रक्त में एनीमिया जांच की सुविधा प्रदान की गई। इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग यूपीएचसी ऋषि नगर व डॉ. मोनिका फार्मासिस्ट एवं राजवीर का विशेष सहयोग रहा। दूसरे दिन प्लास्टिक छोड़ो थैला अपनाओ के राष्ट्रव्यापी अभियान में सहयोग के भाव से एवं प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से सत्यनगर के सेवाभारती स्कूल के बच्चों के माध्यम से भव्य रैली निकालकर जन जागृति अभियान चलाया गया। विशेष बात यह रही कि रैली की शुरुआत हनुमान चालीसा पाठ व श्रीमदभागवत गीता के श्लोकों के उच्चारण के साथ की गई। इस दौरान लोगों में कपड़े के थैले भी निशुल्क वितरित किए गए। विशेष बात यह रही कि ये थैले स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिलाई केंद्र की बहनों से तैयार करवाए गए। तीसरे दिन केशव शाखा की मातृशक्ति को जागृत करने के भाव के साथ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एवं बेटी बढ़ाओ के ज्वलंत और विश्व व्यापक विषय पर वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से महिला शक्ति ने विचार प्रस्तुत किए। प्रकल्प सांस्कृतिक सप्ताह के चौथे दिन जवाहर नगर के श्रीराम भगत हनुमान मंदिर में माता रानी का पावन नवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान भजन संध्या व गरबा के माध्यम से जगत जननी मां शक्ति स्वरूपा की आराधना की गई। विभिन्न देवी-देवताओं और मां के स्वरूप में बहुत ही सुंदर मनभावन प्रस्तुतियां दी गई।

# नई काइलक ने बिक्री में बड़ी उपलब्धि हासिल की

**नईदिल्ली ।**

कार निर्माता कंपनी स्कोडा की नई काइलक ने बिक्री में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है।

इस कार ने अपने सभी मॉडल को पीछे छोड़ते हुए बिक्री के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। साल 2024 के अंत में लॉन्च होने के बाद से काइलक की 30,000 यूनिट बेची गईं, जबकि जनवरी 2025 से अगस्त 2025 के बीच कुल 46,000 कारों की बिक्री दर्ज की गई। इस दौरान काइलक का मार्केट शेयर 65 प्रतिशत रहा। जीएसटी 2.0 के लागू होने के बाद काइलक 1,19,295 रुपए सस्ती हो गई और इसकी कीमत घटकर 7,54,651 रुपए रह गई। काइलक को स्कोडा के लिए बिक्री बढ़ाने वाला वाहन माना जा रहा है। यह 10 लाख रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में कंपनी की वापसी का प्रतीक भी है। पिछले दशक में फेबिया के बंद होने के बाद स्कोडा की उपस्थिति इस सेगमेंट में नहीं थी। स्कोडा काइलक के लिए सीएनजी ऑपरेटेड मॉडल पर भी विचार कर रही है और टियर-2 तथा टियर-3 शहरों में इसके विस्तार की संभावनाएं देख रही है। काइलक के विभिन्न ट्रिम विकल्प ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से पेश किए गए हैं। क्लासिक ट्रिम में 16-इंच स्टील व्हील, 6 एयरबैग, ट्रैक्शन कंट्रोल और मैनुअल एसी जैसी सुविधाएं मिलती हैं। सिग्नेचर ट्रिम में एलॉय व्हील, 5-इंच टचस्क्रीन और यूएसबी टाइप-सी स्लॉट शामिल हैं। सिग्नेचर+ और प्रेस्टीज ट्रिम में

10-इंच टचस्क्रीन, ऑटो एसी, पावर्ड सनरूफ, वेंटिलेटिड सीटें और लेदर अपहोल्स्ट्री जैसी प्रीमियम सुविधाएं दी गई हैं। 7.89 लाख रुपए की शुरुआती कीमत पर लॉन्च हुई इस कार का मुकाबला मारुति ब्रेजा, टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्सह्व और किआ सोनेट जैसी कारों से है।

## केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार ने दिया दिवाली का तोहफा, 3 प्रतिशत बढ़ा डीए

**नई दिल्ली।**

नए महीने की शुरुआत के साथ ही फेस्टिव सीजन में केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनधारकों को दिवाली का तोहफा दे दिया है। कैबिनेट की बैठक में लिए फैसले के तहत केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ा दिया गया है। महंगाई भत्ते को लेकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की गई है, जिसके बाद महगांई भत्ता कर्मचारियों की बेसिक सैलरी का 58 प्रतिशत हो गया है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए यह बढ़ा हुए डीए इस वर्ष के 1 जुलाई से प्रभावी होगा। केंद्र सरकार के इस फैसले से करीब 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। अमूमन सरकार की ओर से महंगाई भत्ते को लेकर बढ़ोतरी का एलान फेस्टिव सीजन के दौरान ही होता है। केंद्र की ओर से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई से राहत देने के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत दी जाती है। केंद्रीय कैबिनेट की ओर से इससे पहले इस वर्ष की शुरुआत 1 जनवरी 2025 को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी का करीब 1.15 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगी को फायदा मिला था। सरकार द्वारा इस बढ़ोतरी के बाद महंगाई भत्ता बैसिक सैलरी के 55 प्रतिशत हो गया था। यह बढ़ोतरी 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर तय फॉर्मूले के तहत की गई थी। डीए 58 प्रतिशत होने के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को भत्ते के तौर पर कितने रुपए मिलेंगे इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 50 हजार रुपए है तो उन्हें महंगाई भत्ते के रूप में अभी तक 27,500 रुपए मिलते होंगे।

## नए रंग और डिज़ाइन के साथ सुज़ुकी वी-स्ट्रॉम एसएक्स लांच

**नई दिल्ली ।**

अपनी लोकप्रिय एडवेंचर टूरर बाइक वी-स्ट्रॉम एसएक्स को सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने नए रंग और डिज़ाइन के साथ लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इस मौके पर दिल्ली से लद्दाख तक अपनी पहली ग्राहक यात्रा, वी-स्ट्रॉम एक्सपेडिशन, की शुरुआत की है, जो 26 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। यात्रा के दौरान विशेषज्ञ उच्च-उंचाई पर राइडिंग, बाधा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा और एडवेंचर फोटोग्राफी पर प्रशिक्षण सत्र देंगे। यह 10 दिवसीय एडवेंचर राइडिंग यात्रा बाइक की क्षमता को चुनौती देने के साथ-साथ राइडर्स को ऊंचे पहाड़ी दर्रों, घुमावदार रास्तों और कठिन भूभागों से गुजरने का रोमांच देगी।

शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए राइडर्स की सहभागिता और एडवेंचर भावना को बढ़ावा दिया जाएगा। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया के उपाध्यक्ष (सेल्स और मार्केटिंग) दीपक मुतरेजा ने कहा कि वी-स्ट्रॉम एसएक्स का नया रूप ग्राहकों को अधिक विकल्प देता है और बाइक की भरोसेमंद परफॉर्मेंस बरकरार रहती है। उन्होंने कहा कि यह पहलावी-स्ट्रॉम एक्सपीडिशन एडवेंचर राइडिंग समुदाय को सशक्त करेगा और भविष्य में और भी अनुभव प्रदान करने का प्रयास रहेगा। डिज़ाइन में डीआर-झेड डेजर्ट रेसर और डीआर-बीआईजी से प्रेरणा मिलती है, जो बाइक के एडवेंचर स्टाइल और बीक डिज़ाइन को दर्शाता है।

नई वी-स्ट्रॉम एसएक्स की कीमत रुपए 1,98,018 (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तय की गई है और यह देशभर के सुजुकी डीलरशिप पर उपलब्ध है। कंपनी ने लॉन्च पर ग्राहकों को एक्सचेंज ऑफर, बढ़ी हुई वारंटी, इंश्योरेंस लाभ और 100 प्रतिशत लोन जैसी सुविधाएं भी प्रदान की हैं। वी-स्ट्रॉम एसएक्स 249 सीसी के सिंगल सिलेंडर, 4-स्ट्रोक, ऑयल-कूल्ड एसओएचसी इंजन से लैस है, जो 9,300 आरपीएम पर 26.5 बीएचपी और 7,300 आरपीएम पर 22.2 एनएम टॉर्क देता है। इसमें सुजुकी ईको परफॉर्मेंस टेक्नोलॉजी और सुजुकी ऑयल कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है।

## कैबिनेट ने कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन को 4-लेन में बदलने के लिए 6,957 करोड़ रुपए की योजना को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने बुधवार को असम में एनएच-715 के कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन के मौजूदा सड़क मार्ग को चार लेन में चौड़ा करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इसमें काजीरंगा नेशनल पार्क (केएनपी) क्षेत्र में वन्यजीवों के अनुकूल उपायों को लागू करना भी शामिल है।

कैबिनेट के बयान के अनुसार, 85.675 किलोमीटर लंबी इस परियोजना को 6,957 करोड़ रुपए की लागत से इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में डेवलप किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 15.42 लाख व्यक्ति/प्रतिदिन का प्रत्यक्ष और 19.19 लाखव्यक्ति/प्रतिदिन का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। साथ ही, इससे आस-पास के क्षेत्रों में विकास और समृद्धि के नए अवसर खुलेंगे।

एनएच-715 का मौजूदा कलियाबोर-नुमालीगढ़ सेक्शन दो लेन का है, जिसमें कुछ जगहों पर पक्के किनारे हैं। यह जाखलाबंधा (नागांव) और बोकाखात (गोलगाट) शहरों के घने बसे इलाकों से होकर गुजरता है।

मौजूदा राजमार्ग का एक बड़ा हिस्सा काजीरंगा नेशनल पार्क से या पार्क की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ गुजरता है, जिसका रिस्ट्रिक्टेड राइट-ऑफ-वे 16 से 32 मीटर का है, जो खराब सड़क की स्थिति के कारण और बेकार हो जाता है।

मानसून के दौरान पार्क के अंदर का क्षेत्र बाढ़ में डूब जाता है, जिससे वन्यजीव मौजूदा राजमार्ग को पार कर कार्बी-आंगलोंग पहाड़ियों की ओर जाते हैं। राजमार्ग पर दिन-रात भारी यातायात के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और जंगली जानवरों की मौत हो जाती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए इस परियोजना में वन्यजीवों के आवागमन के लिए काजीरंगा नेशनल पार्क से कार्बी-अंगलोंग पहाड़ियों तक लगभग 34.5 किलोमीटर का एक ऊंचा मार्ग बनाया जाएगा।

# रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव, 5.5 फीसदी पर बरकरार

**- उपभोक्ताओं को और सस्ते कर्ज के लिए अभी आगे इंतजार करना होगा**

**नई दिल्ली ।**

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है और इसे 5.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। तीन दिन तक चली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यह जानकारी दी। पिछली एमपीसी बैठक में भी ब्याज दरों को यथावत रखा गया था। एमपीसी ने मौद्रिक नीति की के रुख को भी 'तटस्थ' बनाए रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जीएसटी तर्कसंगतीकरण का महंगाई पर संयमित असर रहेगा और यह खपत और विकास को बढ़ावा देगा। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि कुल मिलाकर महंगाई का परिदृश्य अधिक अनुकूल हो गया है और खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है. इस वजह से ही केंद्रीय बैंक ने इस वर्ष के लिए औसत हेडलाइन महंगाई दर अनुमान को 3.1 फीसदी से घटाकर 2.6 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले से लागू की गई नीतिगत कार्रवाईयों के प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक में महंगाई के नए अनुमान जारी किए हैं। ताजा अनुमान के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में औसत खुदरा महंगाई दर घटकर 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जबकि पहले इसे 3.1 फीसदी आंका गया था। आरबीआई का कहना है कि हाल के महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में आई तेज गिरावट ने महंगाई को काबू में करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

## टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की सितंबर बिक्री में 16 प्रतिशत का शानदार उछाल, जीएसटी रेट कट का दिखा प्रभाव

**नई दिल्ली।** टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि सितंबर में कंपनी की बिक्री में उछाल दर्ज किया गया है। कंपनी ने कुल 31,091 यूनिट की बिक्री की, जो कि पिछले वर्ष के इसी महीने की 26,847 यूनिट की तुलना में 16 प्रतिशत की वृद्धि है। कार निर्माता कंपनी ने कहा कि इनमें से 27,089 यूनिट घरेलू बाजार में और 4,002 यूनिट को निर्यात किया गया। चालू वित्त वर्ष के पहले 6 महीनों में कंपनी की कुल बिक्री 1,84,959 यूनिट रही, जो वित्त वर्ष 2024 की समान अवधि में 1,62,623 यूनिट की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि है। टीकेएम में सेल्स, सर्विस और यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट वरिंदर वाधवा ने कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कहा कि जीएसटी सुधार और फेस्टिव सीजन ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने में मदद की। वाधवा ने कहा, जीएसटी सुधार और फेस्टिव सीजन की वजह से मार्केट सेंटीमेंट बेहतर बना हुआ है। उन्होंने कहा, हमने जीएसटी के फायदों को ग्राहकों को दिया है, जिसने हमारे पोर्टफोलियो में मांग को बढ़ावा दिया है।

## 2025 की पहली छमाही में रिटेल लीजिंग का 60 प्रतिशत हिस्सा फैशन और अपैरल ब्रांड के रहा नाम - रिपोर्ट

नई दिल्ली। इस वर्ष की पहली छमाही में डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटूसी) ब्रांड्स द्वारा रिटेल लीजिंग में फैशन और अपैरल ब्रांड्स की लगभग 60 प्रतिशत हिस्सेदारी दर्ज की गई है। यह जानकारी बुधवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। इसके बाद 12 प्रतिशत के साथ होमवेयर और फर्निशिंग, 12 प्रतिशत के साथ ज्वेलरी और 6 प्रतिशत के साथ हेल्थ और पर्सनल केयर की हिस्सेदारी रही। 2020 और 2022 के बीच कई डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स ने बढ़त दर्ज की, जो मुख्य रूप से कोरोना के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग में बढ़ोतरी के कारण थी। वे अब ओमनीचैनल हो रहे हैं। सीबीआरई की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार,इन न्यू-एज ब्रांड द्वारा रिटेल लीजिंग का हिस्सा 2024 की पहली छमाही में 8 प्रतिशत था, जो कि इस वर्ष की पहली छमाही में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया है। यह बढ़त न्यू-एज ब्रांड्स के पॉप-अप, फ्लैगशिप आउटलेट्स और फ्रैंचाइज स्टोर का अधिक इस्तेमाल करने के साथ देखा गया है। सीबीआरई के इंडिया, साउथ-ईस्ट एशिया, मिडल ईस्ट अफ्रिका के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा, ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ने के बावजूद भी फिजिकल खरीदारी लेनदेन का अधिकांश हिस्सा है, जिससे ओमनीचैनल ग्रोथ महत्वपूर्ण हो जाती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पहले केवल मॉल की तुलना में, डीटूसी ब्रांड अपने आउटलेट्स के लोकेशन को भी डावर्सिफाई कर रहे हैं। 2025 की पहली छमाही में इन ब्रांड का कुल लीजिंग का 46 प्रतिशत हिस्सा हाई स्ट्रीट पर था। रिपोर्ट में कहा गया, इसके बाद मॉल में 40 प्रतिशत और स्टैंडअलोन आउटलेट्स में 14 प्रतिशत हिस्सा था। जनवरी से जून के बीच सभी प्रमुख शहरों में दिल्ली-एनसीआर में रिटेल लीजिंग का सबसे अधिक 26 प्रतिशत हिस्सा था। इसके बाद बेंगलुरु में 22 प्रतिशत और हैदराबाद में 18 प्रतिशत था। सीबीआरई इंडिया के लीजिंग सर्विसेज मैनेजिंग डायरेक्टर राम चंदनानी ने कहा कि ऑफलाइन मौजूदगी ब्रांड को पारंपरिक ग्राहकों तक पहुंचने और निचले स्तर के शहरों में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद करती है।

## 1 अक्टूबर से महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर और एटीएफ

**नई दिल्ली ।** तेल विपणन कंपनियों ने 1 अक्टूबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,595.50 रुपए हो गई है, जो पहले 1,580 रुपए थी। यानी 15.50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। अन्य महानगरों में भी दाम बढ़े हैं। कोलकाता में यह 1,700.50, मुंबई में 1,547 और चेन्नई में 1,754.50 रुपए हो गया है। वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में भी तेज उछाल देखा गया है। दिल्ली में अब एटीएफ 93,766.02 रुपए प्रति किलोलीटर मिल रहा है, जबकि पहले यह 90,713.52 रुपए था। कोलकाता में यह 96,816.58, मुंबई में 87,714.39 और चेन्नई में 97,302.14 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया है। तेल कंपनियां हर महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर ईंधन की दरों की समीक्षा करती हैं। इस बार की समीक्षा में जहां कमर्शियल उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ा है, वहीं घरेलू उपयोगकर्ताओं को राहत दी गई है, जिससे त्योहारों के मौसम में महंगाई का असर सीमित रहेगा।

# आरबीआई एमपीसी का असर, शेयर बाजार लगातार आठ दिनों की गिरावट के बाद हरे निशान में बंद

**मुंबई।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुआ। आरबीआई एमपीसी के फैसलों के ऐलान के बाद सभी सूचकांकों में खरीदारी देखी गई।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 715.69 अंक या 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,983.31 और निफ्टी 225.20 अंक या 0.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,836.30 पर बंद हुआ।

बैंकिंग शेयरों ने बाजार का नेतृत्व किया। निफ्टी बैंक 712.10 अंक या 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 55,347.95 पर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस (1.38 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.30 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.72 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.85 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.74 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.55 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी पीएसयू बैंक (0.37 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक,

अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), टाइटन, एचयूएल और बीईएल टॉप गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी टॉप लूजर्स थे। एसबीआई सिक्योरिटीज की ओर से कहा गया कि आरबीआई ने अक्टूबर की मौद्रिक नीति में ब्याज को स्थिर रखा है, लेकिन दिसंबर की पॉलिसी में ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने सेंटीमेंट को बूस्ट किया है। इस कारण से निजी क्षेत्र के बैंकों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली। हालांकि, पीएसयू बैंकिंग शेयर में मुनाफावसूली हुई।

केंद्रीय बैंक ने रेपो रेटो को 5.50 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। साथ ही, मौद्रिक नीति के रुख को न्यूट्रल रखा है।

रेपो रेट के अलावा, केंद्रीय बैंक ने स्टैंडिग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) को 5.75 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई थी। सुबह 9ः23 पर सेंसेक्स 51 अंक या 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,319 और निफ्टी 23 अंक या 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,635 पर था।

## भारत में तेजी से बढ़ रही अरबपतियों की संख्या, 2025 में हर हफ्ते मिला नया बिलेनियर - हुरुन रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** भारत में अरबपति लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और इस साल अब तक हर हफ्ते एक नया बिलेनियर देश को मिला है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक, भारत में अब 350 अरबपति हैं, जो 13 साल पहले जब यह सूची पहली बार जारी की गई थी, तब की तुलना में छह गुना अधिक है। हुरुन लिस्ट के 14वें संस्करण में 1,687 ऐसे कारोबारियों के नाम शामिल हैं जिनकी संपत्ति 1,000 करोड़ रुपए से अधिक है। इस लिस्ट में 284 नए लोगों को शामिल किया गया है, जिससे पिछले साल के मुकाबले इस सूची में मौजूद कारोबारियों की संख्या में 148 का इजाफा हुआ है। वहीं, बीते पांच वर्षों में यह संख्या 859 बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस सूची में शामिल लोगों की संयुक्त संपत्ति बढ़कर 167 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा स्पेन की जीडीपी से अधिक और भारत की जीडीपी के बराबर है। रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक उतार-चढ़ाव और तनाव के कारण लिस्ट में शामिल लोगों की औसत संपत्ति गिरकर 9,850 करोड़ रुपए रह गई है, जो कि पिछले साल 10,320 करोड़ रुपए थी। भारत के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोग और भी अधिक अमीर और युवा होते जा रहे हैं। शीर्ष 10 अमीरों की सूची में प्रवेश के लिए सीमा पिछले साल के 1.63 लाख करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए हो गई है, जबकि उनकी औसत आयु घटकर 69 वर्ष हो गई है, जो पहले से तीन साल कम है। स्टार्टअप वेल्थ क्रिएशन में अहम भूमिका निभा रहे हैं और 2025 में कुल 97 स्टार्टअप फाउंडर्स ने इस लिस्ट में जगह बनाई है। लिस्ट में शामिल अरबपतियों में से 137 फार्मा सेक्टर से, 132 इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स से और 125 केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल्स से हैं।

# कैबिनेट ने दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 11,440 करोड़ रुपए के प्लान को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 11,440 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ दालों में आत्मनिर्भरता मिशन को मंजूरी दे दी।

घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के उद्देश्य से इस ऐतिहासिक पहल को 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि में क्रियान्वित किया जाएगा।

सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार, दलहन मिशन के तहत अगले 4 वर्षों के दौरान लगभग 2 करोड़ किसानों को बेहतर बीजों की आपूर्ति की जाएगी और कटाई के बाद फसल के प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे तैयार किया जाएगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उत्पादकों से तुअर, उड़द और मसूर दालों की 100 प्रतिशत खरीद सुनिश्चित की जाएगी।

भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दालों का विशेष महत्व है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता देश है। बढ़ती आय और जीवन स्तर के साथ, दालों की खपत में भी वृद्धि हुई है। हालांकि, घरेलू उत्पादन मांग के अनुरूप नहीं रहा है, जिसके कारण दालों के आयात में 15-20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

उन्नत किस्मों को व्यापक रूप से उपलब्ध कराने के लिए, दलहन उत्पादक किसानों को 126 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे, जो 2030-31 तक 370 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेंगे।

इस मिशन का उद्देश्य चावल की फसल केंद्रित भूमि और अन्य विविधीकरण योग्य भूमि

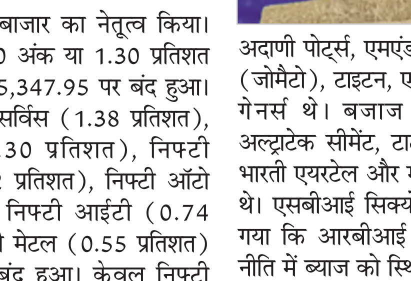

को लक्षित करके दलहनों के क्षेत्रफल को 35 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाना है, जिसमें अंतर-फसलीय खेती और फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को 88 लाख बीज किट निःशुल्क वितरित की जाएंगी। इस मिशन से 2030-31 तक दलहनों का क्षेत्रफल 310 लाख हेक्टेयर तक बढ़ने, उत्पादन 350 लाख टन तक बढ़ने और उपज 1130 किलोग्राम/हेक्टेयर तक पहुचने की उम्मीद है। उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ, इस मिशन से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर भी पैदा होंगे।

## भारत के जॉब मार्केट में सितंबर में हुई 10 प्रतिशत की वृद्धि : रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** भारत के जॉब मार्केट में सितंबर में सालाना आधार पर दोहरे अंक में वृद्धि हुई है, जिसमें फ्रेशर्स के साथ अनुभवी पेशेवरों की भर्तियां शामिल हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। जॉब पोर्टल नौकरी की रिपोर्ट से पता चला है कि फ्रेशर्स की भर्ती में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि 16 वर्ष से अधिक अनुभव वाले पेशेवरों की मांग सालाना आधार पर 13 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। महानगरों में भर्तियों को मुख्य रूप से हैदराबाद ने लीड किया, जहां सालाना आधार पर 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, इसके बाद पुणे का स्थान रहा, जहां 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई। सितंबर के महीने में भर्तियों में नॉन-आईटी सेक्टर का बोलवाला रहा। इंश्योरेंस 28 प्रतिशत, रियल एस्टेट 26 प्रतिशत, बीपीओ/आईटीईएस 24 प्रतिशत, एजुकेशन 22 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ शीर्ष पर थे। आईटी सेक्टर एक प्रतिशत की वृद्धि के साथ स्थिर था। नौकरी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी डॉ. पवन गोयल ने कहा, सितंबर में 10 प्रतिशत की वृद्धि वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के लिए एक ठोस उपलब्धि है, और इस तिमाही के दौरान व्हाइट-कॉलर नियुक्तियों में कुल मिलाकर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इंश्योरेंस और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों ने पिछली तीन तिमाहियों में अपनी गति बनाए रखी है।

# राष्ट्र साधना के 100 वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

**जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं।**

100 वर्ष पूर्व विजयदशमी के महापर्व पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्थापना हुई थी। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनर्स्थापन था,जिसमें राष्ट्र चेतना समय-समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए,नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने मिल रहा है। मैं इस अवसर पर राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं। मैं संघ के संस्थापक, हम सभी के आदर्श...परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी के चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। संघ की 100 वर्षों की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के भी जारी किए हैं।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी सैकड़ों जीवन पुष्पित-पल्लवित हुए हैं। जैसे एक नदी जिन रास्तों से बहती हैं, उन क्षेत्रों को अपने जल से समृद्ध करती हैं, वैसे ही संघ ने इस देश के हर क्षेत्र, समाज के हर आयाम को स्पर्श किया है। जिस तरह एक नदी कई धाराओं में खुद को प्रकट करती है, संघ की यात्रा भी ऐसी ही है। संघ के अलग-अलग संगठन भी जीवन के हर पक्ष से जुड़कर राष्ट्र की सेवा करते हैं। शिक्षा, कृषि, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण,महिला सशक्तिकरण, समाज जीवन के ऐसे कई क्षेत्रों में संघ निरंतर कार्य करता रहा है। विविध क्षेत्र में काम करने वाले हर संगठन का उद्देश्य एक ही है, भाव एक ही है....राष्ट्र प्रथम

अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए संघ ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रास्ता चुना और इस चलने के लिए जो कार्यपद्धति चुनी वो थी नित्य-नियमित चलने वाली शाखाएं। संघ शाखा का मैदान, एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां से स्वयंसेवक की अहम् से वयं की यात्रा शुरू होती है। संघ की शाखाएंङ्कव्यक्ति निर्माण की यज्ञवेदी हैं।

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। इन्हीं स्तंभों पर खड़े होकर संघ ने लाखों स्वयंसेवकों को गढ़ा, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ा रहे हैं।

संघ जब से अस्तित्व में आयाङ्कसंघ के लिए देश की प्राथमिकता ही उसकी अपनी प्राथमिकता रही। आजादी की लड़ाई के समय परम पूज्य डॉक्टर हेडगेवार जी समेत अनेक कार्यकताओं ने स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया, डॉक्टर साहब कई बार जेल तक गए। आजादी की लड़ाई में कितने ही स्वतन्त्रता सेनानियों को संघ संरक्षण देता रहाङ्कउनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहा। आजादी के बाद भी संघ निरंतर राष्ट्र साधना में लगा रहा। इस यात्रा में संघ के खिलाफ साजिशें भी हुईं, संघ को कुचलने का प्रयास भी हुआ। ऋषितुल्य परम पूज्य गुरु जी को झूठे केस में फंसाया गया। लेकिन संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता को स्थान नहीं दिया। क्योंकि वो जानते है, हम समाज से अलग नहीं हैं, समाज हमसे ही तो बना है। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थित प्रज्ञ रखा हैङ्कसमाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है।

प्रारंभ से संघङ्क राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया, तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। हर आपदा में संघ के स्वयंसेवक अपने सीमित संसाधनों के साथ सबसे आगे खड़े रहते रहे। यह केवल राहत नहीं थी, यह राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का कार्य था। खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना...ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। आज भी प्राकृतिक आपदा में हर जगह स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वालों में से एक रहते हैं।

अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में, संघ ने समाज के अलग-अलग वर्गों में आत्मबोध जगायाङ्कस्वाभिमान जगाया। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है..जो दुर्गम हैंङ्कजहाँ पहुँचना सबसे कठिन है। संघ...दशकों से आदिवासी परंपराओं, आदिवासी रीति-रिवाज, आदिवासी मूल्यों को सहेजने-संवारने में अपना सहयोग देता रहा है...अपना कर्तव्य निभा रहा है। आज सेवा भारती...विद्या भारती, एकल विद्यालय...वनवासी कल्याण आश्रम...आदिवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

समाज में सदियों से घर कर चुकी जो बीमारियाँ हैं, जो ऊंच-नीच की भावना है, जो कुप्रथाएं हैं, ये हिन्दू समाज की बहुत बड़ी चुनौती रही हैं। ये एक ऐसी गंभीर चिंता है, जिस पर संघ लगातार काम करता रहा है। डॉक्टर साहब से लेकर आज तक, संघ की हर महान विभूति ने, हर सर-संघचालक ने भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। परम पूज्य गुरु जी ने निरंतर ह्न हिन्दू पतितो भवेत्ह्न की भावना को आगे बढ़ाया। पूज्य बाला साहब देवरस जी कहते थे- छुआछूत अगर पाप नहीं, तो दुनिया में कोई पाप नहीं! सरसंघचालक रहते हुए पूज्य रज्जू भैया जी और पूज्य सुदर्शन जी ने भी इसी भावना को आगे बढ़ाया। वर्तमान सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी ने भी समरसता के लिए समाज के सामने एक कुआं, एक मंदिर और एक श्मशान का स्पष्ट लक्ष्य रखा है।

जब 100 साल पहले संघ अस्तित्व में आया था तो उस समय की आवश्यकताएं, उस समय के संघर्ष कुछ और थे। लेकिन आज 100 वर्षों बाद जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तब आज के समय की चुनौतियां अलग हैं, संघर्ष अलग हैं। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, हमारी एकता को तोड़ने की साजिशें, डेमोग्राफी में बदलाव के षड़यंत्र, हमारी सरकार इन चुनौतियों से तेजी से निपट रही है। मुझे ये खुशी है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इन चुनौतियों से निपटने के लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है।

संघ के पंच परिवर्तन, स्व बोध, सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार और पर्यावरण ये संकल्प हर स्वयंसेवक के लिए देश के समक्ष उपस्थित चुनौतियों को परास्त करने की बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।

स्व बोध की भावना का उद्देश्य गुलामी की मानसिकता से मुक्त होकर अपनी विरासत पर गर्व और स्वदेशी के मूल संकल्प को आगे बढ़ाना है। सामाजिक समरसता के जरिए वंचित को वरीयता देकर सामाजिक न्याय की स्थापना का प्रण है। आज हमारी सामाजिक समरसता को घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में आ रहे बदलाव से भी बड़ी चुनौती मिल रही है। देश ने भी इससे निपटने के लिए डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। हमें कुटुम्ब प्रबोधन यानी परिवार संस्कृति और मूल्यों को भी मजबूत बनाना है। नागरिक शिष्टाचार के जरिए नागरिक कर्तव्य का बोध हर देशवासी में भरना है। इन सबके साथ अपने पर्यावरण की रक्षा करते हुये आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

अपने इन संकल्पों को लेकर संघ अब अगली शताब्दी की यात्रा शुरू कर रहा है। 2047 के विकसित भारत में संघ का हर योगदान, देश की ऊर्जा बढ़ाएगा, देश को प्रेरित करेगा। पुनः प्रत्येक स्वयंसेवक को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। *(आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्र साधना के 100 वर्ष शीर्षक से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित आलेख)*

## संपादकीय

### मौत या हत्या

तमिलनाडु.के करूर जिले में एक रैली में भगदड़.मचने से 40 लोगों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई गई है। मरने वालों में 10 बच्चे और 16 महिलाएं शामिल हैं। टीवीके के नेता और अभिनेता विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर जिले में रैली की थी। विजय ने भगदड़.में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सोशल मीड़िया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा देंगे। घायलों को भी 2 लाख देने का ऐलान किया। हादसा उस समय हुआ जब हजारों समर्थक विजय के संबोधन को सुनने के लिए इकट्ठा थे। कार्यक्रम स्थल पर भीड़.बढ़ती चली गई। इसी पुलिस ने एकाएक लाठीचार्ज कर दिया जिससे भगदड़.मच गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने घटना को 'गंभीर और चिंताजनक' बताया। करूर नगर पुलिस ने टीवीके के नेताओं के समेत कई लोगों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज किया है। भगदड़.के कारणों को लेकर लोगों के अपने-अपने दावे हैं, और स्पष्ट नहीं है कि क्या गड़ब़ड़.हुई; क्या आयोजन स्थल का चयन गलत होने से यह सब हुआ या फिर भीड़.के बेकाबू हो जाने से। कुछ लोगों का दावा है कि सभा स्थल पर भीड़.ने अवरोधक के लिए लगाए गए टिन शेड़ को गिरा दिया और कई लोग पास की फूस की छतों पर चढ.गए जो उनका भार सहन नहीं कर सकीं और गिर गइृ। इस बीच स्थिति को काबू में लाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे भीड़.में फंसे बच्चों समेत अन्य लोग समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है। बेशक, यह घटना राजनीतिक आयोजनों में सुरक्षा में चूक की कमी को उजागर करती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिएएसओपी बनाई जानी चाहिए ताकि रैलियों में किसी तरह की भगदड़.न होने पाए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि देश में पिछले कुछ समय में हुई ऐसी भगदड़ों के बाद भी सबक क्यों नहीं लिया गया? राजनीतिक आयोजनों ही नहीं, बल्कि धार्मिक स्थलों और खेल के मैदानों में भी दर्शकों की भीड़.बेतहाशा बढ़ने पर इस प्रकार के हादसे की आशंका बराबर बनी रहती है। जरूरी है कि भीड़.के कारगर प्रबंधन के लिहाज से भी बंदोबस्ती में ध्यान रखा जाए। एसओपी तैयार किया जाना तो बेहद जरूरी है।

#### चिंतन-मनन

### उत्सव है बुद्धत्व

बुद्धत्व मौलिक रूप से प्रांति है, विद्रोह है, बगावत है। काशी के पंडितों की सभा प्रमाणपत्र थोड़े ही देगी बुद्ध को! बुद्धपुरुष तुम्हें पोप की पदवियों पर नहीं मिलेंगे और न शंकराचायरें की पदवियों पर मिलेंगे। क्योंकि ये तो परंपराएं हैं। और परंपरा में जो आदमी सफल होता है, वह मुर्दा हो तो ही सफल हो पाता है। परंपरा के द्वारा पद पाना सिर्फ मुर्दों के भाग्य में हैं, जीवंत लोगों के नहीं। यह सौभाग्य है जीवितों का और मुर्दों का दुर्भाग्य! इसलिए तुम कैसे पहचानोगे? और पूरी पहचान का तुम विचार ही मत करना। क्योंकि तुम पूरा पहचानोगे तो तुम बुद्ध हो जाओगे और तुम बुद्ध होते तो पहचानने की जरूरत न थी। तुम नहीं हो, इसीलिए तो पहचानने चले हो। इसलिए पूरे-पूरे का खयाल मत करना। छोटा सा टुकड़ा चांदनी का तैर आए तुम्हारे पास, तो बहुत धन्यभाग! अहोभाग! तुम उतने ही पर भरोसा करना। उस चांदनी के टुकड़े को पकड़ कर अगर बढ़ते रहे, चलते रहे, तो किसी दिन पूरे चांद के भी मालिक हो जाओगे। किसी दिन पूरा आकाश भी तुम्हारा हो जाएगा। तुम्हारा है; लेकिन अभी तुम्हें पहुंचना नहीं आया, चलना नहीं आया। अभी तुम घुटने के बल चलते हुए छोटे बच्चे की भांति हो। अभी तुम्हें चलने का अभ्यास करना है। तो संत उदास नहीं होंगे। बुद्धपुरुष उदास नहीं होंगे। जिनको तुम देखते हो मंदिरों-मस्जिदों में बैठे गुरु-गंभीर लोग, लंबे चेहरों वाले लोग, बुद्धपुरुष वैसे नहीं होंगे। बुद्धपुरुष तो उत्सव है। बुद्धपुरुष तो ऐसा है जिसमें अस्तित्व के कमल खिल गए। बुद्धपुरुष गंभीर नहीं। बुद्धपुरुष के पास तो मृदुहास मिलेगा। हल्की-हल्की हंसी। एक मुस्कुराहट। एक स्मित। एक उत्सव। एक आनंदभाव। तो तुम्हारी आंसुओं से भरी आंखों और कारागृह में दबे चित्त के पास अगर तुम्हें कभी कोई एक स्मित, एक हास, एक उत्सव की झलक भी आ जाए, तो छोड़ा मत उन चरणों को। उन्हीं के सहारे तुम परममुक्ति और स्वातंत्र्य के आकाश तक पहुंच जाओगे। अब तक तो तुम्हारी पहचान पतझड़ से थी। तुम्हारा जीवन राग आंसुओं और रुदन से भरा था। तुमने जीवन का कोई और अहोभाव का क्षण जाना नहीं था। नरक ही नरक जाना था। जिस क्षण किसी व्यक्ति के पास तुम्हें लगे- हवा का झोंका आया- स्वच्छ, ताजा, मलयाचल से चलकर, पहाड़ों से उतर कर तुम्हारी घाटियों में, तुम्हारे अंधेरे में- हवा का ऐसा झोंका जिसके पास अनुभव में हो जाए, समझना बुद्धत्व करीब है। कुछ घटा है।

## दशहरा: विविधताओं में एकता का सांस्कृतिक उत्सव

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ल दशमी को 'विजयादशमी' पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसे दशहरा भी कहा जाता है। इस वर्ष उदया तिथि के अनुसार दशहरा 2 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। समस्त भारत में दशहरा भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण के वध के रूप में अर्थात बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में तथा आदि शक्ति दुर्गा द्वारा महाबलशाली राक्षसों महिषासुर व चण्ड-मुण्ड का वध किए जाने के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने रावण पर विजय पाने के लिए इसी दिन प्रस्थान किया था। इतिहास में कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि हिन्दू राजा अक्सर इसी दिन विजय के लिए प्रस्थान किया करते थे। इसी कारण इस पर्व को विजय के लिए प्रस्थान का दिन भी कहा जाता है और इसे क्षत्रियों का त्यौहार भी माना गया है। इस दिन अपराजिता देवी की पूजा भी होती है। मान्यता है कि सर्वप्रथम श्रीराम ने समुद्र तट पर शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ किया था और तत्पश्चात दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान करते हुए विजय प्राप्त की थी। तभी से दशहरे को असत्य पर सत्य तथा अधर्म पर धर्म की जीत के पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

दो शब्दों दश तथा हरा से मिलकर बना है दशहरा। दश का अर्थ है दस तथा हरा का अर्थ है ले जाना। इस प्रकार दशहरे का मूल अर्थ है दस अवगुणों या बुराईयों को ले जाना यानी इस अवसर पर अपने भीतर के दस अवगुणों को खत्म करने का संकल्प लेना। दरअसल हर इंसान के भीतर रावण रूपी अनेक बुराईयां मौजूद होती हैं और सभी पर एक बार में विजय पाना संभव भी नहीं है, इसलिए दशहरे पर ऐसी ही कुछ बुराईयों का नाश करने का संकल्प लेकर इस पर्व की सार्थकता सुनिश्चित की जा सकती है। दशहरे को रावण पर राम की विजय अर्थात आसुरी शक्तियों पर सात्विक शक्तियों की विजय तथा अन्याय पर न्याय की, बुराई पर अच्छाई की, असत्य पर सत्य की, दानवता पर मानवता की, अधर्म पर धर्म की, पाप पर पुण्य की और घृणा पर प्रेम की जीत के रूप में मनाया जाता है। दशहरे का धार्मिक के साथ सांस्कृतिक महत्व भी कम नहीं है। यह पर्व देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय एकता का पर्व है। सही अर्थों में यह पर्व अपने भीतर छिपे दुगुर्णों रूपी रावण को मारकर तमाम अवगुणों पर विजय प्राप्त करने का शुभकाल है।

दशहरे के उत्सव का संबंध नवरात्रों से जोड़कर देखा जाता रहा है। शक्ति की उपायना का यह पर्व सनातन काल से ही शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक नौ तिथि, नौ नक्षत्र और नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ मनाया जाता है। माना जाता है कि नवरात्रों में देवी की शक्ति से दसों दिशाएं प्रभावित होती हैं और देवी दुर्गा की कृपा से ही दसों दिशाओं पर विजय प्राप्त होती है, इसलिए भी नवरात्रों के बाद आने वाली दशमी को ह्यविजयादशमीह्न कहा जाता है। नवरात्रों के नौ दिनों में हम देवी के नौ रूपों की पूजा करते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हमें यह भी समझना चाहिए कि हमारे समाज में सभी नारियां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, पार्वती या काली का ही रूप हैं, इसलिए इन पर्वों की सार्थकता सही मायनों में तभी सिद्ध हो सकती है, जब हम अपने समाज में देवी स्वरूपा नारी को उचित मान-सम्मान दें, उसे गर्भ में ही मौत की नींद सुलाने से बचाएं, शिक्षित करके उन्हें उनका हक दिलाएं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानित जीवन जीने का अधिकार प्रदान करें। शारदीय नवरात्रों का अहम अंग बनकर प्रतिवर्ष दुर्गोत्सव को पूर्णता प्रदान करता बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की जीत को परिभाषित करता यह पावन पर्व हमें मानवीय मूल्यों के संरक्षण में सर्वत्र विजयी होने का संदेश देता है। मान्यता है कि आदि शक्ति दुर्गा ने दशहरे के ही दिन महाबलशाली असुर सम्राट महिषासुर का वध किया था। जब महिषासुर के अत्याचारों से भूलोक और देवलोक त्राहि-त्राहि कर उठे थे, तब आदि शक्ति मां दुर्गा ने 9 दिनों तक महिषासुर के साथ बहुत भयंकर युद्ध किया था और दसवें दिन उसका वध करते हुए उस पर विजय हासिल की थी। इन्हीं 9 दिनों को दुर्गा पूजा (नवरात्र) के रूप में एवं शक्ति संचय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है और महिषासुर पर आदि शक्ति मां दुर्गा की विजय वाले दसवें दिन को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। श्राद्धों के समाप्ति वाले दिन मिट्टी के किसी बर्तन में मिट्टी में जौ बोए जाने की परम्परा बहुत से क्षेत्रों में देखने को मिलती है। दशहरे के दिन तक जौ उगकर काफी बड़े हो जाते हैं, जिन्हें ह्यज्वारेह्न कहा जाता है। मिट्टी के जिस बर्तन में जौ बोए जाते हैं, उसे स्त्री के गर्भ का प्रतीक माना गया है और ज्वारों को उसकी संतान। दशहरे के दिन लड़कियां अपने भाईयों की पगड़ी अथवा सिर पर ज्वारे रखती हैं और भाई उन्हें कोई उपहार देते हैं। सही मायनों में इस पर्व की सार्थकता तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब हम इस अवसर पर आत्मचिंतन करते हुए अपने भीतर की बुराईयों रूपी रावण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए उनका विनाश करने का प्रयास करें।

## गांधी और गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

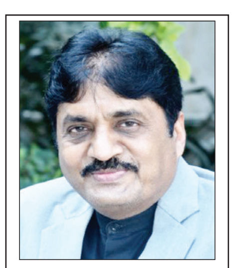

ललित गर्ग

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी- मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दशार्ता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम् था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान् विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-'आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते'-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### अफगानिस्तान में तालिबान की सख्ती, इंटरनेट सेवाएं ठप

**काबुल, एजेंसी।** सोमवार को अफगानिस्तान में अचानक इंटरनेट ब्लैकआउट की स्थिति पैदा हो गई, जिससे देशभर में फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट सेवाएं ठप हो गईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम तालिबान सरकार द्वारा अनैतिकता रोकने के प्रयास के तहत उठाया गया है। मामले में नेटब्लॉक्स नामक इंटरनेट निगरानी संस्था ने बताया कि सोमवार को अफगानिस्तान में इंटरनेट कनेक्टिविटी सिर्फ 14% रह गई, जो लगभग पूरे देश में टेलिकॉम सेवाओं के ठप होने का संकेत है। संस्था ने कहा कि इससे लोगों का बाहरी दुनिया से संपर्क लगभग कट गया है। यह पहला मौका है जब अगस्त 2021 में सत्ता में आने के बाद तालिबान सरकार ने इतनी बड़ी इंटरनेट बंदी की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कुछ हफ्ते पहले तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा ने फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था, ताकि समाज में बढ़ती अनैतिकता को रोका जा सके। तब से कई प्रांतों में इंटरनेट सेवाएं बाधित हो चुकी थीं।

### कोयला उद्योग को फिर से खड़ा करने में जुटे ट्रंप

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में कोयला उद्योग को दोबारा जिंदा करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। ट्रंप प्रशासन ने सोमवार को घोषणा की कि 13 मिलियन (1.3 करोड़) एकड़ संघीय जमीन को कोयला खनन के लिए खोला जाएगा और 625 मिलियन डॉलर की मदद से देश के पुराने कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को फिर से चालू या आधुनिक बनाया जाएगा। यह फैसला ऊर्जा विभाग, आंतरिक मंत्रालय और पर्यावरण संरक्षण एजेंसी द्वारा लिया गया है। यह कदम ट्रंप द्वारा अप्रैल में जारी कार्यकारी आदेशों का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने कोयला उद्योग को फिर से मजबूत बनाने की बात कही थी। अमेरिका में कोयला, एक भरोसेमंद लेकिन प्रदूषणकारी ऊर्जा स्रोत रहा है, जो पिछले कुछ वर्षों में सख्त पर्यावरण नियमों और सस्ती प्राकृतिक गैस के कारण घटता जा रहा था।

### टेक्सास में कसीनो पार्किंग में शख्स ने की गोलीबारी, दो लोगों की मौत-कई घायल; जांच में जुटे अधिकारी

**टेक्सास, एजेंसी।** अमेरिका के टेक्सास के एक सीमा शहर में साप्ताहांत के दौरान एक शख्स ने कसीनो की पार्किंग में गोलीबारी की। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर उस व्यक्ति ने गोलीबारी क्यों की। आरोपी केरयान रशान जोन्स (34 वर्षीय) को शनिवार रात गोलीबारी के कुछ घंटों बाद एक ट्रैफिक स्टॉप पर गिरफ्तार किया गया। घटना किकाफू लकी ईगल कसीनों की पार्किंग में हुई थी, जो ईगल पास के नजदीक है। पीछा करने के बाद पुलिस ने जोन्स को रविवार को सुबह स्कॉटडेल के पास पकड़ा गया। स्कॉटडेल, ईगल पास से करीब 290 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। विल्सन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने यह जानकारी दी। मैवरिक काउंटी के शेरिफ टॉम श्मरबेर के मुताबिक, दो लोगों की हत्या करने और पांच लोगों को घातक हथियार से नुकसान पहुंचाने के आरोप में जोन्स के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जोन्स को कहां रखा गया है और क्या उसकी ओर से कोई वकील पैरवी कर रहा है या नहीं। टेक्सास के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर ओलिवारेज ने कहा कि गोलीबारी किस वजह से हुई, इसकी अभी जांच चल रही है। टेक्सास पुलिस डिपार्टमेंट इस पूरे मामले की जांच कर रही है और उसने बताया कि जांच पूरी होने तक कसीनो बंद रहेगा।

### गाजा युद्ध पर विरोध जताना पड़ा भारी, अमेरिका ने कोलंबिया के राष्ट्रपति का वीजा रद्द किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कोलंबिया और अमेरिका के बीच रिश्तों में नया तनाव देखने को मिला है। सोमवार को कोलंबिया सरकार ने बताया कि देश की विदेश मंत्री रोसा विलाविसेंसियो ने अपने अमेरिकी वीज़ा को त्याग दिया है, यह कदम उन्होंने राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का वीजा रद्द किए जाने के विरोध में उठाया। राष्ट्रपति पेट्रो ने हाल ही में न्यूयॉर्क में गाजा युद्ध के खिलाफ एक प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन को आज़ाद कराने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सेना बनाने की मांग की थी और अमेरिकी सैनिकों से ट्रंप के आदेश न मानने की अपील भी की थी। वह फिलिस्तीनी पारंपरिक स्कार्फ कुफिया पहनकर प्रदर्शन में शामिल हुए थे। इसके कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने घोषणा की कि पेट्रो के भड़काऊ और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के चलते उनका वीज़ा रद्द किया जा रहा है। उस वक्त राष्ट्रपति पेट्रो यूएन महासभा में शामिल होने के बाद कोलंबिया लौट चुके थे।

# इंडोनेशिया में इस्लामिक स्कूल की इमारत ढही, एक छात्र की मौत और 65 मलबे के नीचे दबे

**जकार्ता, एजेंसी।** इंडोनेशिया में इस्लामिक स्कूल की इमारत मंगलवार को अचानक ढह गई। इसकी चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई। मलबे के नीचे अभी 65 छात्रों के दबे होने की आशंका है। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सिदोअर्जो के ईस्ट जावा कस्बे में अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल स्थित है। इसकी इमारत ढहने की सूचना मिलने के बाद बचावकर्मी, पुलिस और सैन्यकर्मी पूरी रात राहत व बचावकार्य में जुटे रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल की इमारत जर्जर हालत में थी। घटना के 12 घंटे से भी अधिक समय बाद मंगलवार सुबह छात्रों को बाहर निकालने के प्रयास जारी रहे। उन्होंने बताया कि घटना में एक छात्र की मौत हो गई। कई अन्य घायल हो गए। कम से कम 65 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इन छात्रों की उम्र 12 से 17 वर्ष के बीच है।

**इमारत का किया जा रहा था विस्तार :** घटना के 8 घंटे से अधिक समय बाद पुलिस, सैन्यकर्मी और बचावकर्मी आठ घायलों को बाहर निकालने में सफल रहे। बचावकर्मियों को इस दौरान और शव भी दिखे, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता जूल्स अब्राहम अबास्ट ने बताया कि छात्र उस इमारत में दोपहर की नमाज अदा कर रहे थे। इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था, तभी अचानक

वह गिर गई। इस निर्माण कार्य को लेकर जांच की जाएगी और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

**मलबे में कई शव देखे गए :** घटना इंडोनेशिया के पूर्वी जावा के सिदोअर्जो शहर के अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में हुई। कई घंटों के बचाव कार्य के बाद मलबे से आठ छात्रों को निकाला गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बचावकर्मियों ने मलबे में कई शव देखने का दावा किया है, जिससे आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल बचावकर्मी जीवित लोगों को जल्द से जल्द मलबे से निकालने की कोशिश कर रहे हैं। छात्रों के परिजन मौके पर मौजूद हैं और अपने बच्चों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कई परिजन रोते-बिलखते देखे गए। लापता 65 छात्रों में से अधिकतर सातवीं से 11वीं कक्षा के छात्र हैं, जिनकी उम्र 12 साल से लेकर 17 साल के बीच है। खोज और बचाव अभियान का नेतृत्व कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि कंक्रीट के भारी स्लैब और अन्य मलबे के चलते बचाव कार्य बाधित हो रहा है। उन्होंने बताया कि बचाव कार्य के लिए भारी उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है क्योंकि भारी उपकरणों से ढहा हुआ मलबा और ढह सकता है। यही वजह है कि बचाव कार्य में देरी हो रही है।

**पुलिस ने बताया- इमारत के अवैध विस्तार से हुआ हादसा :** प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि छात्र एक इमारत में दोपहर की प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान इमारत गिर गई। उन्होंने बताया कि स्कूल इमारत का अनधिकृत विस्तार किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और 99 अन्य छात्र घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि पुराना प्रार्थना कक्ष दो मंजिला था, लेकिन बिना अनुमति के दो और मंजिलें बनाई जा रही थीं। पुरानी इमारत की नींव कंक्रीट की दो मंजिलों का वजन नहीं संभाल पाई और ढह गई।

## अदन की खाड़ी में कार्गो शिप पर हमला, जहाज छोड़कर भागा चालक दल; हूती विद्रोहियों पर लगा आरोप

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** हॉलैंड का झंडा लगे एक कार्गो जहाज पर सोमवार को अदन की खाड़ी में मिसाइल हमला हुआ। इस हमले में जहाज बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है और चालक दल के दो सदस्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हमले के बाद चालक दल के सदस्य जहाज को छोड़कर भाग गया। अदन की खाड़ी में किसी जहाज पर हुआ यह हाल के समय में सबसे गंभीर हमला है। जिस जगह हमला हुआ, वह लाल सागर से कुछ दूरी पर है। हमले का आरोप ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों पर लगा है। हालांकि अभी तक हूती विद्रोहियों ने आधिकारिक तौर पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। फ्रांसीसी सेना के मेरीटाइम सेंटर ने दावा किया है कि कार्गो शिप पर हमला हूती विद्रोहियों द्वारा ही किया गया है। जिस कार्गो शिप पर हमला हुआ, उस पर बीती 23 सितंबर को भी हमले की असफल कोशिश हुई थी। वह हमला भी अदन की खाड़ी में किया गया था। अदन की खाड़ी, बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य को लाल सागर से जोड़ती है। बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य पूर्वी अफ्रीका को अरब प्रायद्वीप से अलग करता है। जिस जगह जहाज पर हमला हुआ, वह दुनिया के सबसे खास समुद्री रास्तों में से एक है। खासकर कच्चे तेल के व्यापार के लिए यह रूट बेहद अहम है।

## शहबाज शरीफ और असीम मुनीर हमेशा हमारे साथ रहे, गाजा प्लान पर पाकिस्तान का समर्थन मिलने पर बोले ट्रंप

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा युद्ध खत्म करने की शांति योजना का पाकिस्तान ने समर्थन किया है। ट्रंप ने इसको लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की तारीफ की। व्हाइट हाउस की ओर से से 20 बिंदुओं की शांति योजना की घोषणा की गई, जिसके बाद ट्रंप ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि यह योजना इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के मकसद से तैयार की गई है। इस प्रेस वार्ता में ट्रंप ने सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे कई अरब और इस्लामी देशों के नेताओं का आभार जताया, जिन्होंने इस योजना के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने इस योजना को नए गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक साझा प्रयास बताया। ट्रंप ने पाकिस्तानी नेतृत्व की चर्चा करते हुए कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल (जनरल असीम मुनीर) शुरुआत से ही हमारे साथ थे। उन्होंने अभी एक बयान जारी किया है कि वे इस प्रस्ताव पर पूरी तरह विश्वास रखते हैं। ट्रंप ने आगे कहा, अभी मैं घूम रहा था तभी अधिकारियों ने मुझे बताया- सर, आपके लिए एक बड़ा संदेश है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल इस योजना का सौ फीसदी समर्थनक कर रहे हैं। शहबाज शरीफ ने एक्स पर ट्रंप की इस योजना का स्वागत किया

और कहा कि फलस्तीनियों और इस्राइलियों के बीच स्थायी शांति इस क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए जरूरी है। अगर इस्राइल और हमास दोनों ट्रंप की इस योजना पर सहमत होते हैं, तो युद्ध तत्काल खत्म हो जाएगा। योजना के मुताबिक, दोनों पक्ष बंधकों को रिहा करेंगे और हमास को पूरी तरह निरस्त्र किया जाएगा। इसके बाद इस्राइली सेना गाजा से पीछे हटेगी और सभी सैन्य अभियान रोक दिए जाएंगे। इस योजना के स्वीकार करने के बाद इस्राइल 72 घंटों के भीतर सभी बंधकों को वापस लेगा, चाहे वे जीवित हों या मृत। इसके बदले में इस्राइल उम्रकैद की सजा पा चुके 250 फलस्तीनी कैदियों और सात अक्तूबर 2023 के बाद गिरफ्तार किए गए 1700 गाजावासियों को रिहा करेगा, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। ट्रंप ने इससे पहले भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की तारीफ की थी और उन्हें शानदार इंसान बताया था। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस में एक तय मुलाकात से पहले दिया था। ट्रंप ने कहा था।

## भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर ने खुद को बताया निर्दोष

**फ्लोरिडा , एजेंसी।** अमेरिका के फ्लोरिडा के हाईवे पर बीते दिनों हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले में आरोपी भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर हरजिंदर सिंह ने खुद को निर्दोष बताया है। 28 वर्षीय हरजिंदर सिंह ने सोमवार को अदालत में अपनी पहली पेशी छोड़ दी और गुनाह कबूल नहीं है की दलील दी। बता दें कि 12 अगस्त को फ्लोरिडा के टर्नपाइक हाईवे पर हरजिंदर सिंह ने अपने बड़े ट्रक से अचानक गैरकानूनी यू-टर्न लेने की कोशिश की। तभी पीछे से आ रही एक मिनीवैन ट्रक से टकरा गई। हादसे में वैन के ड्राइवर और दो यात्रियों की मौके पर मौत हो गई। सिंह और उनके साथ ट्रक में मौजूद व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई।

हरजिंदर सिंह पर विहिकलर होमिसाइड (यानि लापरवाही से गाड़ी चलाकर मौत की वजह बनना) के तीन मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा उन पर अमेरिका में अवैध रूप से रहने और इमिग्रेशन नियमों के उल्लंघन के आरोप भी हैं। उन्हें फ्लोरिडा की सेंट लूसी काउंटी जेल में रखा गया है और कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया है। इतना ही नहीं जांच में सामने आया कि सिंह को पहले वॉशिंगटन में और फिर कैलिफोर्निया में कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस दिया गया था, जबकि उनके इमिग्रेशन स्टेटस के चलते उन्हें यह लाइसेंस मिलना ही नहीं चाहिए था। इस मामले के बाद ट्रंप प्रशासन और कैलिफोर्निया के गवर्नर के बीच बयानबाज़ी भी शुरू हो गई।

मामले में अमेरिका के परिवहन मंत्री शॉन डफी ने हादसे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कई राज्यों में गैर-कानूनी तरीके से सीडीएल (कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस) जारी किए जा रहे थे। कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा लापरवाही मिली, जिसके चलते अमेरिकी सरकार अब राज्य से 160 मिलियन डालर (करीब 1300 करोड़ रुपये) की फंडिंग रोकने की चेतावनी दे रही है। अब इस मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार को प्री-ट्रायल डॉकेट कॉल के रूप में होगी।

## ट्रंप ने बदल दिया गाजा का नक्शा, खींची नीली-पीली और लाल रंग से सीमा

**गाजा , एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध विराम की योजना पर सहमति जताई है। इसके साथ ही ट्रंप ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन क्षेत्र में युद्ध के बाद शासन स्थापित करने के लिए एक 20-सूत्रीय योजना की पेशकश की है। ट्रंप की इस योजना के तहत गाजा में एक अस्थायी शासी बोर्ड की स्थापना की जाएगी, जिसके अध्यक्ष ट्रंप होंगे, जबकि पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी उस बोर्ड में शामिल होंगे। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमास ने उन शर्तों पर हामी भर दी है या उसे 20 सूत्री प्रस्ताव पर ऐतराज है।

वाइट हाउस में ट्रंप ने 20 सूत्री प्रस्ताव का ऐलान करते हुए कहा कि इससे बेंजामिन सहमत हैं। उन्होंने इस मौके पर गाजा का एक नक्शा भी जारी किया, जिस पर लाल, नीली और पीली रंग से रेखाएं खींची गई हैं। इस नक्शे के अनुसार गाजा

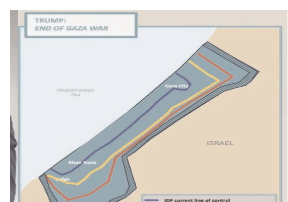


और इजरायल के बीच हमेशा के लिए एक बफर जोन होगा। ट्रंप के प्रस्ताव के मुताबिक उस बफर जोन की रेखा के इस पार या उस पार इजरायली और फिलिस्तीनी सैनिकों और आम जनों के आने-जाने पर पूर्ण पाबंदी होगी। यानी न तो सैनिक और न ही आमजन इस रेखा को पार कर सकेंगे।

**नीली-पीली और लाल रेखा का क्या मतलब :** राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा स्वीकृत गाजा प्लान के तहत जो नक्शा जारी किया गया है, उस पर तीन रंग (नीली, पीली और लाल) की लाइनें हैं। उसके बाद इजरायल सीमा से सटा एक बफर जोन भी है। गाजा पट्टी के नक्शे पर जो नीली रेखा खींची गई है, वहां तक अभी इजरायली रक्षा बलों का कंट्रोल है। यह रेखा खान सूनुस के करीब है। इसके बाद राफा से होकर पीली रेखा खींची गई है। इसे विदड्रावल लाइव कहा गया है। इसका मतलब यह हुआ कि जैसे ही हमास बंधकों की रिहाई करेगा, 72 घंटे के अंदर इजरायली फौज इस पीली रेखा तक वापस आ जाएगी।

**बफर जोन के आर-पार जाने की इजाजत नहीं :** इस रेखा के बाद सेकंड विदड्रावल लाइन भी खींची गई है, जो लाल रंग से अंकित है। यानी पीछे हटती हुई इजरायली सेना इस लाइन तक आकर रुक जाएगी। इसके बाद एक और रेखा खींची गई है जो इजरायल की सीमा से सटी हुई है। इसे बफर जोन कहा गया है। थर्ड विदड्रावल के बाद इजरायली सैनिक इसी रेखा के पास आकर रुक जाएंगे। प्रस्ताव में कहा गया है कि इस बफर जोन के आर-पार जाने की किसी को भी इजाजत नहीं होगी। ट्रंप ने अपने प्लान को बताते हुए कहा कि इजरायल और अन्य देशों ने भी गाजा के इस नए नक्शे और प्लान की रूपरेखा को स्वीकार कर लिया है। प्लान में कहा गया है कि यदि योजना दोनों पक्षों द्वारा स्वीकार कर ली जाती है, तो युद्ध तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा गाजा में बंद सभी जीवित और मृत बंधकों को 72 घंटों के भीतर वापस लौटा दिया जाएगा और बदले में फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा कर दिया जाएगा।

**नेतन्याहू जो करना चाहेंगे, उसे पूरा समर्थन- ट्रंप :** प्लान के मुताबिक गाजा पट्टी पर अस्थायी रूप से एक फ़िलिस्तीनी तकनीकी सरकार का शासन होगा, जिसमें हमास की कोई भूमिका नहीं होगी और इजरायल गाजा पर कब्ज़ा नहीं करेगा। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि हमास भी इस योजना को स्वीकार कर लेगा। उन्होंने हमास को धमकी देते हुए दो टूक कहा है कि अगर हमास इस योजना को नहीं मानता है तो वह इजरायली प्रधानमंत्री को खुली छूट देंगे और नेतन्याहू जो करना चाहेंगे, उसे उनका पूरा समर्थन होगा।

## पीओजेके में प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन की मौत; प्रदर्शनकारियों को मिला पुलिस का साथ

**मुजफ्फराबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में सोमवार को हालात उस वक्त बिगड़ गए जब क्षेत्र की पुलिस भी पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उत्तर आई। अवामी एक्शन कमेटी पहले से क्षेत्रीय समस्याओं के खिलाफ शहबाज सरकार के विरोध में धरने-प्रदर्शन करती आ रही है। सोमवार को स्थानीय पुलिसकर्मियों में भी पाकिस्तान की सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली। हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए।

स्थानीय पुलिसकर्मियों ने मांगे पूरी न होने पर पूरे पीओजेके में बंद किया। हालात नियंत्रित करने के लिए सरकार ने भारी संख्या में सुरक्षा बल को प्रांत में तैनात कर दिया। इनमें 7,000 सुरक्षाबल और फ्रंटियर फोर्स के सैनिकों को तैनाती मिली। स्थानीय पुलिसकर्मियों ने पाकिस्तानी सरकार के सामने 11 सूत्रीय मांगें रखीं थीं, जिनमें वेतन वृद्धि से लेकर जोखिम भत्ता, आवास और सरकारी योजनाओं का लाभ देने के प्रावधान शामिल थे।

**कई घंटे की बैठक के बाद वार्ता हुई नाकाम :** अवामी एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज मीर ने कहा, हमारा अभियान किसी संस्था के खिलाफ नहीं है। लेकिन, पिछले 70 वर्षों से पीओजेके के लोगों को मौलिक अधिकार नहीं मिले हैं। बस अब बहुत हो गया। या तो हमें हमारे अधिकार दो और या फिर लोगों के गुस्से का सामना करें। पाकिस्तान सरकार कमेटी से बातचीत भी कर रही है। हालांकि 13 घंटे तक चली बैठक के बाद यह बार्ता नाकाम हो गई।

**जनजीवन ठप :** पीओजेके में सोमवार को पूर्ण हड़ताल हुई। बाजार, दुकानें और व्यावसायिक केंद्र बंद रहे। कश्मीरी आबादी द्वारा सभी व्यावसायिक गतिविधियों को रोककर संयुक्त कार्रवाई समिति के प्रति मजबूत समर्थन जताने के कारण पूरे क्षेत्र को सड़कें और गलियां वीरान रहीं। सोमवार को पीओजेके में जनजीवन ठप रहा।

**इंटरनेट ब्लैकआउट पर अंतरराष्ट्रीय दखल का आग्रह :** यूनाइटेड कश्मीर पोपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पीओजेके में इंटरनेट व फोन सेवाएं बंद करने के बाद अंतरराष्ट्रीय अपील जारी की है। संगठन ने कहा, यह संचार ब्लैकआउट पाकिस्तानी अफसरों के शांतिपूर्ण असहमति को दबाने और बढ़ती अशांति में क्षेत्र को वैश्विक समुदाय से अलग-थलग करने की जानबूझकर की गई एक चाल है। प्रदर्शनकारी यहां बुनियादी अधिकारों व आर्थिक न्याय की मांग कर रहे हैं। पीओजेके में पाकिस्तान पर दशकों से लोगों के राजनीतिक दमन के आरोप लगे हैं, जिनके विरोध में प्रदर्शन चल रहे हैं। यूकेपीएनपी ने चेताया कि पाकिस्तान ने पूरे क्षेत्र में अर्धसैनिक रेंजर्स और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया है, जिससे हिंसा संभव है।

## फरवरी 2026 से एच-1बी वीजा में बड़े बदलाव करने जा रहा अमेरिका, भारतीय पेशेवरों पर पड़ेगा असर

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि फरवरी 2026 से पहले एच-1बी वीजा प्रक्रिया में काफी बदलाव होंगे। गौरतलब है कि ट्रंप सरकार ने एच-1बी वीजा की फीस कई गुना बढ़ाकर 100,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया है और नया शुल्क भी फरवरी 2026 से ही लागू होगा। लुटनिक ने एच-1बी वीजा पर सस्ते तकनीकी सलाहकारों के देश में आने और अपने परिवारों को लाने के विचार को बिल्कुल गलत बताया।

**लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है अमेरिकी सरकार :** लुटनिक ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि फरवरी 2026 में जब एच1बी वीजा की बढ़ी हुई फीस लागू होगी, तब इसमें कई बड़े बदलाव होंगे। लुटनिक ने संकेत दिए कि अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत लॉटरी सिस्टम को खत्म कर सकती है। लुटनिक ने लॉटरी सिस्टम की आलोचना की और सवाल किया कि क्या किसी देश को लॉटरी के जरिए कुशल श्रमिकों को अपने देश में लाना चाहिए? अमेरिका के वाणिज्य मंत्री लुटनिक ने कहा कि एच-1बी लॉटरी को ठीक किया जाना चाहिए और अमेरिका को उच्च-कुशल नौकरियां केवल सबसे कुशल लोगों को ही देनी चाहिए।

**उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही मिलेगी वरीयता :** लुटनिक ने कहा कि कंपनियों को ऐसे तकनीकी सलाहकारों और प्रशिक्षुओं को रखने का विचार समाप्त कर देना चाहिए जो सस्ते हों। इस बारे में मेरी राय पक्की है। मुझे लगता है कि राष्ट्रपति इन मुद्दों

पर मेरे साथ हैं। मेरा मानना है कि सस्ते तकनीकी सलाहकार इस देश में आएं और अपने परिवारों को भी लाएं, ये मुझे बिल्कुल गलत लगता है, और मैं इसे सही नहीं मानता हूं। माना जा रहा है कि भविष्य में अमेरिकी सरकार एच1बी वीजा के तहत सिर्फ उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों को ही वरीयता दे सकती है। एच-1बी वाजी की बढ़ी हुई फीस से अमेरिका में काम करने के इच्छुक भारतीय पेशेवरों पर गंभीर असर होगा। गौरतलब है कि एक लाख अमेरिकी डॉलर एच1बी वीजा के लिए एकमुश्त शुल्क होगा। हालांकि नई दरें मौजूदा वीजा धारकों पर लागू नहीं होगी और केवल नए आवेदकों को ही बढ़ी हुई फीस का भुगतान करना होगा। एच1बी वीजा प्रक्रिया को 1990 में शुरू किया गया था और दुनियाभर के पेशेवरों के लिए, जो अमेरिका में अपना करियर बनाना चाहते हैं, यह एच-1बी वीजा खासा लोकप्रिय है। अब जब अमेरिका सरकार इसके नियम कड़े करने जा रही है तो इसका असर भारतीय पेशेवरों पर भी पड़ेगा क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर एच-1बी वीजा के दम पर ही अमेरिका में काम कर पाते हैं। इस महीने अमेरिकी श्रम विभाग ने प्रोजेक्ट फायरवॉल की शुरुआत की घोषणा की है।

# नोबेल की दौड़ में इस बार 338 दावेदार; लेकिन ट्रंप को नहीं मिलेगा

**ओस्लो, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार पाने के लिए खासे बेकरार हैं, लेकिन ट्रंप पुरस्कार की दौड़ से पहले ही बाहर हो गए हैं। दरअसल नोबेल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम समयसीमा के बाद प्रस्तावित किया गया। ओस्लो में 10 अक्तूबर को होने वाले पुरस्कारों के एलान के लिए इस बार दौड़ में 338 दावेदार हैं।

नॉर्वेजियन नोबेल समिति में नॉर्वेजियन संसद के नियुक्त पांच व्यक्ति होते हैं। ये सदस्य अक्सर सेवानिवृत्त राजनेता होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। वर्तमान समिति का नेतृत्व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने वाले समूह पीईएन इंटरनेशनल की नॉर्वेजियन शाखा के प्रमुख करते हैं। एक अन्य सदस्य एक शिक्षाविद हैं। इन सभी सदस्यों को नॉर्वेजियन राजनीतिक दल नामित करते हैं और इनकी नियुक्तियां नॉर्वे की संसद में शक्ति संतुलन को उजागर करती हैं।

**कौन जीत सकता है :** ऐसा कोई भी शख्स जो स्वीडिश उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की 1895 की वसीयत में दिए गए विवरण पर खरा उतरे। वह नोबेल पुरस्कार का हकदार होता है। इसके मुताबिक, पुरस्कार ऐसे शख्स को दिया जाना चाहिए जिसने राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने,स्थायी सेनाओं को खत्म करने या कम करने और शांति सम्मेलनों की स्थापना और संवर्धन के लिए सबसे अधिक या सर्वोत्तम काम किया हो। पुरस्कार की तैयारी का काम देखने वाले नोबेल शांति पुरस्कार समिति के सचिव क्रिस्टियन बर्ग हार्पविकेन के मुताबिक, विजेता चुनना आसान नहीं होता। उनके अनुसार यह पुरस्कार मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर समझना चाहिए। समिति दुनिया में हो रही घटनाओं,अंतरराष्ट्रीय रुझानों, बड़ी चिंताओं और सबसे आशाजनक प्रक्रियाएं मसलन, फिर चाहे वह शांति प्रक्रिया हो या

नया अंतरराष्ट्रीय समझौता तक हो सकती हैं। हार्पविकेन चर्चाओं में शामिल हो सकते हैं,लेकिन मतदान नहीं कर सकते।

**कौन नामांकित कर सकता है :** हजारों लोग नामों का प्रस्ताव कर सकते हैं। इनमें सरकारों और संसदों के सदस्य,वर्तमान राष्ट्राध्यक्ष,इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कानून और दर्शनशास्त्र के विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और पूर्व नोबेल शांति पुरस्कार विजेता या अन्य शामिल होते है। इस साल पुरस्कार के लिए 338 नामांकित शख्स हैं। इन नामों की पूरी सूची 50 साल तक गुप्त रहती है, हालांकि कुछ लोग अपने नामांकन खुद जाहिर कर देते हैं। हार्पविकेन बताते हैं कि नामांकन 31 जनवरी को बंद हो जाते हैं। समिति सदस्य अपनी पहली बैठक (फरवरी) तक नाम जोड़ सकते हैं। उसके बाद सभी नामों की समीक्षा कर एक शॉर्टलिस्ट बनाई जाती है। हर उम्मीदवार का मूल्यांकन स्थायी सलाहकार और विशेषज्ञों करते हैं। समिति लगभग महीने में एक बार मिलती है और आमतौर पर निर्णय अगस्त या सितंबर में लेती है। समिति सहमति से फैसला चाहती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर मतदान होता है। आखिरी बार समिति सदस्य का विरोध में इस्तीफा 1994 में हुआ था, तब फलस्तीनी नेता यासिर अराफात के इस्राइल के शिमोन पेरेज और यित्जाक राबिन को संयुक्त तौर पर नोबेल पुरस्कार मिला था। पूरी सूची 50 साल तक गुप्त रहती है, हालांकि नामांकन करने वाले चाहें तो नाम सार्वजनिक कर सकते हैं। इस साल जिनके नाम सामने आए उनमें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय,नाटो, जेल में बंद हांगकांग कार्यकर्ता चाउ हैंग तुंग और कनाडाई मानवाधिकार वकील इरविन कोटलर शामिल हैं। कंबोडिया,इस्राइल और पाकिस्तान के नेताओं के मुताबिक, उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नामित किया था,लेकिन ये नामांकन 31 जनवरी की समय सीमा के बाद वसंत और गर्मियों में किए गए थे,इसलिए वे 2025 के पुरस्कार के लिए मान्य नहीं हैं।विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ तभी जब वह अपनी नीतियां बदलें,क्योंकि फिलहाल उन्हें उस वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने वाला माना जाता है जिसे समिति महत्व देती है। इसके बजाय,समिति पुरस्कार के लिए किसी मानवीय संगठन, पत्रकारों या संयुक्त राष्ट्र संस्था को चुन सकती है या चौंकाने वाला नाम का एलान कर सकती है।

# धड़कन से जुड़ी जम्हाई

**यकीनन** हम अभी तक जम्हाई आने की असलियत तक नहीं पहुंच पाए हैं। माना जाता है कि जम्हाई तभी आती है, जब हम या तो थके होते हैं या बोर हो चुके होते हैं, या इसलिए जम्हाई लेना शुरू कर देते हैं कि सामने वाला भी ले रहा है, लेकिन जम्हाई को इन बातों से साबित करना कठिन है। विज्ञानियों की जम्हाई आने की सभी जैविक वजहों को जानने में कोई रूचि नहीं रही, लेकिन वे इस बात पर एकराय हैं कि जम्हाई तभी आती है, जब हमारी सांस प्रणाली में अनैच्छिक अवरोध बन जाता है। इससे हमारे खून में कार्बन डाईऑक्साइड और ऑक्सीजन का स्तर नियमित होता है। तकनीकी रूप से कहें, तो गहरी सांस लेने और उसी के साथ धीरे-धीरे कार्बन डाईऑक्साइड छोडने की क्रिया में मुंह खोलना जम्हाई है।

दरअसल, जम्हाई सामान्य क्रिया है, लेकिन बार-बार जम्हाई आए, तो समझ लें कि इसके पीछे रीढ़ की हड्डी और स्नायु केंद्रों में उठने वाले अनचाहे धक्के हैं। शरीरविज्ञानियों का अनुमान है कि जब हम थके होते हैं या बोरियत महसूस करते हैं, तो कई बार हमारी सांस फूल जाती है। ऐसी हालत में फेफड़े को हृदयवाहिनी के जरिए ऑक्सीजन मिलना कम हो जाता है। जब जम्हाई आती है, तो उस शख्स की सतर्कता का स्तर अपेक्षाकृत बढ़ जाता है। इसकी वजह है, अचानक ऑक्सीजन की अधिक मात्रा आने से दिल की धड़कन बढ़ जाना। ऐसे में फेफड़ों को आराम मिलता है और खून में कार्बन डाई ऑक्साइड बढ़ती है, जिससे खून के जरिए ऑक्सीजन तेजी से दिमाग में जाने लगती है।

ऐसे में सामान्य प्रक्रिया के तहत सांस लेना शुरू हो जाता है यानी फेफड़ों को हवा मिलने लगती है। शरीरविज्ञानियों के मुताबिक, अगर कोई जम्हाई ले रहा हो, तो पास बैठा दूसरा शख्स भी जम्हाई लेने लगता है यानी इसे छूत लगना या 'क्षणिक रोग' कहना ठीक रहेगा। लेकिन सुस्त दिमाग वालों या मंद दिमाग वालों को खूब जम्हाइयां आती हैं। अभी कई अनसुलझे रहस्यों में से एक बड़ा रहस्य अब तक कायम है कि गर्भ में पल रहा भ्रूण क्यों जम्हाई लेता है, जबकि सभी जानते हैं कि वह गर्भ में रहते हुए अपने फेफड़ों से ऑक्सीजन लेता ही नहीं! बल्कि पैदा होने के बाद ही वह फेफड़ों की मदद से ऑक्सीजन लेता है। इसी तरह इस रहस्य पर से भी अभी तक पर्दा नहीं उठा है कि कोई व्यक्ति रक्तवाहिनियों में ऑक्सीजन की काफी मात्रा होने के बावजूद जम्हाई क्यों लेता है?

तय है, जम्हाई आने का रहस्य जीवन के बाकी रहस्यों की तरह तो जटिल हो ही नहीं सकता, लेकिन शरीरविज्ञानियों के बीच यह पहेली सरीखा तो है ही। अब सवाल है कि कैसे माना जाए कि जम्हाई संक्रामक है, छुआछूत जैसा है या पड़ोस में बैठे शख्स के जम्हाने पर हमें भी क्यों जम्हाई आने लगती है? संक्रामक होने जैसी बातों पर यकीन करते हुए अनुसंधानकर्ताओं ने हाल में एक निष्कर्ष निकाला कि इंसानों में ही नहीं, चिम्पैंजियों में भी जम्हाई की बीमारी पाई जाती है। लेकिन कोई इसकी विश्वास करने लायक वजह बता पाने की स्थिति में नहीं है। जम्हाई लाने की वजह जानने में जटिलता है कि हम किसी को जम्हाई लेते देख सकते हैं और वैसा ही खुद के साथ भी उसी समय हो जाता है, बिना कोई वजह सोचे कि ऐसा क्यों हो गया। हमने अलग समय में देखा कि यह हो जाता है, जैसे कि ऐसा हो जाने का कोई मकसद रहा। फिनलैंड ने दिमागी ढांचे के भीतर होती जम्हाई संबंधी हलचलों की पक्की जानकारी हासिल करने के लिए दिमाग के स्कैन कराने के लिए कोष आवंटित किया। नतीजा निकला कि यह अबूझ पहेली है कि जम्हाई का संक्रमण हमें न समझते हुए या अनजाने में ही पकड़ लेता है। जो भी हो, हमारे दिमाग के 'मिरर न्यूरॉन सिस्टम' में हरकतों की वजह से जम्हाई आती है। न्यूरॉन दिमाग की अहम कोशिकाएं होती हैं। जब इंसान कुछ कर रहा होता है, तो ये सक्रिय हो उठती हैं।

फिर भी, जब तक इन सवालों को उनके माकूल जवाब नहीं मिल जाते, यह मानने का कोई कारण नहीं कि एक शख्स तब जम्हाई लेता है, जब वह बोरियत महसूस करता है या जब वह थका होता है। तसल्ली रखिए कि बोरियतभरा इंसान कोई भी हो, कम से कम जम्हाई से वह मरता तो नहीं है!

## बोतल का दूध बढ़ा सकता है बच्चों में मोटापा

**नई** रिसर्च से पता चला है कि जो बच्चे बोतल का दूध पीते हैं, आगे चल कर उनके मोटापाग्रस्त होने का खतरा ज्यादा रहता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसकी वजह है बोतल के दूध में ज्यादा कैलोरी होना। इतना ही नहीं, बोतल का दूध पीने वाले बच्चों में पेटूपन की प्रवृत्ति भी बढ़ती है जिससे उभरना बहुत मुश्किल होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों ने 4 महीने के 881 बच्चों की खान-पान की आदतों का अध्ययन कियात। 5 साल बाद सबके चैकअप से पता चला कि जो बच्चे फॉर्मूला मिल्क (डिब्बाबंद मिल्क पाऊडर) पीते थे और जिन्हें ठोस आहार बहुत जल्दी दिया जाने लगा था, वे अपेक्षाकृत मोटे हो गए थे। बड़े होने पर उनमें मोटापे का खतरा ज्यादा था।

बोतल का दूध पीने वाले बच्चों की बजाय उन शिशुओं में एनर्जी को रैगुलेट करने की क्षमता बेहतर होती है, जो स्तनपान करते हैं।

# हेल्थ प्लस

## घातक है फूड प्वाइजनिग

**कारण**

खराब खाना खाने से फूड प्वाइजनिग होता है। माना जाता है कि इस मौसम में बैक्टीरिया ग्रोथ कम होता है जबकि गर्मी में स्थिति इसके उलट होती है।

**लक्षण**

- पेट में भारीपन का अहसास होना।
- पेट में आवाज के साथ कई बार मोशन होना।
- उल्टी लगना, कभी कभी उल्टी भी होती है।
- पेट में दर्द भी होता है।

**घातक :** फूड प्वाइजनिग काफी घातक हो सकती है क्योंकि इससे शरीर में पानी की काफी कमी हो जाती है। यानी डी-हाइड्रेशन हो जाता है। पेट में बहुत दर्द होता है। इतना ही नहीं, सिर दर्द के साथ काफी कमजोरी महसूस होती है।

**उपचार**

- फूड प्वाइजनिग का इफेक्ट ज्यादातर 24 से 48 घंटों तक ही रहता है।
- इस दौरान शरीर में पानी की कमी हो जाती है।
- पानी की कमी को पूरा करने के लिए लगातार इलेक्ट्राल, ग्लूकोज आदि के रूप में पानी लेते रहें। ताकि डी -हाइड्रेशन न हो।

**सावधानियां**

- बाहर का खाना न खाएं।
- स्पाइसी फूड का सेवन बिल्कुल भी न करें।
- पेस्टी या पिज्ज कभी न खाएं क्योंकि वह कई दिनों का होता है, जिसमें बैक्टीरिया आसानी से अटैक करता है।
- कभी भी हाथ धोए बिना कुछ भी न खाएं।
- अपने पेट को छूने के बाद हाथ जरूर धोएं लें।
- हमेशा गर्म खाना ही खाएं।
- कभी भी बासी खाना न खाएं।
- फल और हरी सब्जियां (सलाद आइटम) खाने से पहले अच्छी तरह धो लें।

# महिलाओं के लिए 7 स्वास्थ्य सूत्र

**महिलाएं** घर की धुरी हैं जिन के इर्द-गिर्द परिवार घूमता है। यदि धुरी ढीली चसेगी तो परिवार भी अस्त-व्यस्त हो जायेगा। ऐसे में आवश्यकता होती है महिलओं के स्ट्रांग होने की। स्ट्रांग वे तभी रह सकती है जब वे हैल्दी फूड खाएंगी, व्यायाम करेंगी और सकारात्मक सोच रखेंगी।

**1. हैल्दी डाइट लें :-**

हैल्दी डाइट वही है जो फल, सब्जियों और अनाज का सही बैलेंस बना कर ली जाए। जिस मौसम में जो फल और सब्जियां बहुतायत में पैदा होती हों और बाजार में उपलब्ध हों, उन फलों और सब्जियों का सेवन अधिक करें। डिब्बाबंद या पैकेटबंद खाद्य सामग्री घर में कम से कम लाएं। खाना हमेशा हैल्दी तकनीक से पकाएं। अधिक तला भोजन गरिष्ठ होने के कारण पचने में आसान नहीं होता। भोजन उबालकर, स्टीम कर, स्टिर फ्राई कर, बेक कर बनाएं जो पचने में आसान होता है। इस प्रकार के भोजन से गैस व एसिडिटी की समस्या भी नहीं रहती। प्रयास कर भोडन ताजा पकाएं और सब्जियों के सूप बाजारी बंद पैकेट वाले न बनाकर घर पर ताजी सब्जियां लेकर बनाएं।

**2. खूब पिएं पानी :-**

दिन भर में 10 से 12 गिलास पानी जरूर पिएं जो आंतरिक शरीर को साफ रखने में मदद करता है। दिन में एक गिलास ताजे फलों का या सब्जियों का रस प्रतिदिन पिएं। सर्दियों में सब्जियों का सूप लें जिससे इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बनता है।

**3. अच्छी आदचें अपनाएं :-**

बेहतर खान-पान के साथ बेहतर रहन-सहन भी आवश्यक है। रहन-सहन में वातावरण और अच्छी सोच आते हैं। अपने आस-पास सामान को समेट कर रखें और साफ रखें ताकि वातावरण शुद्ध बना रहे। अपनी शरीर पर धीरे-धीरे कुप्रभाव पड़ेगा और इम्यून सिस्टम बिगड़ जाएगा। समय पर उठें, समय पर सोयें, समय पर भोजन ग्रहण करें। पारिवारिक टेंशन को मुख्य मुद्दा न बनाएं। सोचें कि इन समस्याओं से कैसे निपटा जाए। इससे स्वयं को तनाव कम होगा।

**4. हल्का संगीत सुनें :-**

हल्का मनपसंद संगीत स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। तेज संगीत हमारे स्नायुतंत्र पर प्रभाव डालता है। इससे सांस लेने में दिक्कत होती है, लंग्स से सांस लेने और छोड़ने की ताकत कम होती है, इसलिए जब समय हो, लाइट म्यूजिक ता आनन्द लें। शादियों और समारोहों में तेज संगीत के साथ वाले स्थान से दूरी बना कर रखें ताकि आप अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा कर सकें।

**5. नींद पूरी लें :-**

कई बार महिलाएं अगले दिन की चिंता या अन्य पारिवारिक समस्याओं के कारण नींद नहीं ले पातीं। कई बार घर में काम की अधिकता होने के कारण महिला इतनी थक जाती है कि इसके शरीर को पूरा आराम नहीं मिल पाता। ऐसी अवस्था में परिवार के अन्य सदस्यों से उनकी क्षमतानुसार घरेलू कामों में मदद लें।

**6. सैर, व्यायाम रोज करें :-**

अपने शरीर को चुस्त दुरूस्त बनाए रखने के लिए प्रातः सैर पर जाएं। यदि प्रातः काल समय न हो तो शाम को सैर पर जाएं। कुछ हल्के व्यायाम या तो प्रातः जल्दी उठ कर कर लें नहीं तो काम खत्म कर कुछ व्यायाम अवश्य करें। योगा क्लासेस, एरोबिक्स, जिम आदि ज्वाइन कर लें। इन क्लासेज को अपनी सुविधानुसार ज्वाइन कर सकती हैं। इससे मन, तन एक्टिव बना रहेगा और इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बना रहेगा।

**7. प्रोटीन की मात्रा सीमित लें :-**

अधिक प्रोटीन की मात्रा 35 वर्ष के बाद नुक्सान पहुंचा सकती है, इसलिए प्रोटीन बस दालों और पीनर के रूप में लें। जितना खाने के साथ जरूरी हो, उतना लें। सप्ताब में दो बार सोयाबीन भी ले सकते हैं।

अधिक प्रोटीन हार्ट पर प्रभाव डालता है। इससे एल डी एल की मात्रा बढ़ जाती है। संयमित प्रोटीन ही लें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा)
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

## काकुरो पहेली - 2604

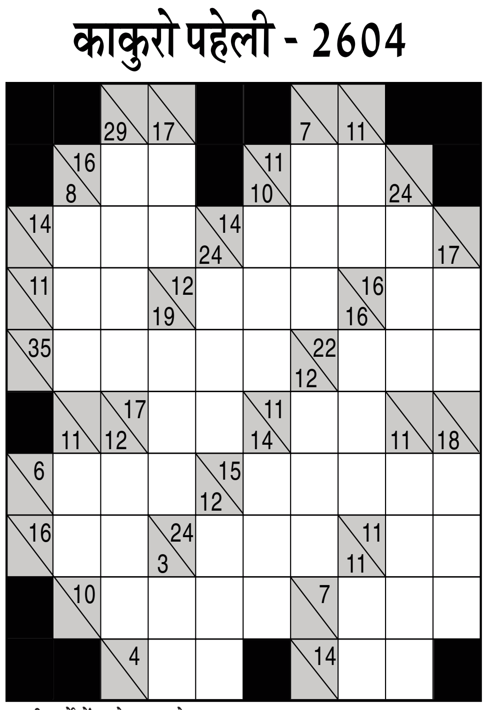

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणतः**

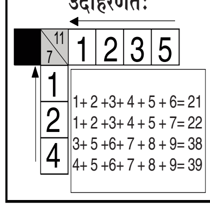

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

**काकुरो - 2603 का हल**

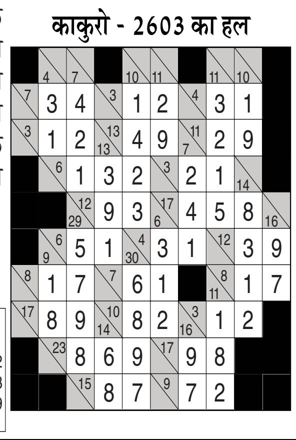

## लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली- 2604

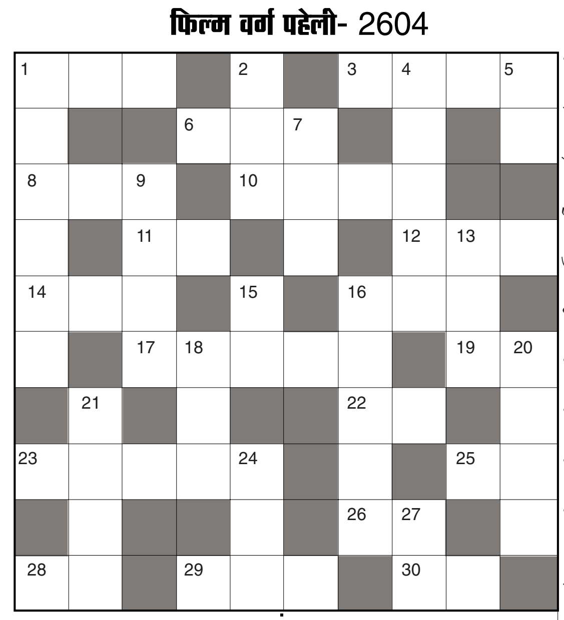

**बायें से दायें:-**

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 2603**

## सूडोकु -2604

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 1 | 4 | | |
| | | | | | | 5 | 8 | |
| | | | 7 | 2 | | | | |
| | | | 2 | | | | 6 | 7 |
| 4 | | | | | | | | 3 |
| 5 | 8 | | | | 9 | | | |
| | | | | 8 | 5 | | | |
| | 7 | 6 | | | | | | |
| | | 9 | 3 | | | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -2603 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 9 | 2 | 3 | 1 | 6 | 5 | 4 |
| 3 | 2 | 4 | 6 | 5 | 9 | 7 | 8 | 1 |
| 6 | 5 | 1 | 8 | 4 | 7 | 2 | 9 | 3 |
| 5 | 1 | 7 | 3 | 9 | 8 | 4 | 6 | 2 |
| 4 | 6 | 8 | 5 | 1 | 2 | 9 | 3 | 7 |
| 9 | 3 | 2 | 4 | 7 | 6 | 8 | 1 | 5 |
| 1 | 4 | 6 | 9 | 2 | 3 | 5 | 7 | 8 |
| 2 | 9 | 3 | 7 | 8 | 5 | 1 | 4 | 6 |
| 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 4 | 3 | 2 | 9 |

## शब्द पहेली - 2604

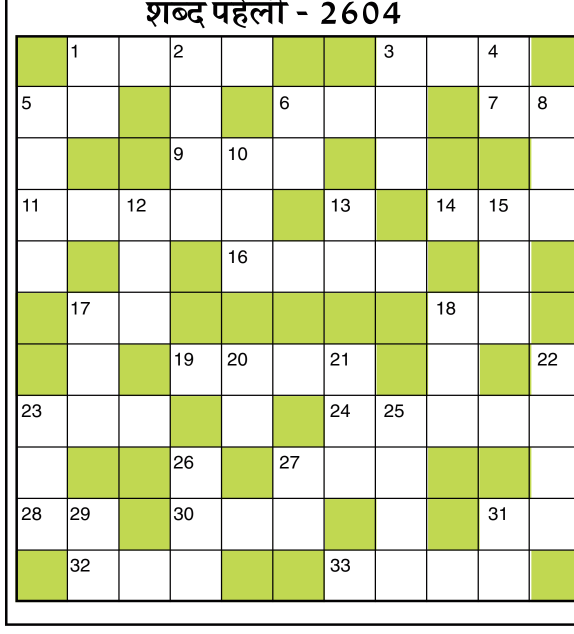

**बाएँ से दाएँ**

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

**शब्द पहेली -2603 का हल**

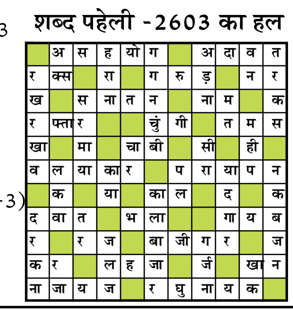

## किरमानी ने भारतीय क्रिकेट में राजनीति पर चिंता जताई

**एजेंसी**

**बेंगलुरु।** पूर्व भारतीय विकेटकीपर सैयद किरमानी ने आधुनिक क्रिकेट में नैतिक पतन के लिए भारत को ज़िम्मेदार ठहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने टीम पर उस खेल में राजनीति को घुसने देने का आरोप लगाया है जो कभी सज्जनता और निष्पक्ष खेल का प्रतीक था। किरमानी ने कहा, 'भारतीय टीम, और वैश्विक स्तर पर क्रिकेट, संकट में है।' उन्होंने आगे कहा, 'अशिष्ट व्यवहार, अहंकार और अनादर ने मैदान के सरल और नेक शिष्टाचार की जगह ले ली है। यह सिर्फ़ एशिया कप की बात नहीं है, जिसे भारत ने जीता था, बल्कि यह एक व्यापक और चिंताजनक प्रवृत्ति का हिस्सा है। मुझे अमेरिका, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात से संदेश मिल रहे हैं, जिनमें पूछा जा रहा है: 'भारतीय टीम को क्या हो गया है? मैदान पर इतनी राजनीति क्यों हो रही है?' विदेश में अपने दोस्तों से ऐसे शब्द सुनकर मुझे शर्म आती है।' किरमानी ने स्पष्ट किया कि क्रिकेट में राजनीति का कोई स्थान नहीं है। मैदान के बाहर जो कुछ भी होता है-चाहे वह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा हो या बाढ़ राहत जैसे नेक काम-उसे कभी भी मैदान पर नहीं घसीटा जाना चाहिए। क्रिकेट राजनीतिक लाभ कमाने का मंच नहीं है। यह हर खिलाड़ी, हर टीम और हर क्रिकेट बोर्ड का दृढ़ विश्वास होना चाहिए।' उन्होंने अपने दौर से बिल्कुल अलग बात कही। 'हमारे समय में, क्रिकेट एक खेल से कहीं बढ़कर था; यह सम्मान और भाईचारे का प्रतीक था। पाकिस्तानी खिलाड़ी भारत आते थे; हम पाकिस्तान जाते थे।

## उपेंद्र कुशवाहा और पवन सिंह की मुलाकात राजनीतिक दृष्टि से अप्रासंगिक : सुधाकर सिंह

**पटना।** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के कलाकार पवन सिंह की मुलाकात को भारतीय राजनीति के लिहाज से अप्रासंगिक करार दिया। उन्होंने एसआईआर पर कहा कि जब हमने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की थी, तो हमें बताया गया था कि हम 20 फीसद मतदाताओं को हटाने का प्लान बना रहे हैं। किसी भी वैध मतदाता को सूची से हटाना फांसी पर चढ़ाने जैसा है, जिसका अधिकार चुनाव आयोग को नहीं दिया गया है। किसी को भी संविधान और कानून के तहत ही अधिकार दिया गया है। अगर कोई कानून के इस दायरे से बाहर जाने की कोशिश करेगा, तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में हमारी ओर से किए गए प्रयासों से ही 'वोट चोरी' का मुद्दा प्रकाश में आया था। इसी वजह से 65 लाख से ज्यादा मतदाता, जिन्हें मतदाता सूची से हटाया जाना था, उन्हें रोक दिया गया। अब इस पर हम आगे समीक्षा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि महागठबंधन में सीटों का बंटवारा लगभग हो चुका है। निश्चित तौर पर जो नए दल हमारे इस गठबंधन में आए हैं, उनके लिए भी सीटों का बंटवारा किया जाएगा। इस दिशा में तमाम प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। दो-चार दिन में इसके बारे में बता दिया जाएगा।

## सीकर सांसद अमराराम को सोनम वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं

**जोधपुर।** सेंट्रल जेल जोधपुर में बंद सोनम वांगचुक से मिलने के लिए सीकर के सांसद अमराराम किशन मेघवाल और उनके कुछ सहयोगी पहुंचे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी।

**सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी**

सोनम वांगचुक को तीन दिन पहले राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (ह्रू) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह लद्दाख में हुए प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद उन्हें विशेष विमान से जोधपुर लाकर सेंट्रल जेल में बंद किया गया।

**सांसद अमराराम का राजनीतिक पृष्ठभूमि**

सांसद अमराराम किशन मेघवाल लोकसभा में सीपीआई(रू) के उप नेता हैं और इस दौरान अपने कार्यकर्ताओं के साथ जेल पहुंचे थे। जेल अधीक्षक ने बताया कि सांसद की प्रार्थना पर विचार किया गया, लेकिन सुरक्षा कारणों और जेल नियमों के तहत मुलाकात की अनुमति अस्वीकृत की गई।

## देश का माहौल और निजाम बदला, अब विघटन की बात नहीं चलेगी : विश्वास सारंग

**भोपाल।** ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना सज्जाद नोमानी ने एक बयान दिया है, जिसकी चौतरफा निंदा हो रही है। इसको लेकर अब मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सज्जाद मियां किसी गलतफहमी में न रहें। अब देश का निजाम भी बदला है और माहौल भी बदला है। ज्यादा बयानबाजी करेंगे तो ठीक कर दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि भारत में अब नेहरू परिवार की तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों की सरकार नहीं है। यही लोग मुस्लिमों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। जो मुसलमानों को बरगलाने का काम करते हैं। इस देश में जितनी अच्छी मुसलमानों की स्थिति है, उतनी अच्छी दुनिया में कहीं नहीं है। पाकिस्तान तक में नहीं, जो अपने को मुस्लिम देश कहता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बात से देश का माहौल अब बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। तुष्टिकरण की राजनीति को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। इस तरह व्यवस्था के खिलाफ बातें करके अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और अपने मंसूबे पूरे करने की कोशिश है, लेकिन अब यह देश में चलेगा नहीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर विश्वास सारंग ने तंज कसते हुए कहा कि वह सीरियस व्यक्ति नहीं हैं।

# चिदंबरम के बयान पर एकनाथ शिंदे का तंज, कहा- 'कांग्रेस की नाकामी का सबूत'

**एजेंसी**

**मुंबई ।** पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के 2008 आतंकी हमले को लेकर दिए हालिया बयान चर्चा का विषय बना हुआ है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि यह उनकी नाकामी का सबूत है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एवं शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर निशाना साधा। शिंदे ने पी. चिदंबरम के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷यह उनकी नाकामी का सबूत है। उन्होंने अपनी असफलता स्वीकार कर ली है। हमारे लोग मारे गए, और पाकिस्तान के दबाव में न आकर हमला न करना कायरता है।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान ने अपराध किया, लेकिन भारतीय सेना ने उसका

मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस कार्रवाई को मंजूरी देकर देश को गौरव प्रदान किया।' विपक्ष को घेरते हुए शिंदे ने कहा, ÷विपक्ष हमारी सेना पर सवाल उठाता है, लेकिन उन्हें यह पूछना चाहिए कि कितने नागरिक मारे गए। यह देशभक्ति नहीं, बल्कि पाकिस्तान प्रेम है।'महाराष्ट्र में हाल की बाढ़ ने कई क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा, ऐसी कठिन परिस्थितियों में लोगों का सब कुछ बह गया है। सरकार उनके साथ खड़ी है।' उन्होंने बताया कि कैबिनेट बैठक में बाढ़ पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। सरकार नियमों और प्रतिबंधों को दरकिनार कर किसानों, महिलाओं और प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता प्रदान करेगी। शिंदे ने कहा, 'हम भोजन और राशन किट वितरित कर रहे हैं। शिवसेना पीड़ितों के साथ है, यह हमारा कर्तव्य है।' शिंदे ने विपक्ष को घेरते हुए कहा, 'कुछ लोग केवल आलोचना करते हैं, लेकिन सरकार जनता के हित में काम कर रही है। बाढ़ राहत कार्यों के साथ-साथ, सरकार ने किसानों के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की। हमारी प्राथमिकता प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाना है।

## वेणुगोपाल ने की तमिलनाडु के करूर हादसे के पीड़ितों से मुलाकात

**एजेंसी**

**करूर (तमिलनाडु)।** कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ के पीड़ित परिवारों से आज मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। कांग्रेस के अनुसार, वेणुगोपाल के साथ कांग्रेस के तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई, कांग्रेस विधायक दल के नेता राजेश कुमार, करूर के सांसद सु. जोथिमणि और अन्य पार्टी नेता भी मौजूद थे। कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार से इस त्रासदी की पूरी निष्पक्ष जांच और पीड़ितों के लिए दीर्घकालिक सहायता की मांग की। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस इस दुखद घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है।

उल्लेखनीय है कि यह भगदड़ 27 सितंबर को करूर में तमिलागा वेट्ट्री कझगम (टीवीके) की एक रैली के दौरान हुई थी, जिसमें टीवीके के संस्थापक और अभिनेता विजय को संबोधन के लिए आमंत्रित किया गया था। रैली में विजय के देर से पहुंचने और भीड़ के अत्यधिक उत्साह के चलते शाम करीब 7:40 बजे मंच की ओर धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। इस हादसे में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए। तमिलनाडु सरकार ने घटना की जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस अरुणा जगदीश की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। वहीं टीवीके की ओर से प्रत्येक मृतक के परिवार को 20 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की गयी है।

# उत्तरकाशी से गंगोत्री तक हाईवे का चौड़ीकरण किया जाए

**एजेंसी**

**उत्तरकाशी।** सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग गंगोत्री उत्तरकाशी से गंगोत्री धाम तक ऑल वेदर परियोजना के तहत चौड़ी की कवायद तेज होने लगी है।

शिवालिक परियोजना, बीआरओ के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र सिंह के साथ होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल, टैक्सी यूनियन, बस यूनियन, चार धाम संयुक्त संरक्षण समिति के पदाधिकारीयों के साथ चार धाम ऑल वेदर सडक योजना के संबंध में बैठक हुई। होटल एसोसिएशन अध्यक्ष शैलेन्द्र मटूड़ा ने कहा कि उत्तरकाशी से गंगोत्री तक 12 मीटर सड़क चौड़ीकारण किया जाना सामरिक दृष्टि से व धार्मिक दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग को ही यथावत रखते हुए सड़क चौड़ीकारण शीघ्र शुरू करवाने की मांग की । वहीं मेजर राजेंद्र सिंह जमनाल ने कहा कि चीन सीमा से लगा ये क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक ओर चीन ने अपने बॉर्डर तक सड़क को अंतिम छोर तक पंहुचा दिया है, वही चार धाम सड़क परियोजना उत्तरकाशी में अभी तक शुरू नहीं हो पायी है। अजय पुरी, दीपेन्द्र पंवार, अशोक सेमवाल ने कहा कि चार धाम यात्रा काल में अत्यधिक ट्रैफिक जाम लगता है। राजमार्ग अत्यंत संकरा,

संवेदनशील है। धराली आपदा के बाद सड़क जगह जगह पूर्ण छती ग्रस्त है, कई स्थानों पर भूस्खलन जोन विकसित हो गए है, पहाड़ी मलवा जगह जगह पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 अगले वर्ष चार धाम यात्रा शुरू होने से पहले सड़क को ठीक व सुरक्षित किया जाना आवश्यक है। बीआरओ के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र सिंह ने बताया कि चार धाम सड़क परियोजना की एक बैठक शीघ्र सड़क परिवाहन मंत्री के साथ होनी है, जिसमें स्थानीय सांगठनों द्वारा दिए गए ज्ञापन, मांग पत्रों के सुझावो को बैठक में रखा जायेगा व जनहित में कार्य किए जायेंगे। बता दें कि उत्तरकाशी से गंगोत्री तक चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत चौड़ीकरण कार्य पांच पैकेज में किया जाना प्रस्तावित है। इसमें पहले पैकेज में गंगोत्री से डबराणी, दसूरे में डबराणी से गंगनानी, तीसरे में गंगनानी से हीना, चौथे में हीना से तेखला और पांचवें पैकेज में तेखला से बड़ेथी तक निर्माण कार्य किया जाना है।

# भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह की भाजपा में वापसी, बिहार प्रभारी विनोद तावड़े ने दी जानकारी

**एजेंसी**

**पटना।** लोकसभा चुनाव 2024 में शाहाबाद क्षेत्र (भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास) में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का खेल बिगाड़ने वाले भोजपुरी फिल्मों के सुपस्टार पवन सिंह की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में वापसी हो गई है। इसकी जानकारी बिहार के पार्टी प्रभारी विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया पर दी। हालांकि, पवन सिंह का अबतक कोई बयान नहीं आया है। भाजपा के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े की मौजूदगी में उन्होंने नई दिल्ली में राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद तावड़े ने कहा कि पवन सिंह की भाजपा में वापसी हो गई है। वह पहले भी हमारे साथ थे और आगे भी हमारे साथ रहेंगे। पावर स्टार आज केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिल सकते हैं। पवन सिंह के भाजपा में शामिल होने के साथ ही इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि वह बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ सकते हैं। माना जा रहा है कि वह भोजपुर या रोहतास की किसी सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा ही मैदान में उतर गए। हालांकि, उनको भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, माले (सीपीआई माले) के राजाराम सिंह

चुनाव -2024 में पवन सिंह को पहले भाजपा ने पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्होंने वहां से चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया और बाद में वह बिहार की काराकाट सीट से निर्दलीय कुशवाहा के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं राजग उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा तीसरे नंबर पर रहे थे। राजाराम को 3,18730, पवन सिंह को 2,26474 और कुशवाहा को 2,17109 वोट मिले थे।

# एआई के दौर में हमें सांस्कृतिक विविधता को बचाना होगा : शेखावत

**एजेंसी**

**जोधपुर।** बार्सिलोना में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मोंडियाकल्ट 2025 में दुनिया के कई देशों के संस्कृति मंत्री और विशेषज्ञ शामिल हुए। सम्मेलन में भारत की ओर से केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जापान, ऑस्ट्रेलिया और कांगो के मंत्रियों व सचिवों के साथ सांस्कृतिक अधिकारों एवं सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था पर चर्चा की। शेखावत ने कहा कि नई तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस दौर में हमें सांस्कृतिक विविधता को बचाना होगा। संस्कृति को लोगों से जोडने और हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए नीतियों एवं कानूनों को मजबूत बनाने की जरूरत है। शेखावत ने जोर दिया कि तकनीक और एआई को कलाकारों एवं समुदायों को सशक्त बनाने के औजार के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए, न कि संस्कृति को कमजोर करने के लिए। शेखावत ने स्पेन के संस्कृति मंत्री एर्नेस्ट

उर्तासुन से द्विपक्षीय मुलाकात की। इस दौरान भारत और स्पेन के बीच बड़ा समझौता हुआ। दोनों देशों ने वर्ष 2024-28 सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम पर हस्ताक्षर किए और वर्ष 2026 को भारत-स्पेन संयुक्त सांस्कृतिक वर्ष घोषित किया। शेखावत ने विश्वास जताया कि यह पहल भारत-स्पेन सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। दोनों देशों को सांस्कृतिक कूटनीति के वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करेगी। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत और स्पेन के बीच यह पहल न केवल सांस्कृतिक रिश्तों को नई ऊर्जा देगी बल्कि धरोहर संरक्षण, रचनात्मकता और नवाचार को भी मजबूती प्रदान करेगी। मुझे विश्वास है कि यह कदम एक स्थायी विरासत छोड़ेगा, परस्पर समझ को गहरा करेगा और भारत-स्पेन को सांस्कृतिक कूटनीति में वैश्विक अग्रणी बनाएगा।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सर्बिया के संस्कृति मंत्री निकोला सेलाकोविच के साथ भी सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान शेखावत ने विश्व प्रसिद्ध कला क्यूरेटर अमीन जाफर से मुलाकात की, जिनकी जड़ें कच्छ (गुजरात) से जुड़ी हैं। शेखावत ने कहा कि अमीन जाफर की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि भारत की धरोहर पूरे विश्व से सहज रूप से जुड़ती है।

## लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने लद्दाख के विभिन्न इलाकों में परिचालन तैयारियों का लिया जायजा

**एजेंसी**

**लेह।** उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विभिन्न अग्रिम इलाकों का दौरा कर परिचालन तैयारियों का जायजा लिया। 27 सितंबर को लेह पहुँचे सेना के उत्तरी कमांडर ने तैनात सैनिकों के उच्च मनोबल और दृढ़ प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। सेना की उत्तरी कमान ने सोमवार देर रात एक पोस्ट में कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने परिचालन तैयारियों की समीक्षा के लिए सियाचिन ब्रिगेड, पूर्वी लद्दाख और काराकोरम दर्रे में तैनात इकाइयों का दौरा किया और सभी रैंकों के उच्च मनोबल और दृढ़ प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। कमांडर ने सियाचिन बेस कैंप में राष्ट्रीय ध्वज प्रश्नोत्तरी विजेताओं से बातचीत की और उनकी राष्ट्रीय भावना और समर्पण की सराहना की।उन्होंने सियाचिन बेस कैंप में 7000 मीटर से अधिक ऊँची बेहद चुनौतीपूर्ण चोटी पर पर्वतारोहण अभियान को भी हरी झंडी दिखाई और उनके अदम्य साहस और पर्वतारोहण में एक नया मानदंड स्थापित करने के लिए उनकी सराहना की। 27 सितंबर को लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता से मुलाकात कर हिंसा प्रभावित लेह शहर की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। राजभवन के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में समग्र सुरक्षा परिदृश्य, क्षेत्र में उभरती चुनौतियों और शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए नागरिक प्रशासन और सशस्त्र बलों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। साथ ही किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयारी और तालमेल के महत्व पर बल दिया गया।

# कर्नाटक में लोकायुक्त ने कांग्रेस विधायक राजेगौड़ा के घर की ली तलाशी

**एजेंसी**

**चिक्कामगलुरु।** लोकायुक्त पुलिस आय से अधिक संपत्ति के मामले में कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले के श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक टी.डी. राजेगौड़ा के घर पर छापेमारी की है। यह जांच कोप्पा निवासी दिनेश होसुर की ओर से दायर एक निजी शिकायत के बाद शुरू की गई है, जिसके आधार पर जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष न्यायालय ने जांच के आदेश दिए थे।

लोकायुक्त पुलिस ने आदालत के आदेश पर पिछले हफ़्ते विधायक टी.डी. राजेगौड़ा के खिलाफ प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफ़आईआर) दर्ज की थी, जिसके आधार पर आज उनके ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। लोकायुक्त के अधिकारी उनके आवास और फ़ार्म हाउस समेत चार जगहों पर तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी खांड्या होबली के बासापुरा गांव में राजेगौड़ा के आवास पर भी तलाशी लेने और ज़रूरी दस्तावेज़ इकट्ठा करने पहुंचे। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्नेहा ने यह पुष्टि की है कि कांग्रेस विधायक राजेगौड़ा के परिवार के खिलाफ दर्ज मामले के सिलसिले में तलाशी ली जा रही है। दरअसल, यह जांच कोप्पा निवासी दिनेश होसुर

की ओर से दायर एक निजी शिकायत के बाद शुरू की गई है, जिसके आधार पर जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने जांच के आदेश दिए थे। आदालत के आदेश पर लोकायुक्त पुलिस ने 23 सितंबर को राजेगौड़ा, उनकी पत्नी डीके पुष्पा और बेटे राजदेव टीआर के खिलाफ एफ़आईआर दर्ज की थी। दिनेश होसुर ने अदालत में दी गयी अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि टीडी राजेगौड़ा ने अपने पद का दुरुपयोग किया है और सरकार तथा आयकर विभाग के साथ धोखाधड़ी की है। उनके खिलाफ गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने अपनी शिकायत में यह भी कहा था कि राजेगौड़ा के परिवार के सदस्यों ने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। उनकी साझेदारी फर्म, मेसर्स शबाना रमज़ान के लेन-देन सबूत के तौर पर मौजूद हैं। यह भी आरोप लगाया गया था कि स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक को 55.75 करोड़ रुपये, बैंक ऑफ बड़ौदा को 66 करोड़ रुपये और कर्नाटक बैंक को 81.95 लाख रुपये चुकाए गए हैं। हालांकि, लोकायुक्त को सौंपे गए हलफनामे में, राजेगौड़ा ने केवल 40 लाख रुपये की वार्षिक आय घोषित की है।शिकायतकर्ता ने चुनाव आयोग को सौंपी गई जानकारी में संपत्ति की पूरी घोषणा न करने के संबंध में जनप्रतिनिधि न्यायालय में याचिका दायर की थी।

## छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों का डंप सामान बरामद

**नारायणपुर/रायपुर।** सशस्त्र बल के जवानों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगलों में बड़ी सफलता हासिल की है। जिले के अबूझमाड़ के घने जंगलों में मोहनार-तोयापारा मुख्य मार्ग से जवानों ने कार्रवाई के दौरान सुरक्षाबलों ने बारूद, प्रेशर कुकर बम, मल्टीमीटर और एक भरमार बंदूक सहित बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की है। बम स्क्वायड की टीम ने मौके पर ही बम को डिफ्यूज कर दिया। नारायणपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय से आज मिली जानकारी के अनुसार एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान यह सर्च अभियान 29 सितंबर को धनोरा थाना क्षेत्र में चलाया गया। आईईडी की आशंका को देखते हुए बीडीएस टीम को मौके पर भेजा गया था, जहां तलाशी के दौरान नक्सलियों द्वारा डंप किया गया सामान बरामद किया गया है। बरामदगी स्थल के आसपास इलाके में नक्सलियों की नेलनार एरिया कमेटी सक्रिय है।

# अवैध मदरसों पर सख्त एनएचआरसी, मध्य प्रदेश सरकार से मांगी रिपोर्ट

**एजेंसी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में अवैध मदरसों के संचालन का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने प्रदेश में बड़ी संख्या में हिंदू बच्चों के वैध और अवैध मदरसों में दाखिले को लेकर संज्ञान लिया है। इस संबंध में आयोग ने राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को नोटिस जारी करते हुए 15 दिन के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है। आयोग को मिली शिकायत में आरोप लगाया गया है कि प्रदेश के अकेले मुरैना में चल रहे विभिन्न मदरसों में 27 मदरसे ऐसे हैं जहां 556 हिंदू बच्चों को दाखिल देकर कुरान और हदीस की तालीम दी जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि यह गतिविधि किसी छोटे पैमाने की नहीं, बल्कि एक संगठित धर्मांतरण रैकेट का हिस्सा हो सकता है, जिसकी जांच होनी चाहिए। शिकायत में मुरैना जिले के कई क्षेत्रों का जिक्र किया गया है। इस्लामपुरा, जौरा, पोरसा, अंबाह, कैलारस और सबलगढ़ समेत कई इलाकों में कथित तौर पर ऐसे मदरसे चल रहे हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब हिन्दू बच्चों की पढ़ाई के लिए तमाम सरकारी स्कूल हैं, फिर उन्हें मदरसों में ही क्यों भर्ती किया गया है?

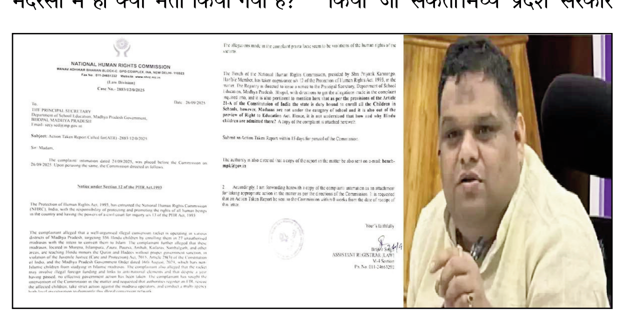


इन मदरसों में बच्चों का प्रवेश किस आधार पर संभव हुआ और प्रशासनिक निगरानी कहां चूक गई। दरअसल, मामले को गंभीर इसलिए माना जा रहा है क्योंकि यह सीधे तौर पर कई कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है। किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत यह अधिनियम बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके सर्वोत्तम हितों की गारंटी देता है। वहीं, संविधान का अनुच्छेद 28(3) में साफ प्रावधान है कि किसी भी ऐसे शैक्षणिक संस्थान में, जो पूरी तरह सरकारी अनुदान प्राप्त करता हो, बच्चों को उनके धार्मिक ग्रंथ पढ़ने या धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।मध्य प्रदेश सरकार का आदेश (16 अगस्त 2024) : इसमें स्पष्ट कहा गया था कि गैर-मुस्लिम बच्चों को मदरसों में दाखिला नहीं दिया जाएगा। इन तीनों ही प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बड़ी संख्या में हिंदू बच्चों का अवैध मदरसों में दाखिला कराया गया, जो न केवल कानून की अवमानना है बल्कि बच्चों के अधिकारों का भी हनन है। आयोग ने इस मुद्दे को गंभीर मानते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि यदि शिकायतें सत्य पाई जाती हैं तो सभी हिंदू बच्चों को तुरंत मदरसों से हटाया जाए। संचालकों पर एफआईआर दर्ज हो और पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाए। साथ ही आयोग ने इस बात की भी आशंका जताई है कि इसमें विदेशी फंडिंग और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने कहा कि संविधान की धारा 21(ए) हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार देती है। लेकिन जब मदरसे स्कूल श्रेणी में नहीं आते, तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि आखिर हिंदू बच्चों का दाखिला वहां कैसे संभव हुआ। उनका कहना था कि बच्चों की शिक्षा उनके अधिकारों से जुड़ा संवेदनशील मुद्दा है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर मध्य प्रदेश राज्य बाल संरक्षण आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. निवेदिता शर्मा ने इस मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, मदरसों में हिंदू बच्चों को पढ़ाया जाना संविधान के अनुच्छेद 28(3) का उल्लंघन है। यदि कोई यह दावा करता है कि वहां पढ़ रहे हिंदू बच्चों को इस्लामिक तालीम नहीं दी जा रही, या कुरान-हदीस जैसे मजहबी ग्रंथ नहीं पढ़ाए जा रहे, तो यह सीधे तौर पर मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड के नियमों का उल्लंघन है।

# पवन सिंह की बुद्धि और विवेक काम नहीं कर रहा है : तेज प्रताप यादव

**एजेंसी**

**पटना ।** बिहार के पूर्व मंत्री और जनशक्ति जनता दल के संस्थापक तेज प्रताप यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकआस्था के महापर्व छठ को यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने के प्रयास की सराहना की। तेज प्रताप यादव ने कहा कि छठ महापर्व को बिहार के लोग श्रद्धा के साथ मनाते हैं। महापर्व को अगर बढ़ावा दिया जा रहा है, तो यह अच्छी बात है।

उन्होंने कहा, पवन सिंह जो हैं, कभी लखनऊ में हमारे पैर पर गिरे हुए थे और दोबारा चले गए किसी और के पैर पर गिरने के लिए। वह लगातार किसी न किसी के पैर में गिर रहे हैं। उन्हें समझ में अभी नहीं आ रहा है। उनकी बुद्धि और विवेक काम नहीं कर रहा है, क्या करेंगे, क्या नहीं करेंगे, वह जानेंगे। तेज प्रताप ने पवन सिंह को नसीहत देते हुए कहा कि वे कलाकार हैं, उन्हें कलाकारी करनी चाहिए। कहां से वे चुनाव में पड़ रहे हैं। ? तेज प्रताप यादव ने अपनी पार्टी को लेकर कहा कि लोग काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पार्टी जनशक्ति जनता दल के चुनाव चिन्ह 'ब्लैकबोर्ड' की चर्चा

करते हुए कहा कि इसके आने से बदलाव हो रहा है। इसके पास सभी लोग शिक्षा के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग जमीनी स्तर पर लड़ाई लड़ने का काम कर रहे हैं। हम लोग जमीन पर चलने वाले नेता हैं। उन्होंने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज को लेकर कहा कि महुआ में जनसुराज की गाड़ी से मेरा कार्यकर्ता घायल हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरे लोगों पर हमला करवाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने प्रशांत किशोर के मंत्रियों पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर कहा कि दूसरे पर आरोप लगाते-लगाते कहीं वही न फंस जाएं कि इतना पैसा उनके पास कहां से आया।उन्होंने पटना में पत्रकारों से बातचीत में भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह के भाजपा और एनडीए के नेताओं से मिलने को लेकर कहा कि इन लोगों का यही काम है। वे कलाकार हैं। ?

# वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

**अहमदाबाद (एजेंसी)।** शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बुलंद हौसले से उतरेगी। भारतीय टीम ने जहां रविवार को एशिया कप जीता है। वहीं वेस्टइंडीज को नेपाल के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे अंदाजा होता है कि वह कितनी कमजोर हो गयी है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य वेस्टइंडीज पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। ये सीरीज जीतकर भारतीय टीम के पास विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए अंक हासिल करने का अच्छा अवसर है। इससे पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के सफलता हासिल की थी। भारतीय टीम को इस सीरीज में घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है और बेहद खराब दौर से गुजर रही है। उसके तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अलजारी जोसेफ चोट के कारण बाहर हैं, जिससे गेंदबाजी की कमजोर हुई है। ऐसे में टीम में शामिल बाएं हाथ के दो स्पिनरों जोमेल वारिकन और तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

वहीं इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई बदलावों के साथ उतरेगी। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, और युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन टीम में शामिल रहेंगे। स्पिन की कमान अनुभवी रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के पास रहेगी। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को भी अवसर मिल सकता है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2002 के बाद से भारतीय टीम कोई मैच नहीं हारी है। इस दौरान हुई कुल 8 सीरीज हुईं जो सभी भारतीय टीम ने जीतीं।

**दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं**

**भारतः** शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

**वेस्टइंडीजः** रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

# जूनियर निशानेबाजी विश्व कपः अंतिम दिन मुकेश ने स्वर्ण और तेजस्विनी ने रजत जीता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुकेश नेलावल्ली ने बुधवार को यहां ISSF जूनियर विश्व कप के अंतिम दिन पुरुषों की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि तेजस्विनी सिंह ने इसी स्पर्धा में महिला वर्ग में रजत पदक हासिल किया जिससे भारत पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। जूनियर विश्व चैंपियन मुकेश ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में कुल 585 का स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीता।

व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) अलेक्सांद्र कोवालेव ने 577 अंक से रजत पदक जबकि साहिल चौधरी ने 573 अंक से भारत के लिए कांस्य पदक सुनिश्चित किया। भारत ओलंपिक स्पर्धाओं में छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित 19 पदकों से तालिका में शीर्ष पर रहा। एआईएन निशानेबाज 10 पदकों (चार स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य) से दूसरे स्थान पर रहे जबकि इटली ने पांच पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत, एक कांस्य) से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

भारत ने गैर ओलंपिक स्पर्धा 50 मीटर राइफल प्रोन (पुरुष और महिला) और 25 मीटर पिस्टल पुरुष जूनियर व्यक्तिगत में दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इस साल के शुरू में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली तेजस्विनी ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 30 अंक बनाकर रजत पदक जीता। तटस्थ एथलीट एलेक्जेंड्रा तिखोनोवा ने 33 अंक से स्वर्ण पदक जीता जबकि इटली की एलेसांद्रा फेट ने 28 अंक से तीसरा स्थान हासिल किया। अन्य भारतीयों में नाम्या कपूर चौथे और रिया शिरीष थट्टे पांचवें स्थान पर रहीं।

# अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, एशिया कपमें रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग पर पहुंचे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट में एक नया सितारा उभरकर सामने आया है। अभिषेक शर्मा, भारत के बाएँ हाथ के सलामी बल्लेबाज़, ने बुधवार को टी20I बल्लेबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग (931 अंक) हासिल कर इतिहास रच दिया। इस रिकॉर्ड ने पिछले पांच साल से कायम इंग्लैंड के डेविड मलान के 919 अंकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

### एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन

एशिया कप 2025 में अभिषेक का प्रदर्शन यादगार रहा। श्रीलंका के खिलाफ अहम मैच में उन्होंने अर्धशतक बनाकर भारत को जीत दिलाई। इस टूर्नामेंट में उन्होंने कुल 314 रन बनाए और औसत 44.85 रहा। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी मिला।

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव और अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली की पिछली सर्वोच्च रेटिंग को भी अभिषेक ने पीछे छोड़ दिया। इस समय वह इंग्लैंड के फिल साल्ट से 82 अंक आगे हैं और बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। टीम साथी तिलक वर्मा ने भी 213 रन बनाए, लेकिन शीर्ष स्थान पर अभिषेक की पकड़ शानदार रही।

### युवा लेकिन अनुभवी अंदाज

हालांकि अभिषेक ने पिछले साल ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, लेकिन उनका क्रिकेट बुद्धिमानी और साहस पहले ही मैचों में दिख गया। उनकी बैटिंग शैली में संयम, आक्रामकता और मैच के दबाव को संभालने की क्षमता साफ़ झलकती है।

### टी20 क्रिकेट में भारतीय भविष्य

अभिषेक शर्मा का यह रिकॉर्ड यह साबित करता है कि भारत की नई पीढ़ी के बल्लेबाज विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए न केवल शानदार शुरुआत है, बल्कि टी20 क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट की बढ़ती ताकत का भी प्रतीक है।

# दिल्ली रणजी टीम की चयन बैठक में हंगामा, बैठक स्थगित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मंगलवार शाम दिल्ली की रणजी ट्रॉफी और अंडर-23 टीमों के लिए हुई चयन बैठक बिना पूरा हुए हंगामे के बीच अचानक समाप्त हो गई, जिसमें DDCA के कोषाध्यक्ष हरीश सिंगला और निदेशक मंजीत सिंह व आनंद वर्मा ने इसकी प्रक्रिया का विरोध किया। इस बैठक में DDCA के सचिव अशोक शर्मा, संयुक्त सचिव अमित ग्रोवर, दिल्ली सीनियर चयन समिति के सदस्य यशपाल सिंह, केपी भास्कर और मनु नायर के साथ-साथ दिल्ली सीनियर टीम के मुख्य कोच शरनदीप सिंह और अंडर-13 मुख्य कोच शंकर सैनी मौजूद थे।

कोषाध्यक्ष और दोनों निदेशकों ने DDCA के लोकपाल द्वारा 2023 में दिए गए एक आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि चयन समिति की बैठक में DDCA से जुड़ा कोई भी अधिकारी नहीं शामिल हो सकता है। वहीं सचिव शर्मा का कहना है कि यह परंपरा है कि हर साल जब भी चयन समिति की बैठक होती है तो उसे सचिव ही बुलाता और संचालित करता है। बैठक स्थगित होने के बाद सचिव ने DDCA अध्यक्ष रोहन जेटली को एक पत्र भी लिखा है।

उन्होंने अपने ई-मेल पत्र में लिखा, 'हाल ही में हुई चयन प्रक्रिया ने DDCA चयन समिति के कामकाज को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। स्थापित परंपराओं और बीसीसीआई के दिशानिर्देशों के विपरीत एपेक्स काउंसिल के सदस्यों ने अपनी भूमिका के दायरे से आगे बढ़कर कुछ ऐसा किया है, जिससे चयन समिति की स्वायत्तता और विश्वसनीयता कमज़ोर हुई है। हम आपसे अनुरोध करते हैं कि चयन प्रक्रिया पर पुनर्विचार करें और यह सुनिश्चित करें कि यह BCCI द्वारा अपनाए गए नियमों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का पालन करे।

हाल ही में हुई चयन समिति की बैठक में पिछली परंपराओं से हटकर काम हुआ। पहले सिर्फ़ सचिव और संयुक्त सचिव ही बैठक में उपस्थित रहते थे, लेकिन इस बार कुछ निदेशक भी बैठक में मौजूद थे। इससे पक्षपात और अनुचित प्रभाव की संभावना को लेकर चिंता बढ़ गई है। ख़ासतौर पर जब एक निदेशक की मौजूदगी इसलिए भी सवाल उठाती है क्योंकि उनके परिवार का एक सदस्य चयनित होने का उम्मीदवार है।'

वहीं निदेशक मंजीत ने इन आरोपों को ख़ारिज करते हुए कहा कि वे बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि बैठक में चयन समिति और कोचों के अलावा कोई पदाधिकारी भी इसमें शामिल हो, क्योंकि यह DDCA के नियमों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई और अन्य राज्यों का नियम अलग हो सकता है और वहां की चयन समिति की बैठकों में सचिव भाग भी लेते होंगे या उसे बुलाते होंगे। लेकिन DDCA के लोकपाल ने 2023 के आदेश में यह स्पष्ट कहा है कि चयन समिति की बैठक में कोचों और चयन समिति के सदस्यों के अलावा कोई भी भागीदार नहीं हो सकता है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसका अर्थ यह है कि वह चयन प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है या करना चाहता है।'

एक क्रिकेटर के चयन के लिए परिवारवाद का आरोप लगने पर मंजीत ने कहा, 'यह चयन बैठक रणजी संभावितों के चयन के लिए थी, ना कि मुख्य टीम के लिए। अगर मुख्य टीम के लिए यह चयन बैठक होती और मैं उसमें हस्तक्षेप करता, तब इन आरोपों में कोई दम नहीं होता। हम तो उस बैठक में सिर्फ़ इसलिए पहुंचे थे ताकि DDCA के नियमों के अनुसार उस बैठक में चयन समिति के सदस्यों और कोचों के अलावा कोई भी हिस्सा ना ले।'

वहीं लोकपाल के 2023 के आदेश के सवाल पर सचिव अशोक ने कहा, 'यह आदेश सिर्फ़ तत्कालीन सचिव सिद्धार्थ साहिब सिंह के लिए थे क्योंकि उन पर उस समय हितों के टकराव, भ्रष्टाचार, अधिकारों के दुरुपयोग और चयन प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने के आरोप लगाए गए थे। यह अन्य आगे आने वाले सचिवों पर लागू नहीं होता है।'

उन्होंने इस संबंध में एक और पत्र अध्यक्ष जेटली को लिखा है, जिसमें उन्होंने अपना स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि वह ना तो कोई क्रिकेट एकेडमी चलाते हैं और ना उससे जुड़े हुए हैं। इसके अलावा ना ही उनका DDCA या बीसीसीआई के नियमों से कोई अन्य हितों का टकराव है। उन पर कोई अन्य शिकायत भी नहीं है, इसलिए उन पर वह अंतरिम आदेश लागू भी नहीं होता। रणजी ट्रॉफी 15 अक्तूबर से शुरू हो रही है।

# चाइना ओपन : जैनिक सिनर का दबदबा कायम, दूसरी बार किया चाइना ओपन पर कब्जा

बीजिंग। इटली के जैनिक सिनर ने बुधवार को पुरुष एकल फाइनल में अमेरिकी युवा खिलाड़ी लर्नर टिएन को 6-2, 6-2 से हराकर दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। दुनिया के नंबर-2 और शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने सिर्फ 34 मिनट में पहला सेट जीत लिया और फिर दूसरे सेट में भी दबदबा बनाए रखा। 19 वर्षीय टिएन, जो अपने पहले एटीपी फाइनल में उतरे थे, शुरुआती चार गेम तक टक्कर देते रहे लेकिन सिनर ने पांचवें और सातवें गेम में उनकी सर्विस तोड़कर मैच पर कब्जा कर लिया। 24 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी ने 1 घंटे 12 मिनट में सीधी सेटों में जीत हासिल की। यह सिनर का लगातार तीसरा बीजिंग फाइनल था। 2023 में उन्होंने कार्लोस अल्काराज और दानिल मेदवेदेव को हराकर खिताब जीता था, जबकि पिछले साल वह उपविजेता रहे थे। दूसरी ओर, टिएन ने लोरेंजो मुसेट्टी और मेदवेदेव जैसे खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और उभरते सितारे के रूप में अपनी पहचान बनाई।

# जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, सभी प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

हरारे (जिम्बाब्वे)। तंजानिया के खिलाफ अपने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ जिम्बाब्वे के बल्लेबाज ब्रायन बेनेट तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए। दाएं हाथ के इस 21 वर्षीय बल्लेबाज ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की, जहां उनकी टीम ने अपने प्रतिद्वंद्वी तंजानिया पर 113 रनों से जीत दर्ज की। दोनों टीमों के बीच हुए मैच की बात करें तो तंजानिया के कप्तान कासिम नासाओरो ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे ने 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 221 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे के लिए इस पारी में रन बनाने वाले खिलाड़ी बेनेट (60 गेंदों पर 111 रन), तदिवानाशे मारुमानी (34 गेंदों पर 49 रन), रयान बर्ल (11 गेंदों पर 22 रन) और सिकंदर रज़ा (नौ गेंदों पर 19 रन) थे। तंजानिया के लिए खालिद जुमा (4 ओवर में 2/39), एली किमोटे (4 ओवर में 2/42) और लक्ष्य बक्रानिया (2 ओवर में 1/35) ने अपने-अपने गेंदबाजी स्पेल में विकेट लिए। 222 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए तंजानिया क्रिकेट टीम मैच में 18.4 ओवर बल्लेबाजी करते हुए केवल 108 रनों पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में टीम के लिए रन बनाने वाले खिलाड़ी अभिक पटवा (22 गेंदों पर 32 रन), कासिम नासोरो (27 गेंदों पर 25 रन) और शिवराज सेल्वाराज (18 गेंदों पर 20 रन) थे। जिम्बाब्वे की ओर से, गेंदबाजों में ब्रैड इवांस (4 ओवर में 4/16), रिचर्ड नगारवा (3 ओवर में 2/13), सिकंदर रज़ा (20 ओवर में 2/6), टिनोटेंडा मापोसा (3 ओवर में 1/17) और रयान बर्ल (2.4 ओवर में 1/24) शामिल थे।

# मिचेल मार्श की विस्फोटक बल्लेबाजी, पहले टी20 में ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर शानदार जीत

**माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)।** कप्तान मिचेल मार्श (85) की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को पहले टी-20 मुकाबले में 21 गेंदें शेष रहते न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं।

मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 67 रन जोड़े। छठे ओवर में मैट हेनरी ने ट्रैविस हेड (18 गेंदों में 31 रन) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया का दूसरा विकेट 12वें ओवर की पहली गेंद पर मैथ्यू शॉर्ट (18 गेंदों में 29 रन) के रूप में गिरा। उन्हें काइल जेमीसन ने पगबाधा आउट किया। 15वें ओवर में मैट हेनरी ने शतक की ओर बढ़ रहे मिचेल मार्श को टिम रॉबिंसन के हाथों कैच आउट करा दिया।

मिचेल मार्श ने 43 गेंदों में पांच छक्के और नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। एलेक्स कैरी सात रन बनाकर आउट हुये। उन्हें जैकरी फॉक्स ने आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम रॉबिंसन (नाबाद 106) रनों की आतिशी शतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 181 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर खड़ा किया।

पारी की शुरुआत में न्यूजीलैंड की टीम एक समय छह रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में आई थी। बेन ड्वारश्विस ने डेवन कॉन्वे (एक) और मार्च चैपमैन (शून्य) के विकेट झटके। जॉश हेजलवुड ने टिम सीफर्ट (चार) को आउट किया। ऐसे संकट के समय डैरिल मिचेल ने टिम रॉबिंसन के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 11वें ओवर में मैथ्यू शॉर्ट ने डैरिल मिचेल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मिचेल ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 34 रनों की पारी खेली। बेवन जैकब्स (20) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (सात) रन आउट हुए। टिम रॉबिंसन ने 66 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए नाबाद 106 रन बनाए।

# कैथरीन डेब्रनर ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक पूरी की

नई दिल्ली (ऑस्ट्रेलिया)। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 5000 मीटर टी54 और 800 मीटर टी53 स्पर्धाओं में पहले ही स्वर्ण पदक जीत चुकीं कैथरीन डेब्रनर ने बुधवार सुबह 3:16.81 मिनट के चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ 1500 मीटर टी54 का खिताब भी अपने नाम किया। इसी के साथ वह इस चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। गत चैंपियन झोउ झाओकियान (चीन) 800 मीटर के बाद दूसरी बार दूसरे स्थान पर खिसक गईं। चीनी खिलाड़ी अगले कुछ दिनों में 100 मीटर और 400 मीटर स्प्रिंट में डेब्रनर को मात देने की उम्मीद कर रही होंगी, लेकिन डेब्रनर के पास पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में चार स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव है और वह इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगी। पुरुषों की शॉट पुट एफ36 स्पर्धा में व्लादिमीर स्विरिडोव (न्यूट्रल पैरा एथलीट) ने अपने अंतिम प्रयास में 17.01 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पिछली बार सकर्ल में प्रवेश करने पर, रूस में जन्मे इस एथलीट ने 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर गत चैंपियन यासीन गुएनिची (ट्यूनीशिया) से बढ़त हासिल की थी, लेकिन आखिरी प्रयास में गुएनिची उनसे आगे निकल गए। गुएनिची पहले दो राउंड के बाद 16.57 मीटर और 16.74 मीटर के थ्रो के साथ आठ एथलीटों के समूह में सबसे आगे थे, लेकिन पाँचवें राउंड में स्विरिडोव के आगे निकलने के बाद, ट्यूनीशियाई एथलीट ने अपने छठे प्रयास में 16.93 मीटर का थ्रो फेंककर काउंटबैक में बढ़त बना ली और रूस में जन्मे दो बार के पैरालंपिक खेलों के चैंपियन पर अपनी पहली जीत दर्ज की। आखिरकार, लोहे की गेंद को उठाने के लिए लंबे इंतज़ार के बाद, 35 वर्षीय स्विरिडोव ने उसे काफी दूर तक फेंका। उन्होंने साँस रोककर – और अपने हाथों को सिर के पीछे बाँधकर – माप आने का इंतज़ार किया। जब यह घोषणा की गई कि उन्होंने 17.01 मीटर की दूरी तय कर ली है, तो उन्होंने राहत की सांस ली। ट्यूनीशियाई खिलाड़ी ने आगे बढ़कर स्विरिडोव को गले लगाया और उनकी सराहना की। 2023 और 2024 में स्विरिडोव की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले गुएनिची, रूसी मूल के इस एथलीट की वैश्विक प्रतियोगिताओं में पकड़ ढीली करना चाहते थे। उन्हें 2019 विश्व चैंपियनशिप के साथ-साथ टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भी हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने स्विरिडोव के अदम्य साहस की सराहना करने में सहजता दिखाई।

# शाहिद अफरीदी की मोहसिन नकवी को सलाह, पीसीबी या पाकिस्तान मंत्रालय छोड़ें

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप ट्रॉफी लेकर चले जाने और उसे विजेता टीम भारत को नहीं देने देने के बाद विवादों में घिरे मोहसिन नकवी को एक पद चुनने को कहा गया है। ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नकवी से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का अध्यक्ष या गृह मंत्री में से किसी एक पद को छोड़ने के लिए कहा है। उनका कहना है कि नकवी दोनों मोर्चों पर ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रविवार को एशिया कप में हुई गड़बड़ी के बाद, ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने मोहसिन नक़वी से यह मांग की है। उनकी मुश्किलें और भी बढ़ गईं, क्योंकि नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष भी हैं, जिन्होंने भारत के जय शाह के ICC में जाने के बाद यह पद संभाला है। पाकिस्तान एशिया कप में उपविजेता रहा, लेकिन एशिया कप में भारत के हाथों तीन बार मिली हार के कारण आलोचकों ने टीम की खराब बल्लेबाजी और PCB की दूरदर्शिता की कमी की आलोचना की है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की मंगलवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, नकवी अब बोर्ड के संचालन को लेकर जांच का सामना कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में अफरीदी ने कहा, 'नकवी साहब से मेरा अनुरोध या सलाह यह है कि आपके पास दो बहुत महत्वपूर्ण पद हैं और ये बड़े काम हैं और इन्हें पूरा करने में समय लगता है। PCB गृह मंत्रालय से बिल्कुल अलग है, इसलिए इसे अलग रखा जाना चाहिए।' रिपोर्ट के अनुसार, 'अफरीदी ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला होना चाहिए। अफरीदी ने कहा, 'यह एक बड़ा फैसला होगा और इसे जल्द से जल्द लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट को विशेष ध्यान और समय की आवश्यकता है।' अफरीदी ने कहा कि नकवी के सलाहकार विश्वसनीय नहीं हैं। नकवी पूरी तरह सलाहकारों पर निर्भर नहीं रह सकते। ये सलाहकार उन्हें कहीं नहीं ले जा रहे हैं, और वह खुद कहते हैं कि उन्हें क्रिकेट के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है। अफरीदी ने कहा कि नकवी को अच्छे सलाहकारों की जरूरत है जो खेल के बारे में जानते हों। अफरीदी ने कहा, 'उन्हें (नकवी को) अच्छे और सक्षम सलाहकार नियुक्त करने चाहिए जो खेल के बारे में जानते हों।'

# अर्जुन प्रसाद ने दूसरे राउंड के बाद बढ़त हासिल की

कोयंबटूर। दिल्ली के अर्जुन प्रसाद ने कोयंबटूर गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपए के तमिलनाडु ओपन 2025 प्रेजेंटेड बाय सिपकोट एंड टैनसेम में लगातार दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर हाफ-वे लीड हासिल कर ली। अर्जुन (70-70), जो कल तीसरे स्थान पर थे और लीड से एक शॉट पीछे थे, दूसरे राउंड के बाद एक शॉट से आगे हो गए और उनका कुल स्कोर चार अंडर 140 रहा। बंगलादेश के जमाल हुसैन (69-72), जो कल संयुक्त रूप से आगे चल रहे थे, बुधवार को इवन-पार 72 के अपने राउंड के परिणामस्वरूप तीन अंडर 141 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। स्कोरिंग के लिए एक और मुश्किल दिन, जहां तेज हवाओं ने कहर बरपाया, पुणे के प्रणव मार्डीकर ने 69 का न्यूनतम स्कोर बनाया और 11 स्थान ऊपर चढ़कर अहमदाबाद के अंशुल पटेल (71) के साथ दो अंडर 142 के स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के अंशुल कब्थियाल ने भी दिन के न्यूनतम स्कोर 69 की बराबरी की और एक अंडर 143 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। जमाल के साथ रात भर संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे गौरव प्रताप सिंह ने बुधवार को 79 का स्कोर बनाया और चार ओवर 148 के स्कोर के साथ संयुक्त 20वें स्थान पर खिसक गए।

# एशिया कप ट्रॉफी विवादः नकवी का नया बयान आया सामने, मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा

**स्पोर्ट्स डेस्क।** एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत की जीत के बाद ट्रॉफी न मिलने का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने एक नया बयान देकर इस विवाद को और हवा दे दी है जिसमें उन्होंने कहा कि मैंने BCCI से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।

### ट्रॉफी लेने का स्वागत है

नकवी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'एसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं उसी दिन ट्रॉफी सौंपने को तैयार था और अब भी तैयार हूं। अगर भारतीय टीम सच में इसे चाहती है तो दुबई स्थित एसीसी कार्यालय आने के लिए उनका स्वागत है और वे इसे मुझसे ले सकते हैं।' उनका यह बयान साफ़ करता है कि एसीसी और बीसीसीआई के बीच खींचतान अभी ख़त्म नहीं हुई है।

### माफी नहीं मांगी और ना ही मांगूंगा

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि नकवी ने एसीसी की वार्षिक आम बैठक (AGM) में भारतीय अधिकारियों से माफी मांगी थी। नकवी ने इन खबरों को ग़लत और भ्रामक बताते हुए कहा, 'मैंने कुछ गलत नहीं किया और मैंने बीसीसीआई से कभी माफी नहीं मांगी और ना ही कभी मांगूंगा।'

### बीसीसीआई की कड़ी आपत्ति

बीसीसीआई की ओर से राजीव शुक्ला और आशीष शेलार ने AGM में हिस्सा लिया था। दोनों ने भारतीय टीम को ट्रॉफी न देने के मामले में कड़ी आपत्ति जताई। AGM में नकवी ने कहा कि वह ट्रॉफी देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस मुद्दे पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं हुआ। इससे भारतीय बोर्ड और नाराज हो गया। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई अब इस मामले को आईसीसी की बैठक (नवंबर 2025) में उठाएगा।

### फाइनल और बढ़ती तनातनी

भारत ने फाइनल सहित पाकिस्तान को टूर्नामेंट में खेले गए सभी तीन मैचों में हराया। मैचों के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी परहेज किया। इस रवैये से पीसीबी खासा नाराज़ हुआ।

### राजनीतिक पृष्ठभूमि भी हावी

यह विवाद सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या ने दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। इसके जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की।

स्पष्ट है कि एशिया कप ट्रॉफी विवाद खेल भावना से कहीं ज़्यादा राजनीति और द्विपक्षीय रिश्तों से जुड़ा हुआ है। अब सबकी नजरें इस बात पर होंगी कि आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाया जाता है।

# आयुष्मान ने थामा को बताया खास फिल्म

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। यह मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आयुष्मान पहली बार इस यूनिवर्स हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे में हाल ही में हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान ने इस यूनिवर्स में शामिल होने पर खुशी जताई। साथ ही उन्होंने 'थामा' को अपने लिए एक स्पेशल फिल्म भी बताया।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बोलते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। मैं हमेशा से मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा बनना चाहता था। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला यूनिवर्स है। एक आम इंसान होने के नाते, मेरे आस-पास असामान्य चीजें हैं, मेरे आस-पास अलौकिक शक्तियां हैं, मुझे नहीं पता कि मैं इन सबका क्या करूं। इसलिए यह बहुत ही अनोखा है। यह दुनिया थामा के साथ अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही है। यह वाकई रोमांचक है। यह मेरे लिए नया है।' 'थामा' को एक फैमिली एंटरटेनर बताते हुए आयुष्मान ने कहा कि फिल्म में कॉमेडी ज्यादा और हॉरर कम है। यह पहली बार है जब मेरी कोई फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है। मैं दोगुना उत्साहित हूं। हर अभिनेता की यह बकेट लिस्ट होती है। थामा हॉरर जगत में बहुत कुछ जोड़ेगा और यह इस यूनिवर्स की कहानी को भी आगे बढ़ा रहा है।

मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित और आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'थामा' दिवाली के मौके पर 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में आयुष्मान के साथ रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'थामा' हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म है। 2018 में 'स्त्री' से शुरू हुए इस यूनिवर्स में अब तक 'भेड़िया', 'मुंज्या' और 'स्त्री 2' जैसी फिल्में शामिल हैं।

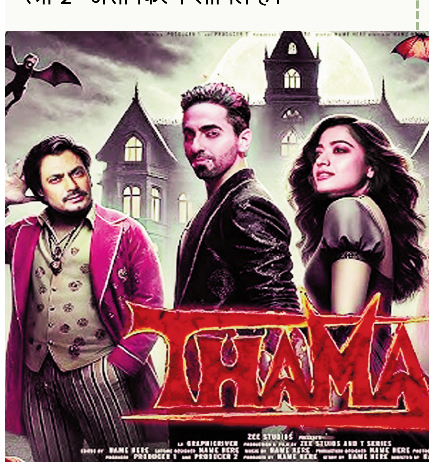


# सूर्या-ज्योतिका की बेटी दीया की फिल्मों में एंट्री

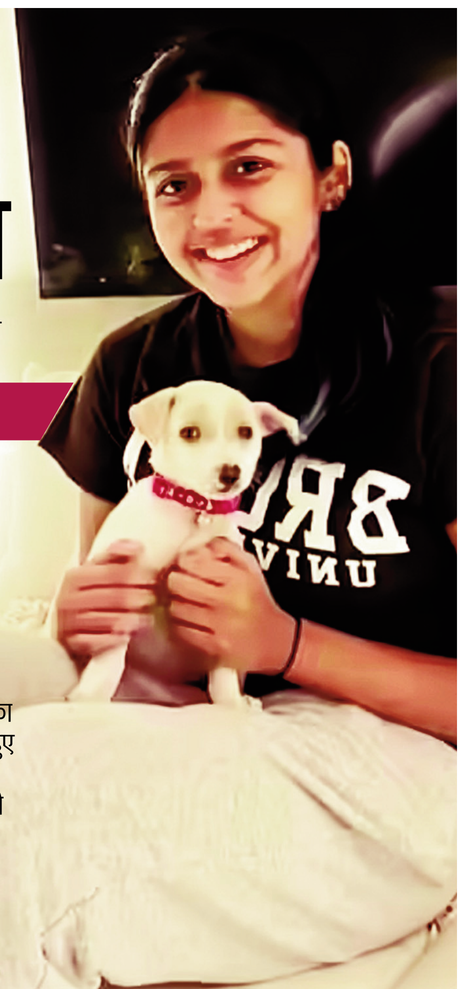

साउथ स्टार सूर्या और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस ज्योतिका की एक्टिंग विरासत को अब उनकी बेटी दीया सूर्या आगे ले जा रही हैं। हालांकि, दीया ने माता-पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नहीं, बल्कि बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। दीया ने पारिवारिक बैनर 2डी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित डॉक्यू-ड्रामा शॉर्ट फिल्म लीडिंग लाइट से निर्देशन में कदम रखा है। लीडिंग लाइट बॉलीवुड में काम करने वाली महिला क्रू के सफर पर केंद्रित है। मौजूदा वक्त में यह फिल्म लॉस एंजिल्स के रीजेंसी थिएटर में ऑस्कर क्वालीफाइंग रन के लिए प्रदर्शित हो रही है, जो दीया के करियर की एक शानदार शुरुआत है। लीडिंग लाइट एक डॉक्यूमेंट्री ड्रामा है, जो फिल्म मेकिंग में पर्दे के पीछे रहकर लाइटनिंग का काम करने वाली महिलाओं के जीवन और उनके सफर को दिखाती है। यह एक ऐसा पहलू और लोग हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनकी कहानियां शायद ही कभी पर्दे पर दिखाई देती हैं। ऐसे में एक ऐसे विषय पर बनी फिल्म से अपनी शुरुआत करना दीया की हिम्मत को दिखाता है। यह शॉर्ट फिल्म 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रीजेंसी थिएटर में हर दिन प्रदर्शित हो रही है। अपने नए नजरिये और जबरदस्त कहानी कहने के अंदाज से लीडिंग लाइट दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित कर रही है।

## सूर्या और ज्योतिका हैं निर्माता

इस फिल्म के निर्माता सूर्या और ज्योतिका हैं, जिन्होंने अपनी बेटी के इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट किया है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले, हमें दीया सूर्या द्वारा निर्देशित एक डॉक्यू-ड्रामा लीडिंग लाइट का समर्थन करते हुए गर्व हो रहा है। यह बॉलीवुड की महिला क्रू के जीवन पर आधारित है।

# फोर्स 3 में एक्शन करती नजर आएंगी मीनाक्षी चौधरी

**जॉन अब्राहम की सुपरहिट एक्शन फ्रैंचाइजी फोर्स के फैंस के लिए खुशखबरी है। खबर है कि फोर्स 3 की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार पर्दे पर जॉन अब्राहम एक्शन के साथ ही एक दमदार कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन सबसे खास बात यह है कि इस फिल्म में साउथ सिनेमा की सनसनी मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किए जाने की खबर है। थलपति विजय की गोट, महेश बाबू की गुंटूर करम और नानी की हिट 2 के साथ ही इस हसीना ने दुलकर सलमान की लकी भास्कर में भी हर किसी का दिल जीता है।**

रिपोर्ट के मुताबिक, वेंकटेश के साथ संक्रांति वस्तुनम में नजर आ चुकीं मीनाक्षी को फोर्स 3 के लिए साइन कर लिया गया है। इसमें कहा गया है, कई नामों के ऑडिशन के बाद जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने फोर्स 3 में मीनाक्षी चौधरी को फाइनल कर लिया है। जॉन की तरह ही फिल्म में मीनाक्षी चौधरी भी एक्शन करती नजर आएंगी। वह अगले कुछ महीनों में एक्शन वर्कशॉप में हिस्सा लेंगी।

## राकेश मारिया बायोपिक के बाद फोर्स 3 की शूटिंग करेंगे जॉन अब्राहम

बहरहाल, चर्चा ये भी है कि फोर्स 3 की शूटिंग इसी साल नवंबर 2025 में शुरू हो जाएगी। फिलहाल, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है। जॉन अब्राहम इन दिनों रोहित शेट्टी के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं। इसके तुरंत बाद वह फोर्स 3 की शूटिंग शुरू कर देंगे।

## मिस इंडिया इंटरनेशनल रह चुकी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी ने साल 2018 में मिस इंडिया कंपीटिशन में भी हिस्सा लिया था और मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज जीता। इसके बाद मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2018 में वह फर्स्ट रनरअप चुनी गईं।

## डेंटल सर्जन, स्टेट लेवल स्विमर, बैडमिंटन प्लेयर भी हैं मीनाक्षी

मीनाक्षी चौधरी ने चंडीगढ़ के सेंट सोल्जर इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है। वह स्टेट लेवल की स्विमर और बैडमिंटन खिलाड़ी भी रह चुकी हैं। मॉडलिंग से सिनेमा की दुनिया में आने वाली मीनाक्षी ने पंजाब के नेशनल डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, डेरा बस्सी से डेंटल सर्जरी की डिग्री भी ली है।

# पंचायत फेम जीतू भैया के साथ नजर आएंगे अरशद वारसी

अरशद वारसी इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच उनकी आगामी फिल्म का एलान हो गया है, जिसमें वे पंचायत सीरीज फेम जीतू भैया यानी एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। अरशद वारसी की आगामी फिल्म का आज शनिवार को एलान हुआ है। इस फिल्म में वे पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार के साथ नजर आएंगे। फिल्म का नाम है भागवत। जी5 ने फिल्म का आधिकारिक एलान करते हुए फर्स्ट लुक पोस्टर भी शेयर किया है।

## सच्ची घटना पर आधारित फिल्म

यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें अरशद वारसी पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में दर्शकों को सस्पेंस और ड्रामा दोनों का डोज मिलेगा। फिल्म इंस्पेक्टर विश्वास भागवत की कहानी पर आधारित है और यह रोल अरशद वारसी अदा कर रहे हैं। जी5 ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर करते हुए कैप्शन लिखा है, हमने सोचा था कि 2025 के सभी प्लॉट ट्विस्ट खत्म हो गए हैं, लेकिन सबसे बड़ा ट्विस्ट यहां है... भागवत आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान अक्षय शेरे के कंधों पर है। फिल्म को जियो स्टूडियोज, बावेजा स्टूडियोज और डॉग एन बोन पिक्चर्स मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज की भयावह पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म सस्पेंस, इमोशन और ड्रामा का मिश्रण है। यह फिल्म जी5 पर रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है।

# माधवन ने बताया बॉलीवुड में एक्टर्स क्यों नहीं उठाते जोखिम

**अभिनेता आर माधवन शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी बेबाकी और मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने के लिए भी जाने जाते हैं। अब माधवन ने बॉलीवुड में बचत या सेविंग के अभाव पर बात की है। साथ ही उन्होंने हॉलीवुड में एक्टर्स को मिलने वाली रॉयल्टी का भी जिक्र किया। इस दौरान एक्टर ने शाहरुख खान जैसे बड़े स्टार्स के प्रोड्यूसर बनने के फैसले पर भी प्रतिक्रिया दी।**

मेरी तीन फिल्में ही भर सकतीं पीढ़ियों का पेट

अक्षय राठी के साथ एक इंटरव्यू में आर माधवन ने बॉलीवुड में एक्टर्स के पास पैसों की बचत न हो पाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इनसिक्योरिटी की वजह से अभिनेता जोखिम उठाने से बचते हैं। हॉलीवुड में क्योंकि सितारे अपने पिछले काम के लिए लगातार पैसा कमाते रहते हैं, इसलिए वो बड़े जोखिम उठाते हैं। अगर भारत में भी ऐसा ही मॉडल होता, तो मेरी सिर्फ तीन हिट फिल्मों '3 इडियट्स', 'रंग दे बसंती' और 'तनु वेड्स मनु' से ही पीढ़ियों का पेट भरने के लिए पर्याप्त पैसा होता।

## ए लिस्ट स्टार्स की सैलरी पर बोले माधवन

स्टार्स की लाइफस्टाइल को लेकर माधवन ने कहा कि सितारे एक खास जीवनशैली के आदी हो जाते हैं, लेकिन बहुत कम लोग यह समझते हैं कि उन्हें अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहिए। ए-लिस्ट स्टार्स की सैलरी इतनी होती है कि वे जिंदगी भर इसी जीवनशैली को जी सकते हैं।

अगर मैं एक हॉलीवुड अभिनेता होता और मेरे पास इतनी सारी हिट फिल्में होतीं, तो क्या आपको लगता है कि मैं किसी जोखिम भरे प्रोजेक्ट में हाथ डालने से पहले दोबारा सोचता? मैं तुरंत उसमें कूद पड़ता, क्योंकि मुझे पता था कि मेरी आने वाली पीढ़ियों का ध्यान सिर्फ तीन ब्लॉकबस्टर फिल्मों से ही रखा जा सकता है। लेकिन जब आपको पता होता है कि पेंशन नहीं है, लेकिन आपने एक ऐसी जीवनशैली बना ली है जिसे आपको बनाए रखना है, तो आप सोचने लगते हैं, पैसे तो ले लो, पता नहीं कल मिलेगा के नहीं।

## इंडस्ट्री में असमान पेमेंट पर कोई नहीं बोलता

माधवन ने कहा कि इंडस्ट्री में असमान पेमेंट अब एक आम बात है, लेकिन कोई भी उसे चुनौती नहीं देना चाहता। क्योंकि उनके पास समय या संसाधन नहीं हैं। जैसे ही बकाया राशि संभव होगी, मुझे यकीन है कि हर कोई इसमें शामिल होना चाहेगा क्योंकि तब आप अपनी पसंद का काम कर सकते हैं।

## शाहरुख के प्रोड्यूसर बनने पर कही ये बात

अपने करियर के शुरुआती दिनों में ही शाहरुख खान के ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए प्रोड्यूसर बनने का फैसला क्या समझदारी भरा कदम था? यह पूछे जाने पर माधवन ने कहा कि सभी के लिए एक जैसा दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा सकता। सितारों का एक वर्ग तो ऐसा कर सकता है, लेकिन इंडस्ट्री के निचले तबके के लोगों के पास उतना पैसा नहीं होता और न ही उतनी आर्थिक सुरक्षा होती है।

अगर आपको दो अंकों का वेतन मिल रहा है, तो उन पर लागू होने वाले नियम अलग होते हैं, क्योंकि उन्होंने अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है।

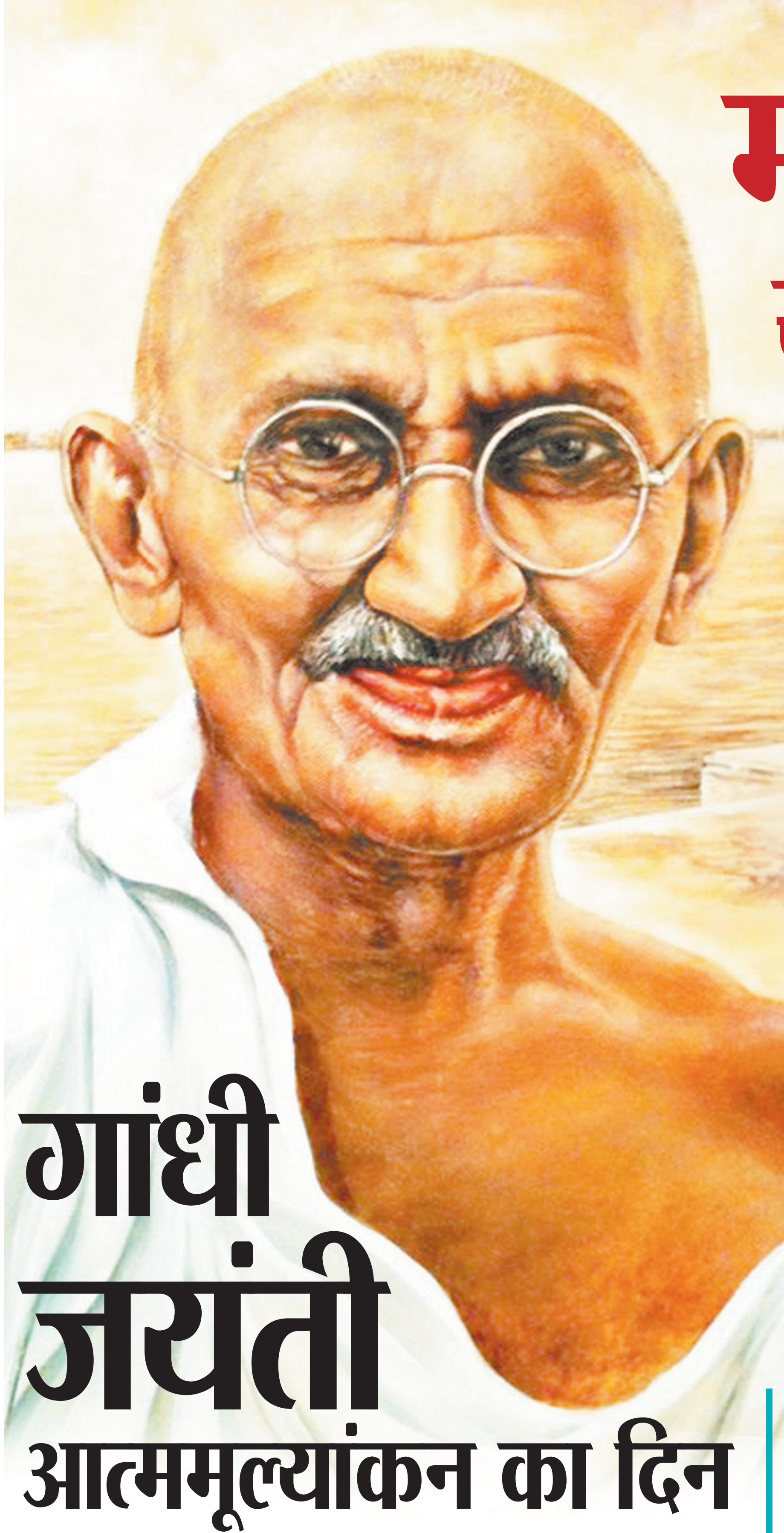

# महात्मा गांधी स्वतंत्र भारत के पिता

**भारत के राष्ट्रपिता मोहनदास कर्मचंद गांधी जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, के जन्म दिन 2 अक्तूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वस्तुतः गांधीजी विश्व भर में उनके अहिंसात्मक आंदोलन के लिए जाने जाते हैं, और यह दिवस उनके प्रति वैश्विक स्तर पर सम्मान व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है।**

मोहनदास करमचंद गांधी (2 अक्तूबर 1869 – 30 जनवरी 1948) भारत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेता थे। वे सत्याग्रह – व्यापक सविनय अवज्ञा के माध्यम से अत्याचार के प्रतिकार के अग्रणी नेता थे, उनकी इस अवधारणा की नींव संपूर्ण अहिंसा पर रखी गई थी जिसने भारत को आजादी दिलाकर पूरी दुनिया में जनता के नागरिक अधिकारों एवं स्वतंत्रता के प्रति आंदोलन के लिए प्रेरित किया।उन्हें दुनिया में आम जनता महात्मा गांधी के नाम से जानती है। संस्कृत: महात्मा अथवा महान आत्मा एक सम्मान सूचक शब्द जिसे सबसे पहले रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रयोग किया और भारत में उन्हें बापू के नाम से भी याद किया जाता है। उन्हें सरकारी तौर पर राष्ट्रपिता का सम्मान दिया गया है 2 अक्टूबर को उनके जन्म दिन राष्ट्रीय पर्व गांधी जयंती के नाम से मनाया जाता है और दुनियाभर में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के नाम से मनाया जाता है। सबसे पहले गांधी ने रोजगार अहिंसक सविनय अवज्ञा प्रवासी वकील के रूप में दक्षिण अफ्रीका, में भारतीय समुदाय के लोगों के नागरिक अधिकारों के लिए संघर्ष हेतु प्रयुक्त किया। 1915 में उनकी वापसी के बाद उन्होंने भारत में किसानों, कृषि मजदूरों और शहरी श्रमिकों को अत्याधिक भूमि कर और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए एकजुट किया। 1921 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बागडोर संभालने के बाद गांधी जी ने देशभर में गरीबी से राहत दिलाने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार, धार्मिक एवं जातीय एकता का निर्माण, आत्म-निर्भरता के लिए अस्पृश्यता का अंत आदि के लिए बहुत से आंदोलन चलाएं। किंतु इन सबसे अधिक विदेशी राज से मुक्ति दिलाने वाले स्वराज की प्राप्ति उनका प्रमुख लक्ष्य था। गाँधी जी ने ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों पर लगाए गए नमक कर के विरोध में 1930 में दांडी मार्च और इसके बाद 1942 में, ब्रिटिश भारत छोड़ो आन्दोलन छेड़कर भारतीयों का नेतृत्व कर प्रसिद्धि प्राप्त की। दक्षिण अफ्रीका और भारत में विभिन्न अवसरों पर कई वर्षों तक उन्हें जेल में रहना पड़ा। गांधी जी ने सभी परिस्थितियों में अहिंसा और सत्य का पालन किया और सभी को इनका पालन करने के लिए वकालत भी की। उन्होंने आत्म-निर्भरता वाले आवासीय समुदाय में अपना जीवन गुजारा किया और परंपरागत भारतीय पोशाक धोती और सूत से बनी शॉल पहनी जिसे उसने स्वयं ने चरखे पर सूत कात कर हाथ से बनाया था। उन्होंने सादा शाकाहारी भोजन खाया और आत्मशुद्धि तथा सामाजिक प्रतिकार दोनों के लिए लंबे-लंबे उपवास भी किए।

## गांधी दक्षिण अफ्रीका में (1895)

दक्षिण अफ्रीका में गान्धी को भारतीयों पर भेदभाव का सामना करना पड़ा। आरम्भ में उन्हें प्रथम श्रेणी कोच की वैध टिकट होने के बाद तीसरी श्रेणी के डिब्बे में जाने से इन्कार करने के लिए ट्रेन से बाहर फेंक दिया गया था। इतना ही नहीं पायदान पर शेष यात्रा करते हुए एक यूरोपियन यात्री के अन्दर आने पर चालक की मार भी झेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी इस यात्रा में अन्य भी कई कठिनाइयों का सामना किया। अफ्रीका में कई होटलों को उनके लिए वर्जित कर दिया गया। इसी तरह ही बहुत सी घटनाओं में से एक यह भी थी जिसमें अदालत के न्यायाधीश ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने का आदेश दिया था जिसे उन्होंने नहीं माना। ये सारी घटनाएँ गान्धी के जीवन में एक मोड़ बन गईं और विद्यमान सामाजिक अन्याय के प्रति जागरुकता का कारण बनीं तथा सामाजिक सक्रियता की व्याख्या करने में मददगार सिद्ध हुईं। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों पर हो रहे अन्याय को देखते हुए गान्धी ने अंग्रेजी साम्राज्य के अन्तर्गत अपने देशवासियों के सम्मान तथा देश में स्वयं अपनी स्थिति के लिए प्रश्न उठाये।

## 1906 के ज़ुलु युद्ध में भूमिका

1906 में, दक्षिण अफ्रीका में नए चुनाव कर के लागू करने के बाद दो अंग्रेज अधिकारियों को मार डाला गया। बदले में अंग्रेजों ने जूलू के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। गांधी जी ने भारतीयों को भर्ती करने के लिए ब्रिटिश अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रेरित किया। उनका तर्क था अपनी नागरिकता के दावों को कानूनी जामा पहनाने के लिए भारतीयों को युद्ध प्रयासों में सहयोग देना चाहिए। तथापि, अंग्रेजों ने अपनी सेना में भारतीयों को पद देने से इंकार कर दिया था। इसके बावजूद उन्होने गांधी जी के इस प्रस्ताव को मान लिया कि भारतीय घायल अंग्रेज सैनिकों को उपचार के लिए स्टेचर पर लाने के लिए स्वैच्छा पूर्वक कार्य कर सकते हैं। इस कोर की बागडोर गांधी ने थामी। 21 जुलाई 1906 को गांधी जी ने इंडियन ओपिनिय में लिखा कि 23 भारतीय निवासियों के विरुद्ध चलाए गए आप्रेशन के संबंध में प्रयोग द्वारा नेटाल सरकार के कहने पर एक कोर का गठन किया गया है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीय लोगों से इंडियन ओपिनियन में अपने कॉलमों के माध्यम से इस युद्ध में शामिल होने के लिए आग्रह किया और कहा, यदि सरकार केवल यही महसूस करती हे कि आरक्षित बल बेकार हो रहे हैं तब वे इसका उपयोग करेंगे और असली लड़ाई के लिए भारतीयों का प्रशिक्षण देकर इसका अवसर देंगे।

## भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए संघर्ष

1915 में, गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत में रहने के लिए लौट आएं।उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशनों पर अपने विचार व्यक्त किए, लेकिन वे भारत के मुख्य मुद्दों, राजनीति तथा उस समय के कांग्रेस दल के प्रमुख भारतीय नेता गोपाल कृष्ण गोखले जो एक सम्मानित नेता थे पर ही आधारित थे।

**चंपारण और खेड़ा** – गांधी की पहली बड़ी उपलब्धि 1918 में चम्पारन और खेड़ा सत्याग्रह, आंदोलन में मिली हालांकि अपने निर्वाह के लिए जरूरी खाद्य फसलों की बजाए नकद पैसा देने वाली खाद्य फसलों की खेती वाले आंदोलन भी महत्वपूर्ण रहे। जमींदारों (अधिकांश अंग्रेज) की ताकत से दमन हुए भारतीयों को नाममात्र भरपाई भत्ता दिया गया जिससे वे अत्यधिक गरीबी से घिर गए। गांवों को बुरी तरह गंदा और अस्वास्थ्यकर और शराब, अस्पृश्यता और पर्दा से बांध दिया गया। अब एक विनाशकारी अकाल के कारण शाही कोष की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी कर लगा दिए जिनका बोझ दिन प्रतिदिन बढता ही गया। यह स्थिति निराशजनक थी। खेड़ा, गुजरात में भी यही समस्या थी। गांधी जी ने वहां एक आश्रम बनाया जहाँ उनके बहुत सारे समर्थकों और नए स्वेच्छिक कार्यकर्ताओं को संगठित किया गया। उन्होंने गांवों का एक विस्तृत अध्ययन और सर्वेक्षण किया जिसमें प्राणियों पर हुए अत्याचार के भयानक कांडों का लेखाजोखा रखा गया और इसमें लोगों की अनुत्पादकीय सामान्य अवस्था को भी शामिल किया गया था। ग्रामीणों में विश्वास पैदा करते हुए उन्होंने अपना कार्य गांवों की सफाई करने से आरंभ किया जिसके अंतर्गत स्कूल और अस्पताल बनाए गए और उपरोक्त वर्णित बहुत सी सामाजिक बुराईयों को समाप्त करने के लिए ग्रामीण नेतृत्व प्रेरित किया।

**असहयोग आन्दोलन** – गांधी जी ने असहयोग, अहिंसा तथा शांतिपूर्ण प्रतिकार को अंग्रेजों के खिलाफ़ शस्त्र के रूप में उपयोग किया। पंजाब में अंग्रेजी फोजों द्वारा भारतीयों पर जलियावांला नरसंहार जिसे अमृतसर नरसंहार के नाम से भी जाना जाता है ने देश को भारी आघात पहुंचाया जिससे जनता में क्रोध और हिंसा की ज्वाला भड़क उठी। गांधीजी ने ब्रिटिश राज तथा भारतीयों द्वारा प्रतिकारात्मक रवैया दोनों की की। उन्होंने ब्रिटिश नागरिकों तथा दंगों के शिकार लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा पार्टी के आरंभिक विरोध के बाद दंगों की भर्त्सना की। गांधी जी के भावनात्मक भाषण के बाद अपने सिद्धांत की वकालत की कि सभी हिंसा और बुराई को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता है। किंतु ऐसा इस नरसंहार और उसके बाद हुई हिंसा से गांधी जी ने अपना मन संपूर्ण सरकार आर भारतीय सरकार के कब्जे वाली संस्थाओं पर संपूर्ण नियंत्रण लाने पर केंद्रित था जो जल्दी ही स्वराज अथवा संपूर्ण व्यक्तिगत, आध्यात्मिक एवं राजनैतिक आजादी में बदलने वाला था।

**स्वराज और नमक सत्याग्रह** – गांधी जी सक्रिय राजनीति से दूर ही रहे और 1920 की अधिकांश अवधि तक वे स्वराज पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस के बीच खाई को भरने में लगे रहे और इसके अतिरिक्त वे अस्पृश्यता , शराब, अज्ञानता और गरीबी के खिलाफ आंदोलन छेड़ते भी रहे। उन्होंने पहले 1928 में लौटे एक साल पहले अंग्रेजी सरकार ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में एक नया संवेधानिक सुधार आयोग बनाया जिसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं था। इसका परिणाम भारतीय राजनैतिक दलों द्वारा बहिष्कार निकला। दिसंबर 1928 में गांधी जी ने कलकत्ता में आयोजित कांग्रेस के एक अधिवेशन में एक प्रस्ताव रखा जिसमें भारतीय साम्राज्य को सत्ता प्रदान करने के लिए कहा

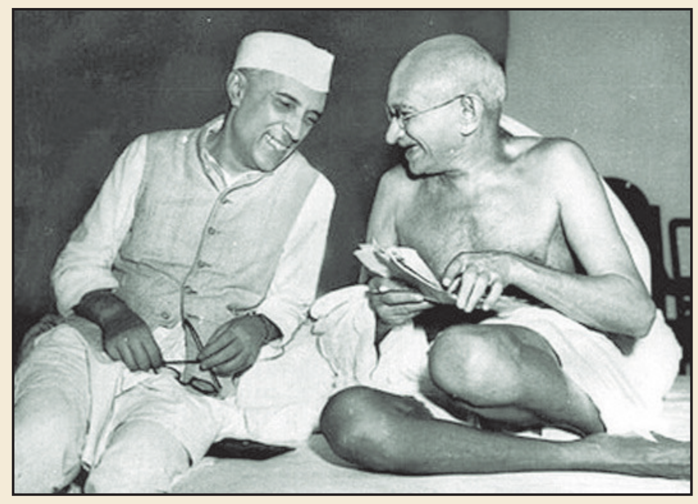

गया था अथवा ऐसा न करने के बदले अपने उद्देश्य के रूप में संपूर्ण देश की आजादी के लिए असहयोग आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहें। गांधी जी ने न केवल युवा वर्ग सुभाष चंद्र बोस तथा जवाहरलाल नेहरू जैसे पुरूषों द्वारा तत्काल आजादी की मांग के विचारों को फलीभूत किया बल्कि अपनी स्वयं की मांग को दो साल की बजाए एक साल के लिए रोक दिया। अंग्रेजों ने कोई जवाब नहीं दिया। नहीं 31 दिसंबर 1929 , भारत का झंडा फहराया गया था लाहौर में है . 26 जनवरी 1930 का दिन लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता दिवस के रूप में इंडियन नेशनल कांग्रेस ने मनाया। यह दिन लगभग प्रत्येक भारतीय संगठनों द्वारा भी मनाया गया। इसके बाद गांधी जी ने मार्च 1930 में नमक पर कर लगाए जाने के विरोध में नया सत्याग्रह चलाया जिसे 12 मार्च से 6 अप्रेल तक नमक आंदोलन के याद में 400 किलोमीटर (248 मील) तक का सफर अहमदाबाद से दांडी, गुजरात तक चलाया गया ताकि स्वयं नमक उत्पन्न किया जा सके। समुद्र की ओर इस यात्रा में हजारों की संख्या में भारतीयों ने भाग लिया। भारत में अंग्रेजों की पकड़ को विचलित करने वाला यह एक सर्वाधिक सफल आंदोलन था जिसमें अंग्रेजों ने 80,000 से अधिक लोगों को जेल भेजा।

**द्वितीय विश्व युद्ध और भारत छोड़ो** – द्वितीय विश्व युद्ध 1939 में जब छिड़ने नाजी जर्मनी आक्रमण पोलैंड. आरंभ में गांधी जी ने अंग्रेजों के प्रयासों को अहिंसात्मक नैतिक सहयोग देने का पक्ष लिया किंतु दूसरे कांग्रेस के नेताओं ने युद्ध में जनता के प्रतिनिधियों के परामर्श लिए बिना इसमें एकतरफा शामिल किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के सभी चयनित सदस्यों ने सामूहिक तौर पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लंबी चर्चा के बाद, गांधी ने घोषणा की कि जब स्वयं भारत को आजादी से इंकार किया गया हो तब लोकतांत्रिक आजादी के लिए बाहर से लड़ने पर भारत किसी भी युद्ध के लिए पार्टी नहीं बनेगी। जैसे जैसे युद्ध बढता गया गांधी जी ने आजादी के लिए अपनी मांग को अंग्रेजों को भारत छोड़ो आन्दोलन नामक विधेयक देकर तीव्र कर दिया। यह गांधी तथा कांग्रेस पार्टी का सर्वाधिक स्पष्ट विद्रोह था जो भारतीय सीमा से अंग्रेजों को खदेड़ने पर लक्षित था। गांधी जी के दूसरे नंबर पर बैठे जवाहरलाल नेहरू की पार्टी के कुछ सदस्यों तथा कुछ अन्य राजनैतिक भारतीय दलों ने आलोचना की जो अंग्रेजों के पक्ष तथा विपक्ष दोनों में ही विश्वास रखते थे। कुछ का मानना था कि अपने जीवन काल में अथवा मौत के संघर्ष में अंग्रेजों का विरोध करना एक नश्वर कार्य है जबकि कुछ मानते थे कि गांधी जी पर्याप्त कोशिश नहीं कर रहे हैं। भारत छोड़ो इस संघर्ष का सर्वाधिक शक्तिशाली आंदोलन बन गया जिसमें व्यापक हिंसा और गिरफ्तारी हुई। पुलिस की गोलियों से हजारों की संख?या में स्वतंत्रता सेनानी या तो मारे गए या घायल हो गए और हजारों गिरफ्तार कर लिए गए। गांधी और उनके समर्थकों ने स्पष्ट कर दिया कि वह युद्ध के प्रयासों का समर्थन तब तक नहीं देंगे तब तक भारत को तत?काल आजादी न दे दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार भी यह आन्दोलन बन्द नहीं होगा यदि हिंसा के व्यक्तिगत कृत्यों को मूर्त रूप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि उनके चारों ओर अराजकता का आदेश असली अराजकता से भी बुरा है। उन्होंने सभी कांग्रेसियों और भारतीयों को अहिंसा के साथ करो या मरो (अंग्रेजी में डू ऑर डाय) के द्वारा अन्तिम स्वतन्त्रता के लिए अनुशासन बनाए रखने को कहा।

## स्वतंत्रता और भारत का विभाजन

गांधी जी ने 1946 में कांग्रेस को ब्रिटिश केबीनेट मिशन के प्रस्ताव को ठुकराने का परामर्श दिया क्योकि उसे मुस्लिम बाहुलता वाले प्रांतों के लिए प्रस्तावित समूहीकरण के प्रति उनका गहन संदेह होना था इसलिए गांधी जी ने प्रकरण को एक विभाजन के पूर्वाभ्यास के रूप में देखा। हालांकि कुछ समय से गांधी जी के साथ कांग्रेस द्वारा मतभेदों वाली घटना में से यह भी एक घटना बनी। चूंकि नेहरू और पटेल जानते थे कि यदि कांग्रेस इस योजना का अनुमोदन नहीं करती है तब सरकार का नियंत्रण मुस्लिम लीग के पास चला जाएगा। 1948 के बीच लगभग 5000 से भी अधिक लोगों को हिंसा के दौरान मौत के घाट उतार दिया गया। गांधी जी किसी भी ऐसी योजना के खिलाफ थे जो भारत को दो अलग अलग देशों में विभाजित कर दे।भारत में रहने वाले बहुत से हिंदुओं और सिक्खों एवं मुस्लिमों का भारी बहुमत देश के बंटवारे के पक्ष में था। इसके अतिरिक्त मुहम्मद अली जिन्ना, मुस्लिम लीग के नेता ने, पश्चिम पंजाब, सिंध, उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत और ईस्ट बंगाल में व्यापक सहयोग का परिचय दिया। व्यापक स्तर पर फैलने वाले हिंदु मुस्लिम लड़ाई को रोकने के लिए ही कांग्रेस नेताओं ने बंटवारे की इस योजना को अपनी मंजूरी दे दी थी। कांगेस नेता जानते थे कि गांधी जी बंटवारे का विरोध करेंगे और उसकी सहमति के बिना कांग्रेस के लिए आगे बझना बसंभव था चुकि पाटर्ठी में गांधी जी का सहयोग और संपूर्ण भारत में उनकी स्थिति मजबूत थी। गांधी जी के करीबी सहयोगियों ने बंटवारे को एक सर्वोत्तम उपाय के रूप में स्वीकार किया और सरदार पटेल ने गांधी जी को समझाने का प्रयास किया कि नागरिक अशांति वाले युद्ध को रोकने का यही एक उपाय है। मज़बूर गांधी ने अपनी अनुमति दे दी।

## हत्या

30 जनवरी 1948 गांधी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वे नई दिल्ली के बिड़ला भवन के मैदान में रात चहलकदमी कर रहे थे। गांधी का हत्यारा नाथूराम गौड़से हिन्दू राष्ट्रवादी थे जिनके कट्टरपंथी हिंदु महासभा के साथ संबंध थे जिसने गांधी जी को पाकिस्तान को भुगतान करने के मुद्दे को लेकर भारत को कमजोर बनाने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। गोड़से और उसके उनके सह षड्यंत्रकारी नारायण आप्टे को बाद में केस चलाकर सजा दी गई तथा 15 नवंबर1949 को इन्हें फांसी दे दी गई।

# गांधी जयंती आत्ममूल्यांकन का दिन

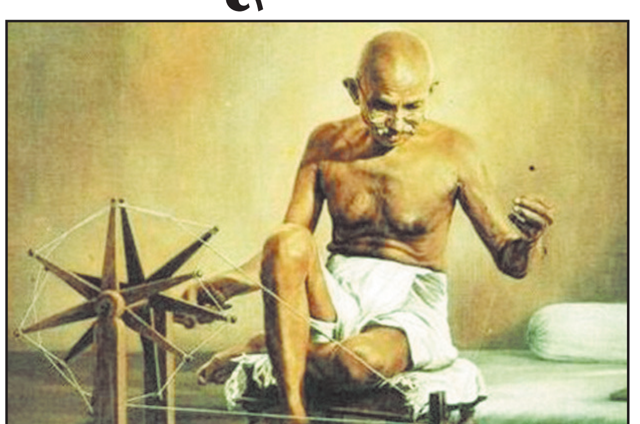

आज गांधी जयंती है। गांधी प्रतिमाओं और उनकी तस्वीरों को पिछली पुण्यतिथि के बाद धोने-पोंछने का यह पहला अवसर आया है। प्रत्येक वर्ष ऐसा ही होता है, जयंती और पुण्यतिथि के बीच की अवधि में गांधीजी के साथ कोई नहीं होता है। कड़वी बात तो यह है कि बचे-खुचे गांधीवादी भी नहीं। वे गांधीजी का साथ दे भी नहीं सकते हैं क्योंकि जरूरतों और परिस्थितियों ने उन्हें भी सिखा दिया है कि गांधी बनने से केवल प्रताड़ना मिल सकती है, संपदा, संपत्ति नहीं। वैचारिक धरातल में यह खोखलापन एक दिन या एक माह या एक वर्ष में नहीं आ गया। जान-बूझकर धीरे-धीरे और योजनाबद्ध ढंग से गांधी सिद्धांतों को मिटाया जा रहा है क्योंकि यह मौजूदा स्वार्थों में सबसे बड़े बाधक हैं। गांधी सिद्धांतों को मिटाने की इस गतिविधि को देखा नहीं गया, ऐसा नहीं है। सब चुप हैं क्योंकि अपना-अपना लाभ सभी को चुप रहने के लिए प्रेरित कर रहा है। आमतौर पर जन्मदिन या जयंती के दिन आस्था के फूल अर्पित करने की परंपरा है। इस दिन कड़वी बातों को कहने का रिवाज नहीं है। यदि इस रिवाज को तोड़ा जा रहा है, तो मजबूरी के दबाव को समझे जाने की आवश्यकता है। यह राष्ट्र नेताओं को महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर कीचड़ उछालने की अनुमति कैसे दे रहा है, क्यों दे रहा है? यह कैसी सहिष्णुता है जो राष्ट्र की बुनियादी विचारधारा को मटियामेट करने पर आमादा है?

कहते हैं कि जो राष्ट्र अपने चरित्र की रक्षा करने में सक्षम नहीं है, उसकी रक्षा कोई नहीं कर सकता है। क्या परमाणु बम भारतीयता की रक्षा कर पाएगा? दरअसल, यह भुला दिया गया है कि पहले विश्वास बनता है, फिर श्रद्धा कायम होती है। किसी ने अपनी जय-जयकार करवाने के लिए क्रम उलट दिया और उल्टी परंपरा बन गई। अब विश्वास हो या नहीं हो, श्रद्धा का प्रदर्शन जोर-शोर से किया जाता है। गांधीजी भी श्रद्धा के इसी प्रदर्शन के शिकार हुए हैं। उनके सिद्धांतों में किसी को विश्वास रहा है या नहीं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता। जयंती और पुण्यतिथि पर उनकी कसमें खाकर वाहवाही जरूर लूटी जा रही है। गांधीजी के विचार बेचने की एक वस्तु बनकर रह गए हैं। वे छपे शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। इसलिए ही गांधीजी की जरूरत आज पहले से कहीं अधिक है। इस जरूरत को पूरा करने की सामर्थ्य वाला व्यक्तित्व दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। हर कोई चाहता है कि आदर्श और मूल्य इतिहास में बने रहें और इतिहास को वह पूजता भी रहेगा। परंतु अपने वर्तमान को वह इस इतिहास से बचाकर रखना चाहता है। अपने लालच की रक्षा में वह गांधी की रोज हत्या कर रहा है, पल-पल उन्हें मार रहा है और राष्ट्र भीड़ की तरह तमाशबीन बनकर चुपचाप उसे देख रहा है। शायद कल उनमें से किसी को यही करना पड़े! अपने हितों की विरोधी चीजों को इतिहास में बदल देने में भारतीयता आजादी के बाद माहिर हो चुकी है। वर्तमान और इतिहास की इस लड़ाई में वर्तमान ही जीतता आ रहा है क्योंकि इतिहास की तरफ से लड़ने वाले शेष नहीं हैं। आज गांधी जयंती है। गांधीजी की प्रतिमा के सामने आंख मूंदकर कुछ क्षण खड़े रहने वाले क्या यह पश्चाताप कर रहे होंगे कि वे गांधीजी के बताए रास्तों पर क्यों नहीं चल रहे हैं? नहीं, वे यह कतई नहीं सोच रहे होंगे। तब वे मन ही मन क्या कह रहे होंगे? सोचिए और उस पर मनन कीजिए। गांधी जयंती पर यही बड़ा काम होगा।

# गांधीजी ने बजाया था सत्याग्रह का बिगुल

दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद भारतवासियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए गांधी जी नेशनल इण्डियन कांग्रेस की स्थापना की। पहली बार सत्याग्रह के शस्त्र का प्रयोग किया और विजय भी पाई। इस प्रकार सन? 1914-15 में गांधी जब दक्षिण अफ्रीका से वापिस भारत लौटे, तब तक इन विचारों और जीवन-व्यवहारों में आमूल-चूल परिवर्तन आ चुका था।

भारत लौटकर कुछ दिन गांधी जी देश का भ्रमण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेते रहे। फिर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जैसी संस्था को पूर्ण स्वतंत्रता का लक्ष्य देकर संघर्ष में कूद पड़े। क्योंकि प्रथम विश्वयुद्ध में वचन देकर भी अंग्रेज सरकार ने भारतीयों के प्रति अपने रवैये में कोई परिवर्तन नहीं किया था, इससे गांधी जी और भी चिढ़ गए और अंग्रेजी कानूनों का बहिष्कार और सत्याग्रह का बिगुल बजा दिया। भारतवासियों के मानवाधिकारों का हनन करने वाले रोलट एक्ट का स्थान-स्थान पर विरोध-बहिष्कार होने लगा। सन 1919 में जलियां-वाला बाग में हो रही विरोध-सभा पर हुए अत्याचार ने गांधी जी की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। सो अब ये समूचे स्वतंत्रता आंदोलन की बागडोर सम्हाल खुलम-खुल्ला संघर्ष में कूद पड़े। इनका संकेत पाते ही सारे देश में विरोधी आंदोलनों की एक

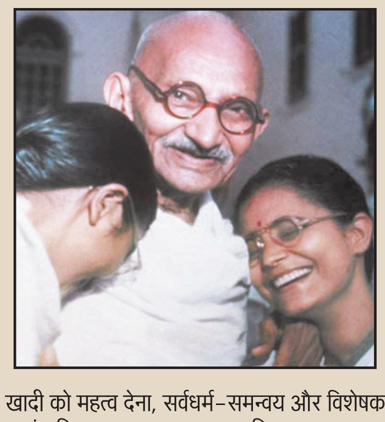

आंधी सी छा गई। अंग्रेज सरकार की लाठी-गोलियां भी अंधाधुंध बरसने लगीं। जेलें सत्याग्रहियों से भर उठीं। गांधीजी को भी जेल में डाल दिया गया। बिहार की नील सत्याग्रह, डाण्डी यात्रा या नमक सत्याग्रह, खेड़ा का किसान सत्याग्रह आदि गांधी जी के जीवन के प्रमुख सत्याग्रह हैं। इन्हें कई बार महीने-महीने भर का उपवास भी करना पड़ा। अपने विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए इन्होंने नवजीवन और यंग इण्डिया जैसे पत्र भी प्रकाशित किए। विदेशी-बहिष्कार और विदेशी माल का दाह, मद्य निषेध के लिए धरने का आयोजन, अछूतोद्धार, स्वदेशी प्रचार के लिए चर्खे और खादी को महत्व देना, सर्वधर्म-समन्वय और विशेषकर हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए प्रचार इनके द्वारा आरंभ किए गए अन्य प्रमुख सामाजिक सुधारात्मक कार्य माने गए हैं। इस प्रकार के स्वतंत्रता दिलाने वाले प्रयासों के लिए अक्सर बीच-बीच में इन्हें जेलयात्रा भी करनी पड़तीं। सन 1931 में इंग्लैंड में संपन्न गोलमेज कान्फ्रेस में भाग लेने के लिए गांधी जी वहां गए, पर जब इनकी इच्छा के विरुद्ध हरिजनों को निर्वाचन का विशेषाधिकार हिन्दुओं से अलग करके दे दिया, तो भारत लौटकर गांधी जी ने पुनः आंदोलन आरंभ कर दिया। बंदी बनाए जाने पर जब ये अनशन करने लगे, तो सारा देश क्षुब्ध हो उठा। फलतः ब्रिटिश सरकार को गांधी जी के मतानुसार हरिजनों का पृथक निर्वाचनाधिकार का हठ छोड़ना पड़ा।